THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 79 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.4 2080 बुधवार, 7 जून 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी के अमेरिका दौरे में बड़ा रक्षा सौदा संभव

350 तेजस में लग सकते हैं अमेरिकी इंजन, 22-23 जून को हो सकता है समझौता

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने 21 से 24 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा को यादगार बनाने के लिए दोनों देशों के विदेश एवं रक्षा मंत्रालयों की टीमें जुटी हैं। कोशिश यह है कि सामरिक नजरिए से पीएम मोदी की यात्रा अगले 5 दशकों तक याद रखी जाए। इसके लिए सबसे ठोस कदम रक्षा क्षेत्र में उठाने की तैयारी है।

यात्रा के दौरान 350 फाइटर जेट इंजनों के भारत में निर्माण का बड़ा रणनीतिक सौदा परवान चढ़ सकता है। अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) और हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स के बीच समझौते पर 22-23 जून को हस्ताक्षर होने की संभावना है।

22 हजार करोड़ के आर्म्ड ड्रोन्स की डील भी संभव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान ही 30 एमक्यू-9बी आर्म्ड ड्रोन खरीदने की डील भी होने की संभावना है। यह डील करीब 22 हजार करोड़ रुपये की हो सकती है। ऐसे 10 ड्रोन तीनों सेनाओं को मिलेंगे। करीब 2 टन सैन्य साजो-सामान ले जाने में सक्षम ये ड्रोन 48 घंटे तक लगातार उड़ान भरते हुए 6,000 किलोमीटर तक की रेंज में ऑपरेशन कर सकते हैं। सेंसर और लेजर गाइडेड बमों से लैस ये ड्रोन हवा से धरती पर मार करने वाली मिसाइल से भी लैस हैं।

भारत के फाइटर प्रोग्राम के लिए अहम है जेट इंजन डील :

भारत में जेट इंजन बनने की डील देश के फाइटर प्रोग्राम के लिए अहम है। इंजन का निर्माण टेक्नोलॉजी हस्तांतरण के जरिये होगा। स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस में कम शक्ति का जीई इंजन लगता रहा है। मार्क-2 और पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी फाइटर एमका में जीई-414 इंजन लगेंगे। 1963 के बाद से इस्तेमाल किए जा रहे रूसी मिग फाइटर अगले 3 साल में रिटायर होंगे। तब अमेरिकी इंजन से लैस लड़ाकू विमान तैयार रहेंगे।

सौदों को गति देने के लिए अगले हफ्ते आइडिया शिखर सम्मेलन

अंतरिक्ष, ऊर्जा और व्यापार के सौदों को गति देने के लिए अमेरिका-इंडिया बिजनेस काउंसिल 12 और 13 जून को आइडिया शिखर सम्मेलन का दिल्ली में आयोजन करेगी। इसमें दोनों देशों की 200 से अधिक कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल होंगे।

पीएम मोदी के अमेरिका दौरे से पहले 4 जून को अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। उन्हें तीनों सेनाओं की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राजनाथ सिंह ने लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद बताया कि दोनों देशों में डिफेंस क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। लॉयड ऑस्टिन ने बताया कि दोनों देशों के बीच डिफेंस पार्टनरशिप को मजबूत करने के लिए एक नई पहल की जा रही है।

सीबीआई टीम जांच में जुटी

ओडिशा ट्रेन हादसा-मृतकों की संख्या 278 हुई

3 दिन बाद भी 101 शवों की पहचान नहीं

भुवनेश्वर/बालासोर, 6 जून (एजेंसियां)। ओडिशा ट्रेन हादसे की सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है। सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम ने मंगलवार को घटनास्थल का दौरा किया। उधर, हादसे में मरने वाले 278 लोगों में से 101 शवों की पहचान नहीं हो पाई है।

डीआरएम भुवनेश्वर रिंकेश रॉय ने मंगलवार को बताया कि घायल 1100 लोगों में से 900 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। राज्य के विभिन्न अस्पतालों में करीब 200 लोगों का इलाज चल रहा है। रेलवे ने दुर्घटना में प्रभावित लोगों के परिवारों की मदद के लिए ओडिशा सरकार के साथ मिलकर ऑनलाइन लिंक जारी किए हैं। इनमें मृतकों की तस्वीरें और तमाम अस्पतालों में भर्ती यात्रियों की लिस्ट दी गई है। डीएमसी की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबर 1929 पर अब तक 200 से ज्यादा फोन आ चुके हैं। शवों की पहचान कर उन्हें परिजनों को सौंपा जा रहा है।

रेलवे ने सिस्टम सुधार का आदेश दिया

आने वाले समय में बालासोर जैसे हादसे न हो, इसके लिए रेलवे ने सिस्टम सुधारने का आदेश दे दिया है। सिग्नलिंग से लेकर लॉकिंग सिस्टम की जांच की जाएगी। वहीं, स्टेशन मास्टर और कंट्रोल रूम सेंटर में लगे सभी उपकरणों का रिव्यू किया जाएगा।

देशभर में सिग्नलिंग और डबल लॉकिंग सिस्टम की जांच :

ट्रिपल ट्रेन हादसे के तीन दिन बाद रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने बहानगा बाजार स्टेशन के सिग्नल रूम और कंट्रोल रूम का दौरा किया। साथ ही स्टेशन के प्रभारी सहायक स्टेशन प्रबंधक से पूछताछ की। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रेल मंत्रालय ने देशभर के रेलवे स्टेशन पर सिग्नलिंग सिस्टम और 'डबल लॉकिंग' सिस्टम की सुरक्षा जांच करने का आदेश जारी किया है। इसके तहत एक हफ्ते तक अभियान चलाया जाएगा।

रिले रूम में हर किसी को नहीं मिलेगी एंट्री

रिले रूम में एंट्री को लेकर सख्ती और सावधानी बरतने के आदेश भी दिए गए। अभियान में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जब भी स्टेशन पर सिग्नलिंग रिले रूम खुले और बंद हों, तो एसएमएस अलर्ट जनरेट करने की प्रणाली ठीक से काम करे। निर्देश में कहा गया है कि स्टेशन सीमा के साथ सभी केबिन हाउसिंग सिग्नलिंग उपकरण की जांच हो और डबल लॉकिंग की व्यवस्था ठीक की जाए।

जयराम रमेश ने किया ट्वीट

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्विटर पर सरकार को घेरते हुए लिखा, रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने अभी बालासोर ट्रेन दुर्घटना पर अपनी रिपोर्ट भी नहीं दी है, उससे पहले ही सीबीआई जांच की घोषणा कर दी गई। यह कुछ और नहीं बल्कि हेडलाइन मैनेजमेंट है, क्योंकि सरकार डेडलाइन पूरा करने में पूरी तरह से विफल है।

सीबीआई जांच को लेकर विपक्ष के सवाल :

ओडिशा में हुए बड़े रेल हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार 4 जून की शाम घोषणा की थी कि बालासोर रेल हादसे की जांच सीबीआई से कराने की सिफारिश की गई है। इसके बाद सीबीआई को मामला सौंप दिया गया। जिसे लेकर विपक्ष अब हमलावर है। जयराम रमेश से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने बालासोर रेल हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए इस मामले के सभी पहलुओं की जांच की मांग करते हुए प्रधानमंत्री को एक चिट्ठी लिखी थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि सीबीआई की जांच से तकनीकी, संस्थागत और राजनीतिक विफलताओं की जवाबदेही तय नहीं हो सकती।

खडगे ने अपनी चिट्ठी में ये भी कहा कि सीबीआई रेल दुर्घटनाओं की जांच के लिए नहीं है, वह अपराधों की छानबीन करती है। खडगे ने आरोप लगाया था कि सरकार जवाबदेही तय करने के किसी भी प्रयास को नाकाम करने और लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

बता दें कि ओडिशा के बालासोर में कोरोमंडल एक्सप्रेस शुक्रवार (2 जून) शाम करीब सात बजे लूप लाइन पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे कोरोमंडल एक्सप्रेस के अधिकतर डिब्बे पटरी से उतर गए। उसी समय वहां से गुजर रही तेज रफ्तार बेंगलुरू-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा कर पटरी से उतर गए। इस हादसे में कम से कम 275 लोगों की जान चली गई।

एनआईए की हरियाणा-पंजाब में 10 ठिकानों पर रेड

खालिस्तान टाइगर फोर्स से जुड़े होने का शक, फंडिंग-हथियार तस्करी में मदद को लेकर पूछताछ

पानीपत, 6 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) की फंडिंग करने वालों पर पंजाब और हरियाणा में रेड की है। पंजाब में 9 जगहों और हरियाणा में 1 जगह पर रेड की गई। केटीएफ के लिए फंड जुटाने के अलावा बॉर्डर पार से हथियार, गोला-बारूद और एक्सप्लोसिव की तस्करी की साजिश में शामिल लोगों पर भी ये रेड हुई। हालांकि, अभी तक इसका ब्यौरा सामने नहीं आया है।

सूत्रों के मुताबिक केटीएफ की तरफ से पंजाब और हरियाणा में बड़ी वारदातों की तैयारी की जा रही थी। जिसमें धमाकों से लेकर टारगेट किलिंग तक शामिल है। उनके प्लान को डीकोड करने पर एनआईए को पता चला कि कई लोकल लोग उनके लिए फंडिंग कर रहे हैं। कई फंडिंग का जरिया बने हुए हैं। वहीं कई लोग बॉर्डर पार और खासकर पाकिस्तान से हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी में मदद कर रहे हैं। जिसके बाद एक साथ केटीएफ से जुड़े संदिग्ध लोगों पर रेड की गई।

मुक्तसर में खिलौना बेचने वाले पर छापा

एनआईए की टीम ने पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब जिले में खिलौना बेचने वाले पर रेड की है। टीम ने अबोहर रोड बाइपास पर रहने वाले व्यक्ति से काफी देर तक पूछताछ की गई। पूछताछ के लिए उसे चंडीगढ़ बुलाया गया है।

इसके अलावा फिरोजपुर के तलवंडी भाई क्षेत्र में भी रेड की गई। यहां के करीब 5 गांवों से कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। >14

एसी कोच में धुआं देखकर सिकंदराबाद-अगरतला ट्रेन से उतरे यात्री

भुवनेश्वर, 6 जून (एजेंसियां)। बालासोर ट्रेन हादसे के बाद लोग इतना डरे हुए हैं कि सिकंदराबाद-अगरतला एक्सप्रेस के यात्री मंगलवार को ओडिशा के बेरहामपुर रेलवे स्टेशन पर एसी कोच में धुआं देखकर उतर गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बी5 एसी कोच के इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन से धुआं निकला। यात्रियों ने तुरंत ट्रेन से उतरकर कोच बदलने की मांग की।

ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) ने कहा, यह बताया गया है कि बेरहामपुर स्टेशन के पास ट्रेन नंबर 07030 सिकंदराबाद-अगरतला एक्सप्रेस के कोच नंबर बी-5 में बिजली की मामूली समस्या हुई। ऑन-ड्यूटी कर्मचारियों ने तुरंत समस्या को ठीक कर लिया।

2 जून की त्रासदी में चेन्नई जाने वाली कोरोमंडल एक्सप्रेस, हावड़ा जाने वाली एसएमवीपी-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी के बहनागा बाजार रेलवे स्टेशन के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें कम से कम 278 लोगों की मौत हो गई और 1,100 से अधिक घायल हो गए।

उत्तरकाशी के कालिंदी में फंसे 14 ट्रैकर्स एक गाइड की मौत, सेना से मांगी मदद

उत्तरकाशी, 6 जून (एजेंसियां)। समुद्रतल से करीब 19 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित उत्तरकाशी में कालिंदी ट्रैक पर गए 14 सदस्यीय दल के गाइड की मौत की सूचना मिल रही है। ट्रैकिंग एजेंसी ने उत्तरकाशी प्रशासन को मामले की सूचना दी है। ट्रैकिंग एजेंसी ने आपदा प्रबंधन विभाग से ट्रैक पर गए दल को सुरक्षित रेस्क्यू करने की मांग की है। जिला आपदा प्रबंधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, मई के अंतिम सप्ताह में 14 सदस्यीय दल गंगोत्री से कालिंदी ट्रैक के लिए रवाना हुआ था। इस ट्रैक के बेस कैंप में पहुंचते ही अधिक बर्फबारी होने के कारण दल वहां फंस गया।

समुद्र तल से 19 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित कालिंदी ट्रैक पर गए दल में शामिल एक गाइड की मौत की खबर है। दल में शामिल 14 ट्रैकर्स भी वहीं फंसे हैं। ट्रैकिंग एजेंसी ने जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग से फंसे हुए ट्रैकर्स को सेना के हेलिकॉप्टर से सुरक्षित रेस्क्यू किए जाने के लिए मदद मांगी है। आपदा प्रबंधन विभाग ने इसकी जानकारी शासन को दे दी है। वहीं एजेंसी की एक रेस्क्यू टीम सोमवार को दल की खोजबीन के लिए रवाना हो गई।

देश में बने हैवी वेट टॉरपीडो की सफल टेस्टिंग

पानी के अंदर टारगेट मौजूद था, सीधे जाकर हिट किया

कोच्चि, 6 जून (एजेंसियां)। भारत में बने हैवी वेट टॉरपीडो की मंगलवार को कोच्चि में सफलतापूर्वक टेस्टिंग कर ली गई। टॉरपीडो ने पानी के अंदर चलते हुए सीधे टारगेट को हिट किया। इंडियन नेवी ने कहा, यह भारतीय नौसेना और डीआरडीओ की अंडरवाटर डोमेन में बेहतरीन हथियार बनाने में एक मील का पत्थर है।

इंडियन नेवी के पास है वरुणास्त्र टॉरपीडो :

इंडियन नेवी के पास पहले से ही एक हैवी वेट टॉरपीडो वरुणास्त्र है। जिसकी 2022 में टेस्टिंग की गई थी। इसे डीआरडीओ ने तैयार किया है। वरुणास्त्र दुनिया का इकलौता टॉरपीडो है, जो जीपीएस बेस्ड है। इसका वजन 1500 किलो है और यह 7-8 मीटर लंबा है। वरुणास्त्र 400 मीटर गहराई में जाकर टॉरगेट हिट कर सकता है। इसकी अधिकतम गति 74किमी प्रति घंटा है। टॉरपीडो को शिप और सबमरीन दोनों से लॉन्च किया जा सकता है। 14

ट्रेन हादसे पर रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग गलत : देवगौडा

बेंगलुरू, 6 जून (एजेंसियां)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने मंगलवार को भाजपा सरकार की तारीफ की। उन्होंने बालासोर रेल हादसे के बाद किए गए राहत और बचाव कार्य के लिए रेल मंत्री को भी सराहा है। जनता दल (सेकुलर) के प्रमुख देवगौड़ा ने कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बहाली और हादसे के कारण हुए नुकसान को जल्द सही करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। रेल मंत्री ने अपना सर्वोच्च दिया है। इसके बाद भी उनके इस्तीफे की मांग करना गलत है।

खयाली पुलाव पका रही है पार्टियां

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद विपक्ष के एकजुट होने वाले सवाल पर पूर्व पीएम ने कहा कि हमने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। अभी हमारा पूरा ध्यान निकाय और पंचायत चुनाव पर केंद्रित है। हम अपनी पार्टी को दोबारा से जमीनी स्तर पर मजबूत कर रहे हैं। जेडी (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने अन्य राजनीतिक पार्टियों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रीय पार्टियों को लगता है कि जेडी (एस) खत्म हो गई है तो वह ख्याली पुलाव बना रहे हैं। हम अपनी पार्टी संगठित कर रहे हैं। मुझे पता है भविष्य में कांग्रेस का प्रशासन कैसा होगा। मुझे पता है कि कितना अच्छा प्रशासन दे सकते हैं। कांग्रेस भी ठीक भाजपा के नक्शे-कदम पर काम कर रही है। वह भाजपा सरकार के सिस्टम को नहीं बदल सकते। 2024 में भाजपा के साथ गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी पार्टी को मजबूत करें।

ओडिशा के बालासोर के शुक्रवार को बहनागा बाजार में ट्रेन हादसा हो गया था। रेल हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या 275 हो गई है। 1100 घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया था, इनमें से 900 को छुट्टी भी दे दी गई और 200 लोगों का इलाज चल रहा है। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख, गंभीर रूप से घायलों को दो लाख रुपये और अन्य घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

20 साल में ड्रग्स की सबसे बड़ी जब्ती

एनसीबी ने 6 तस्करों को पकड़ा, 15 हजार एलएसडी पैकेट जब्त, डार्क वेब से करते थे सौदा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने देशभर में फैले एक बड़े ड्रग्स सिंडिकेट का खुलासा किया है। एनसीबी के डिप्टी डीजी ज्ञानेश्वर सिंह ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अलग-अलग छापेमारी में देश में ड्रग्स तस्करी से जुड़े गैंग के 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सिंह ने बताया कि तस्करों से नशीली दवा लीसर्जिक एसिड डाईएथिलेमाइड (एलएसडी) के 15 हजार पैकेट्स बरामद किए गए हैं। इनकी मार्केट वैल्यू हजारों करोड़ रुपये में है। एनसीबी के मुताबिक, यह 20 साल में अब तक की सबसे बड़ी रिकवरी है। इससे पहले कर्नाटक पुलिस और कोलकाता एनसीबी ने 2021-2022 में एलएसडी के 5 हजार पाउच बरामद किए थे।

सिंह के मुताबिक, संदिग्धों की निशानदेही पर 2.5 किलोग्राम मारिजुआना और 4.65 लाख रुपये की नकदी भी जब्त की गई है। वहीं, इनके बैंक अकाउंट्स से 20 लाख रुपये भी मिले हैं।

सिंह ने बताया कि देशभर में फैला यह सिंडिकेट डार्क वेब, क्रिप्टो करेंसी और फॉरेन पोस्ट ऑफिस के जरिए ये धंधा चला रहा था। सोशल मीडिया के जरिए ड्रग्स की डीलिंग होती थी। 14

दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण सिंह के घर का किया दौरा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के सिलसिले में उनके सहयोगियों और उत्तर प्रदेश के गोंडा में उनके आवास पर काम करने वाले लोगों के बयान दर्ज किए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिस लड़की के बयान के आधार पर सिंह के खिलाफ यौन शोषण से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था, उसका बयान दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 164 के तहत एक बार फिर दर्ज किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद के खिलाफ दर्ज मामले के संबंध में सबूत एकत्रित कर रही है और उसके अनुसार अदालत में एक रिपोर्ट पेश करेगी। अधिकारी ने कहा, दिल्ली पुलिस का एक दल गोंडा पहुंचा और सिंह के सहयोगियों तथा उनके चालक सहित उनके घर पर काम करने वालों के बयान दर्ज किए। यह कार्रवाई सबूत इकट्ठा करने और मामले में सिंह तथा शिकायतकर्ताओं के साथ गवाहों के बयानों की पुष्टि करने के लिए आगे की जांच के हिस्से के तौर पर की गई। उन्होंने कहा, मामला बेहद संवेदनशील है इसलिए हम इस बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकते।

एअर इंडिया के विमान की रूस में इमरजेंसी लैंडिंग

सैन फ्रांसिस्को जा रही फ्लाइट की इंजन में खराबी आई थी, क्रू सहित 232 पैसेंजर सुरक्षित

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को जा रहे एअर इंडिया के विमान की मंगलवार को रूस के मगदान में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। एअर इंडिया ने कहा, विमान के इंजन में अचानक आई खराबी की वजह से उसे मदान की ओर डाइवर्ट करना पड़ा।

एयरलाइन कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि 6 जून को एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-173 दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को के लिए उड़ान भरी थी। इंजन में तकनीकी खराबी के बाद उसे डायवर्ट करना पड़ा और रूस के मगदान एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड करवा लिया गया।

एअर इंडिया के मुताबिक, फ्लाइट में 216 पैसेंजर और 16 क्रू मेंबर्स समेत 232 लोग सवार थे, जो सुरक्षित हैं। पैसेंजर्स को सभी सुविधा मुहैया कराई जा रही है। यात्रियों को सैन फ्रांसिस्को ले जाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की जा रही है। इससे पहले इसी साल अप्रैल में खराब मौसम के कारण चेन्नई से सिंगापुर जाने वाली एयर इंडिया की एक फ्लाइट को मलेशिया डायवर्ट किया गया था।

श्रीनगर में छेड़छाड़ के मामले में स्कूल प्रिंसिपल गिरफ्तार

श्रीनगर, 6 जून (एजेंसियां)। श्रीनगर में मंगलवार को छेड़छाड़ के मामले में एक स्कूल प्रिंसिपल को गिरफ्तार किया गया है। श्रीनगर पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 354डी, 294 और 506 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें आगे की जांच की जा रही है।

खेत में काम कर रहीं महिलाएं आकाशीय बिजली की चपेट में आईं एक की मौत, दूसरी गंभीर

शहडोल, 6 जून (एजेंसियां)। शहडोल में आकाशीय बिजली गिरने से खेत में काम कर रही एक महिला की मौके पर मौत हो गई, तो दूसरी गंभीर घायल है, जिसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सोमवार की शाम अचानक मौसम में बदलाव हुआ और तेज गरज चमक के साथ बूंदाबांदी भी हुई, उसी दौरान सोहागपुर थाना क्षेत्र के सिंदूरी भर्री गांव में खेत में काम कर रहीं दो महिलाओं के समीप ही आकाशीय बिजली गिर गई, खेत में काम कर रही जुग्गी बाई पति मिलन बैगा उम्र 60 वर्ष की मौके पर मौत हो गई, तो वहीं 57 वर्षीय महिला गंभीर घायल हुई है। आकाशीय बिजली गिरने के बाद आसपास के लोग वहां पहुंचे और घायल महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां 57 वर्षीय महिला का इलाज शुरू हो गया है। मंगलवार की सुबह थाना प्रभारी सोहागपुर अनिल पटेल ने जानकारी देते हुए बताया है कि जुग्गी बाई की मौत के बाद मामले पर मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

अंतरराज्यीय हथियार सप्लायर गिरोह का खुलासा, एक तस्कर गिरफ्तार; पिस्टल समेत 55 जिंदा कारतूस बरामद

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने अंतरराज्यीय हथियार सप्लायर गिरोह के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। स्पेशल टीम ने इमरान उर्फ अमजद को हथियारों और कारतूस के साथ पकड़ा है। स्पेशल सेल ने हाशिम बाबा सिंडिकेट के अंतर्राज्यीय हथियार सप्लायर इमरान को अवैध हथियार और गोला-बारूद सप्लाई करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसके पास से 12 सेमी-ऑटोमैटिक और सिंगल शॉट पिस्टल के साथ 55 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।

9 जून को जंतर मंतर पर आंदोलन नहीं करेंगे किसान, राकेश टिकैत बोले- जब पहलवान कहेंगे तब

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने पहलवानों के समर्थन में 9 जून को जंतर मंतर पर आयोजित किया जाने वाला कार्यक्रम रद्द कर दिया है। किसान नेता राकेश टिकैत के मुताबिक, अभी इनकी बातचीत सरकार से और गृहमंत्री से चल रही है। इनके कहने पर हमने 9 जून को जंतर-मंतर पर होने वाला प्रदर्शन स्थगित कर दिया है। पहलवान आने वाले दिनों में आगे जो तारीख देंगे हम उसमें उनका समर्थन जरूर करेंगे। सोमवार रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कहा गया था कि पहलवानों (बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक) ने देश के गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी, हालांकि उनके बीच क्या बातचीत हुई इसके बारे में पता नहीं चल सका है। इस मुलाकात के बाद पहलवानों ने किसानों से रिक्वेस्ट करके कहा, अभी किसी भी तरह का आंदोलन नहीं किया जाए, उसके बाद राकेश टिकैत का यह बयान सामने आया है।

एक और चक्रवाती तूफान के आसार

मॉनसून पर हो सकता है असर क्या आएगी तबाही

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। देश के तटीय इलाकों पर एक और चक्रवात का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) मंगलवार को कहा कि गुजरात में दक्षिणी पोरबंदर में दक्षिणपूर्व अरब सागर पर निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है। यह धीरे-धीरे उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ सकता है और चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। मौसम विभाग ने एक बुलेटिन में कहा कि निम्न दबाव का क्षेत्र सुबह साढ़े पांच बजे पश्चिम-दक्षिणपश्चिम गोवा से करीब 920 किलोमीटर, दक्षिण-दक्षिणपश्चिम मुंबई से 1,120 किमी, दक्षिण पोरबंदर से 1,160 किमी और पाकिस्तान में दक्षिण कराची से 1,520 किलोमीटर पर बना हुआ था।

अगले दो दिनों में तेजी आने के आसार

मौसम विभाग के बुलेटिन में कहा गया है, 'दबाव के क्षेत्र के अगले 24 घंटे के दौरान उत्तर की ओर बढ़ने तथा पूर्व-मध्य अरब सागर और उससे सटे दक्षिणपूर्व अरब सागर पर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है।' आईएमडी ने सोमवार को कहा था कि दक्षिण-पूर्व अरब सागर के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बनने और अगले दो दिनों में इसमें तेजी आने के कारण चक्रवाती हवाएं मॉनसून के केरल तट की ओर आगमन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि, मौसम विभाग ने केरल में मॉनसून के आगमन की संभावित तारीख नहीं बताई।

केरल में मानसून आठ या नौ जून को दे सकता है दस्तक

मौसम का पूर्वानुमान बताने वाली प्राइवेट एजेंसी 'स्काइमेट वेदर' ने बताया कि केरल में मानसून आठ या नौ जून को दस्तक दे सकता है लेकिन हल्की बारिश की ही संभावना है। उसने कहा, 'अरब सागर में मौसम की ये शक्तिशाली प्रणालियां अंदरुनी क्षेत्रों में मानसून के आगमन को प्रभावित करती हैं। इसके प्रभाव में मानसून तटीय हिस्सों में पहुंच सकता है लेकिन पश्चिम घाटों से आगे जाने में उसे संघर्ष करना पड़ेगा।' दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आम तौर पर एक जून को लगभग सात दिनों के मानक विचलन के साथ केरल में प्रवेश करता है। मई के मध्य में, आईएमडी ने कहा था कि मॉनसून चार जून तक केरल में आ सकता है।

मॉनसून में सामान्य बारिश की उम्मीद

दक्षिण-पूर्वी मॉनसून पिछले साल 29 मई, 2021 में तीन जून, 2020 में एक जून, 2019 में आठ जून और 2018 में 29 मई को पहुंचा था। आईएमडी ने पूर्व में कहा था कि अल नीनो की स्थिति विकसित होने के बावजूद दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के मौसम में भारत में सामान्य बारिश होने की उम्मीद है। वैज्ञानिकों का कहना है कि केरल में मानसून में थोड़ी देर होने का मतलब यह नहीं होता कि मानसून देश के अन्य हिस्सों में भी देरी से पहुंचेगा। इससे मानसून के दौरान देशभर में कुल वर्षा पर भी असर नहीं पड़ता। आईएमडी ने पहले कहा था कि भारत में अल-नीनो की बदलती परिस्थितियों के बावजूद दक्षिणपश्चिम मानसून के दौरान सामान्य बारिश होने की उम्मीद है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से कम बारिश होने की उम्मीद है। पूर्व और उत्तर पूर्व, मध्य और दक्षिण प्रायद्वीप में लंबी अवधि के औसत (एलपीए) 87 सेंटीमीटर के हिसाब से 94-106 प्रतिशत वर्षा होने की उम्मीद है।

केदारनाथ यात्रा के लिए

ऑफलाइन पंजीकरण पर 19 जून तक लगी रोक

देहरादून, 6 जून (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण पर लगी रोक को सरकार ने बढ़ा दिया है। पहले पंजीकरण पर 10 जून तक रोक लगाई गई थी। अब इसे बढ़ाकर 19 जून किया गया है। जबकि ऑनलाइन पंजीकरण पर 15 जून तक रोक बरकरार है। पंजीकरण प्रभारी प्रेमानंद ने बताया ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप कार्यालय में आगामी 19 जून तक केदारनाथ की यात्रा के लिए पंजीकरण नहीं होंगे। जो यात्री पहले ही पंजीकरण करा चुके हैं वे यात्रा सकते हैं।

13.38 लाख यात्री करा चुके केदारनाथ के लिए पंजीकरण

चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 41 लाख से ज्यादा पहुंच गई है। इनमें 13.38 लाख यात्रियों ने केदारनाथ धाम के लिए पंजीकरण कराया है। मई में लगातार मौसम खराब होने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए पंजीकरण पर रोक लगाई थी। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 10 जून तक केदारनाथ धाम के लिए प्रतिदिन 20 हजार से अधिक यात्रियों ने पंजीकरण कराया है।

बीएसएफ ने अनजाने में भारतीय सीमा में घुसे दो पाक नागरिकों को पाक रेंजर्स को सौंपा

चंडीगढ़, 6 जून (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले दो पाकिस्तानी नागरिकों को पाकिस्तानी रेंजर्स को सौंप दिया। बयान के अनुसार, बल के जवानों ने सोमवार को सबीब खान (25) और मोहम्मद चांद (21) नामक दो पाकिस्तानी नागरिकों को पंजाब के तरनतारन जिले के नौशेरा ढल्ला गांव के पास भारतीय सीमा में प्रवेश करने के बाद पकड़ा था उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि दोनों अनजाने में सीमा पार कर गए थे। एक बयान के मुताबिक, दोनों पाकिस्तानी नागरिकों के पास कुछ निजी सामान और 1,000 रुपये की पाकिस्तानी मुद्रा के अलावा कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला, जिसके बाद बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजर्स से संपर्क किया और इस संबंध में विरोध दर्ज कराया। बयान में कहा गया कि मंगलवार को देर रात करीब एक बजे दोनों पाकिस्तानी नागरिकों को पाकिस्तानी रेंजर्स को सौंप दिया गया।

इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर दर्दनाक हादसा, बाइक पर पलटा ट्रक

धार, 6 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले में रात को एक बड़ा हादसा हो गया जिसमें एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। यहां ट्रक पास से गुजर रही बाइक पर पलट गया। बाइक सवार पति-पत्नी और दो बेटे ट्रक के नीचे दब गए। हादसे में ट्रक ड्राइवर को भी चोटें आई है जिसे सरदारपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राकेश डामोर अपने दो बच्चों और पत्नी के साथ पीथमपुर से झाबुआ बाइक से जा रहे थे, तभी इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर माछलिया घाट के पास भंडारिया गांव में एक ट्रक पलट गया और राकेश की बाइक इस ट्रक की चपेट में आ गई।

मणिपुर में उग्रवादियों की गोलीबारी में एक बीएसएफ जवान शहीद

दो अन्य जवान घायल

इंफाल, 6 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच उग्रवादियों की गोलीबारी में एक बीएसएफ जवान शहीद हो गया। वहीं दो अन्य जवान घायल हो गए। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान की मौत हो गई, जबकि सेरो इलाके में सुरक्षा बलों और विद्रोहियों के एक समूह के बीच 5-6 जून की रात हुई गोलीबारी में असम राइफल्स के दो जवान घायल हो गए। भारतीय सेना के स्पीयर कोर ने एक बयान में कहा,

बीएसएफ का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि असम राइफल्स के दो जवानों को सामान्य इलाके सेरू में गोली लगी। घायल जवानों को विमान से मंत्रीपुखरी ले जाया गया है। उन्होंने कहा, असम राइफल्स, बीएसएफ और पुलिस द्वारा मणिपुर में सुगनू/सेरौ के क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाए गए। 5-6 जून की रात भर सुरक्षा बलों और विद्रोहियों के समूह के बीच रुक-रुककर गोलीबारी हुई, सुरक्षा बलों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। सेना के अधिकारियों ने कहा कि सेना, असम राइफल्स, पुलिस और सीएपीएफ ने शनिवार को पूरे मणिपुर में पहाड़ी और घाटी क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन ऑपरेशन शुरू किया।

मानव रहित हवाई वाहनों और क्वाडकॉप्टरों के निगरानी कवर के तहत किए गए अभियानों में अब तक 40 हथियार (ज्यादातर स्वचालित), मोर्टार, गोला-बारूद और अन्य जंगी सामान बरामद किए गए हैं। मणिपुर में 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन (एटीएसयू) द्वारा मेइतेई/मीतेई को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने की मांग के विरोध में आयोजित एक रैली के दौरान हिंसा हुई थी। 19 अप्रैल को मणिपुर उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद राज्य के मेइती समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल करने की मांग के विरोध में मार्च का आयोजन किया गया था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मणिपुर दौरे के दौरान दिए गए निर्देशों के बाद सुरक्षा बलों ने एक बार फिर सभी लोगों से मणिपुर में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जल्द से जल्द हथियार रखने की अपील की है। सुरक्षा बलों ने यह भी चेतावनी दी कि इन हथियारों को सरेंडर नहीं करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कैसा होगा महाराष्ट्र सरकार का कैबिनेट विस्तार

बीजेपी और शिवसेना के कितने नेताओं को मिलेगा मौका

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिवसेना के विद्रोह के बाद, महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई और राज्य में शिंदे-फडणवीस सरकार सत्ता में आई। हालांकि, कैबिनेट विस्तार (महाराष्ट्र मंत्रिमंडल विस्तार) को कुछ हासिल नहीं हुआ। लेकिन अब इस बात की प्रबल संभावना है कि शिवसेना की वर्षगांठ से पहले राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार हो जाएगा। विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार छोटा होगा। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक एबीपी माझा को जानकारी मिली है कि शिंदे-फडणवीस को दिल्ली से ही इस तरह के ऑर्डर दिए गए हैं।

क्या नेताओं में है नाराजगी?

सत्ता पक्ष के नेताओं के बीच चर्चा है कि रुके हुए मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर नाराजगी है। साथ ही इन मुद्दों को लेकर विपक्ष द्वारा लगातार इस सरकार की आलोचना की जा रही है। लेकिन अब विश्वसनीय जानकारी सामने आ रही है कि जल्द ही शिंदे

फडणवीस सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। मौजूदा कैबिनेट विस्तार में बीजेपी के छह और शिवसेना के चार सदस्यों को सीटें मिलने की संभावना है। बीजेपी के चार कैबिनेट मंत्री और उनमें से दो के राज्य मंत्री होने की संभावना है और शिवसेना के दो कैबिनेट मंत्री और दो अमदार के राज्य मंत्री होने की संभावना है। खबर यह भी है कि बाकी के 13 खाली मंत्री पद अक्टूबर-नवंबर के बीच भरे जा सकते हैं। मूल शिवसेना में ऐतिहासिक विभाजन के बाद पिछले साल जून में शिंदे-फडणवीस सरकार बनी थी। पिछले 11 महीनों से शिंदे-फडणवीस कैबिनेट में अपने 19 सहयोगियों के साथ मिलकर राज्य चला रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उनके साथ राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार पर चर्चा की मुख्यमंत्री शिंदे ने विचार व्यक्त किया है कि शिवसेना की वर्षगांठ से पहले इस मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाना चाहिए। इसका मतलब है कि राज्य में 19 जून से पहले कैबिनेट विस्तार की संभावना है। राज्य मंत्रिमंडल का यह विस्तार आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए किया जाएगा। ऐसी संभावना है कि महाराष्ट्र में बीजेपी के मिशन 45 को फायदा पहुंचाने वाले नेताओं को ही मंत्री बनाया जाएगा।

नशे में धुत्त पिता ने अपनी 8 वर्षीय बेटी को उतारा मौत के घाट

इंदौर, 6 जून (एजेंसियां)। देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर पुरे देश के लिए सफाई का प्रतिक है लेकिन बीती रात रविवार को इंदौर में कुछ ऐसी घटना घट गई जो की आपकी आत्मा को झंझोड़ कर रख सकती है बीती रात रविवार के दिन इंदौर के द्वारकापूरी इलाके में यह घटना घटी है। जहा नशे में धुत्त एक पिता ने अपनी ही 8 वर्ष की बेटी को मौत के घाट उतार दिया है। पिता अपनी बेटी को मारने के बाद लाश को ठिकाने लगाने ले जा रहा था की आस पास के लोगो ने उसे देख लिया और पुलिस को खबर कर दी, पुलिस ने मौके पर पहुंच कर उसे वही पकड़ लिया और गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है की बेटी पढ़ने में बहुत तेज़ थी, बस उसकी इतनी गलती थी की वो अपने पिता की शराब की लत को छुड़वाना चहती थी। मामला इंदौर के द्वारकापुरी के पास ऋषि पैलेस के पास रहने वाले मजदुर वर्ग के परिवार का है। बीती रात नशे की हालत में पिता घर आया और कहा सुनी पर अपनी ही बेटी को मौत के घाट उतार दिया,

महाराष्ट्र के अहमदनगर में औरंगजेब की फोटो लिए युवकों का वीडियो वायरल

पुलिस ने मामला किया दर्ज

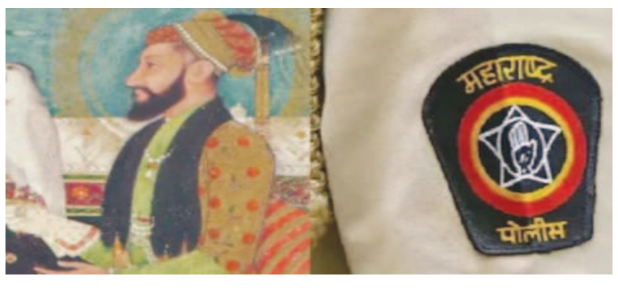

अहमदनगर, 6 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अहमदनगर शहर में औरंगजेब की फोटो के लेकर एक विवाद सामने आया है। यहां कुछ युवकों के नाचने का एक वीडियो सामने आया, जिसमें उनके हाथों में औरंगजेब की फोटो नजर आई। इस वीडियो में युवकों को आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए भी देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इसका संज्ञान लिया और युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया। फिलहाल इस मामले की जांच शुरू हो चुकी है। हालांकि अब तक किसी भी युवक को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

औरंगजेब की फोटो को लेकर विवाद

जानकारी के मुताबिक अहमदनगर के फकीरवाडा इलाके में संदल उरूस के दौरान औरंगजेब की फोटो लेकर कुछ युवकों के नाचने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। रविवार की रात को फकीरवाडा इलाके की एक दरगाह का संदल उरूस निकाला गया था। जिस दौरान ये वीडियो बनाया गया। कार्यक्रम के दौरान औरंगजेब की फोटो हाथ में लेकर इन युवकों को कहते सुना जा सकता है कि "बाप तो बाप होता है बेटा तो बेटा होता है" इस वीडियो को कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसके बाद ये वीडियो तेजी से वायरल हो गया।

पुलिस ने मामला किया दर्ज

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तुरंत एक्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने इस मामले में चार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस मामले में मोहम्मद सरफराज, इब्राहिम सय्य्द उर्फ सरफराज जहागिरदार, अफनान आदिल शेख, शेख सरवर, जावेद शेख उर्फ गब्बर के खिलाफ भिंगार पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 505 (2),298, 34 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। बताया गया है कि पुलिस आरोपियों की पहचान कर चुकी है और अब उनसे पूछताछ हो सकती है। इस मामले में फिलहाल गिरफ्तारी की बात नहीं कही गई है। वहीं सोशल मीडिया पर कई लोग इस वीडियो को लेकर आपत्ति जता रहे हैं और आरोपी युवकों के खिलाफ सख्त एक्शन की मांग कर रहे हैं।

कतर एयरवेज में बम की सूचना से हड़कंप कोलकाता एयरपोर्ट पर रोकी गई फ्लाइट

कोलकाता, 6 जून (एजेंसियां)। कोलकाता से दोहा जाने वाली कतर एयरवेज की फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया, जब विमान में सवार एक यात्री बम होने का दावा करते हुए शोर मचाने लगा। इसके तुरंत बाद फ्लाइट संख्या क्यूआर 541 को उड़ान भरने से रोक दिया गया। कथित तौर पर कतर एयरवेज की फ्लाइट में सवार एक यात्री ने विमान के अंदर बम होने के बारे में चिल्लाना शुरू कर दिया। क्रू ने तुरंत इसकी सूचना सीआईएसएफ को दी। सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और बीडीडीएस को सूचित किया गया है। बीडीडीएस ने खोजी कुत्ते की मदद से विमान की तलाशी ली। पूछताछ के दौरान उस व्यक्ति ने दावा किया कि उसे किसी ने विमान के अंदर बम के बारे में बताया था। सूचना देने वाले के पिता ने सीआईएसएफ से दावा किया कि उनका बेटा मानसिक समस्या से जूझ रहा है। उन्होंने इसके लिए कुछ दस्तावेज भी पेश किए। फिलहाल, फ्लाइट अभी कोलकाता एयरपोर्ट पर है।

सुबह साढ़े तीन बजे की घटना

जानकारी के मुताबिक, 541 यात्रियों को लेकर दोहा के रास्ते लंदन जाने वाली कतर एयरवेज की फ्लाइट मंगलवार तड़के 3.29 बजे कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान भरने के लिए तैयार हो रही थी, तभी एक यात्री ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि विमान में बम है। क्रू मेंबर ने तुरंत सीआईएसएफ को सूचना देते हुए विमान को खाली कराया।

अब तक की सबसे बड़ी ड्रग की खेप पकड़ी गई हजारों करोड़ की नशीली दवा एलएसडी बरामद

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने अब तक की सबसे बड़ी पार्टी ड्रग की खेप पकड़ी है। इस छापेमारी में एनसीबी ने हजारों करोड़ की नशीली दवा लीसर्जिक एसिड डाईएथिलेमाइड (एतएसडी) बरामद हुई है। एनसीबी की इस छापेमारी में देशभर में फैले ड्रग सिंडिकेट का खुलासा हुआ है। कई ड्रग्स तस्करों को भी इस छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया है। इस छापेमारी को लेकर एनसीबी ने प्रेस कॉफ्रेंस कर बताया कि ये दो दशकों में सबसे बड़ी रिकवरी है। डीडीजी एनसीबी ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया कि एलएसडी आजकल यूथ और स्टूडेंट में बहुत फेमस है, लेकिन ये बहुत खतरनाक है। इसकी कमर्शियल क्वांटिटी 0.1 ग्राम है। एक स्टैंप के आधे हिस्सा में इसे लगाते हैं, ऐसे 5 स्टैंप से एक ब्लॉट

बनता है। 15 हजार ब्लॉट बरामद हुए हैं और 6 आरोपी गिरफ्तार किये गए हैं। दो दशकों में इतनी बढ़ी रिकवरी नहीं हुई। इसके तार विदेश और पूरे देश के अलग-अलग राज्यों से जुड़े हैं। पकड़े गए लोग बहुत पढ़े-लिखे हैं और कंज्यूमर यूथ है। उन्होंने बताया कि भारत ड्रग्स का बढ़ा कंज्यूमर कंट्री बनता जा था है। डार्क नेट, क्रिप्टो करेंसी और फोरेन पोस्ट ऑफिस के जरिए ये धंधा चल रहा था। 4 लाख कैश मिला है, वहीं, 20 लाख अकाउंट मिला है। क्रिप्टो बैलेट की जांच चल रही है। ये लोग सोशल मीडिया के जरिए ड्रग्स बेचते थे। नोएडा के एक कॉलेज के छात्र जो गोवा का रहने वाला है, वो इस मामले में सबसे पहले पकड़ा गया था। इसके बाद सिंडिकेट के बारे में पता चला, फिर दिल्ली से एक लड़का पकड़ा गया। एक लड़की भी इनकी गिरोह में थी, वो भी एनसीआर से पकड़ी गई। फिर जयपुर से एक शख्स पकड़ा गया जो इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड था। फिर पुणे से पोस्ट ऑफिस से एलएसडी बरामद हुई। फिर नोएडा से 2 लोग और केरला से 2 लोग पकड़े गए। एलएसडी पोलैंड और नीदरलैंड से आता है और भारत इसका हब बनता जा रहा है। इंस्टा और विकर के जरिए ये ग्रुप बनाकर अपने टारगेट खोजते थे। जयपुर से जो शख्स पकड़ा गया, वो एमएनसी में काम करता है। लड़की ग्रेजुएट है। पिछले महीने, भारतीय नौसेना के साथ विशेष अभियान में, एजेंसी ने केरल के तट के साथ एक नाव में 25,000 करोड़ रुपये मूल्य का 2,525 किलोग्राम मेथमफेटामाइन बरामद किया। संजय कुमार सिंह, उप महानिदेशक (ऑप्स) ने इसे एजेंसी के लिए मूल्य में सबसे बड़ी दवा जब्ती कहा। उन्होंने कहा, एनसीबी और नौसेना ने हिंद महासागर में एक सफल अभियान चलाया। यह अपने मौद्रिक मूल्य के मामले में सबसे बड़ी जब्ती है। यह ईरान में चाबहार बंदरगाह से शुरू हुआ और दवाओं का स्रोत पाकिस्तान है। बता दें कि ऑपरेशन समुद्रगुप्त नाम का विशेष ऑपरेशन फरवरी 2022 में शुरू किया गया था और अब तक 4,000 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स जब्त की जा चुकी है।

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा, खड़े ट्रक से टकराई गाड़ी, 5 की मौत, 13 घायल

बेंगलूरू, 6 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के यादगिरी जिले में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसा। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और 13 गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में दो बच्चे हैं। यादगिरि के डिप्टी एसपी ने बताया कि हादसा बालिचक्र क्रॉस के पास हुआ। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भेजा गया है। द हिंदू ने पुलिस के हवाले से बताया है कि, मारे गए सभी लोग आंध्र प्रदेश के नंद्याल जिले के वेलागोडु गांव के रहने वाले थे। ये सभी ख्वाजा बंदेनवाज उर्स में शामिल होने कर्नाटक के कलबुर्गी जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, हादसा मंगलवार की सुबह 4 बजे हुआ, जब 18 लोगों को ले जा रहा क्रूजर वाहन ट्रक से जा भिड़ा।

सुविचार

पढ़ो लिखो लड़ो हँसो रोओ कुछ भी करो, लेकिन जो सपना देखा है हर हाल में उसे पूरा करो।

देश में औद्योगिक प्रगति में तेलंगाना का विशेष स्थान : पुव्वाड़ा

खम्मम, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार ने कहा कि पारदर्शी नीतियां, सतत प्रगति, प्रभावी नीति के कार्यान्वयन और सुशासन से तेलंगाना में भारी मात्रा में निवेश आने के कारण राज्य औद्योगिक प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के प्रयासों से तेलंगाना ने औद्योगिक प्रगति में देश में एक विशेष स्थान हासिल किया। उन्होंने कहा कि टीएस आईपास उद्योगपतियों को 15 दिनों के भीतर कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता के बिना अनुमति प्राप्त करने में मदद कर रहा है। अजय कुमार मंगलवार को यहां तेलंगाना स्थापना दिवस के दशक समारोह के हिस्से के रूप में खम्मम आईटी हब में आयोजित औद्योगिक दिवस समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने याद दिलाया कि पहले तेलंगाना में पानी और बिजली के अभाव में उद्योग बंद थे लेकिन अब आम आदमी भी आसानी से उद्योग स्थापित कर रहा है।

तेलंगाना सरकार ने नव स्थापित उद्योगों को 24 घंटे काम करने के लिए सभी सुविधाएं प्रदान की हैं। आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामा रावके नेतृत्व में तेलंगाना निवेश, उद्योग स्थापित करने और रोजगार सृजित करने के मामले में हर दिन एक रिकॉर्ड हासिल कर रहा है।

तेलंगाना के गठन के बाद से पिछले नौ वर्षों में, 23,000 से अधिक नए उद्योग स्थापित किए गए, जिससे 17 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए। मंत्री रामा राव ने ब्रिटेन और अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान कई उद्योग सीईओ से मुलाकात की और उनकी यात्रा के कारण 40,000 नए रोजगार सृजित होंगे। एक मल्टीनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप तेलंगाना में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शुरू करने जा रही है, अजय कुमार ने कहा कि इससे एक लाख नौकरियां सृजित होंगी और तेलंगाना राज्य को एक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनाया जाएगा।

तेलंगाना के गठन के बाद से राज्य में 2.6 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के साथ-साथ आईटी क्षेत्र भी शानदार प्रगति कर रहा है और इस साल 17.53 लाख रोजगार सृजित हुए हैं। तेलंगाना ने 2021-22 में 150 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और 76,568 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है और आईटी कर्मचारियों की संख्या 3.71 लाख से बढ़कर 7 लाख हो गई है। इसी तरह आईटी निर्यात 2021-22 तक 1,45,522 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस अवसर पर एमएलसी टी. मधुसूदन, बीज विकास निगम के अध्यक्ष के. कोटेश्वर राव, मेयर पी. नीरजा, जिला पंचायत अध्यक्ष एल. कमल राज, सूडा के अध्यक्ष बी. विजय कुमार, विधायक रामुलु नाइक, जिला कलेक्टर वीपी गौतम, नगर आयुक्त आदर्श सुरभि और अन्य उपस्थित थे।

राशन डीलरों की समस्या दूर करने में विफल रहे केसीआर : बंडी

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केसीआर राज्य के राशन डीलरों की समस्याओं का समाधान करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है और दुख की बात है कि मुख्यमंत्री के पास राशन डीलरों को बुलाने और उनसे बात करने का समय नहीं है। यहां एक बयान में उन्होंने कहा कि 22 मई को राशन डीलरों को हड़ताल का नोटिस जारी करने के बाद आश्वासन दिए जाने के बावजूद एक भी शासनादेश जारी नहीं किया गया।

राशन डीलर हड़ताल पर रहेंगे। संजय ने कहा कि राशन डीलरों की हड़ताल से गरीब लोगों को अब तक चावल नहीं मिलने से काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 91 लाख परिवार अपने मासिक राशन से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि केंद्र सरकार मुफ्त में चावल बांट रही है, लेकिन केसीआर सरकार इसे गरीबों को मुहैया नहीं करा रही है। उन्होंने कहा कि राशन डीलरों ने कोविड के समय में अपनी जान जोखिम में डालकर काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार देश भर में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन चावल उपलब्ध करा रही है, ताकि कोई भूख से तड़प न सके।

उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में राशन डीलर लाभार्थियों को उसी चावल की आपूर्ति कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राशन डीलरों को दिए जाने वाले कमीशन का आधा भुगतान केंद्र द्वारा किया जा रहा है और कहा कि केंद्र हर तीन महीने में एक बार राज्य सरकार को कमीशन राशि का भुगतान करता है जबकि आरोप लगाया जाता है कि राज्य सरकार समय पर राशन डीलरों को कमीशन का भुगतान नहीं कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार धान की खरीदी में हर कदम पर ढिलाई बरत रही है और किसानों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र धान की खरीद का पूरा पैसा दे रहा है। उन्होंने कहा कि धान की खरीद के लिए राज्य सरकार को कमीशन भी दिया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार राशन डीलरों की समस्याओं का तुरंत समाधान करे और चेतावनी दी कि उनकी मांग पूरी नहीं होने पर उनकी पार्टी चुप नहीं बैठेगी।

बैंक सुरक्षा गार्ड ने खुद को गोली मारी, मौत

ओंगोल, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोर्ट सेंटर के पास यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया शाखा के सुरक्षा गार्ड ने सोमवार को यहां कथित तौर पर खुद को गोली मारने के बाद दम तोड़ दिया। खबरों के मुताबिक, 35 वर्षीय सुरक्षा गार्ड एम. वेंकटेश्वरलू बैंक के कमरे में गया और बंदूक से खुद को गोली मार ली। बंदूक की आवाज सुनकर अन्य कर्मचारी अंदर पहुंचे तो उसे खून से लथपथ पाया। आत्महत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चला है।

दि गुजराती सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा हिंदू राष्ट्र पर प्रेरक भाषण 18 को

दि गुजराती सोशल वेलफेयर सोसायटी, हैदराबाद-सिकंदरबाद के तत्वावधान में 18 जून रविवार को सायं 5 बजे से भारतीय विद्या भवन, किंग कोठी में आयोजित होने वाले हिंदू राष्ट्र पर प्रेरक भाषण के संबंधित पोस्टर जारी करते हुए विधायक टी. राजा सिंह, अध्यक्ष जिग्नेश दोशी व अन्य।

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दि गुजराती सोशल वेलफेयर सोसायटी, हैदराबाद-सिकंदरबाद के तत्वावधान में 18 जून रविवार को सायं 5 बजे से भारतीय विद्या भवन, किंग कोठी में हिंदू राष्ट्र पर प्रेरक भाषण का आयोजन किया जाएगा। इसमें गुजरातियों की शान काजल हिंदुस्तानी (शिंगाला) गुजराती व हिंदी भाषा में प्रेरक भाषण देंगी। कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए दि गुजराती सोशल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष तथा वरिष्ठ भाजपा नेता जिग्नेश दोशी की टीम दमखम में जुटी हुई है। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए आज इससे संबंधित पोस्टर का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेने वाले गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह द्वारा संबंधित पोस्टर का अनावरण किया गया। इस अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष श्री दोशी ने अपने संबोधन में बताया कि वर्तमान में हिंदू धर्म का साथ देने का समय आ गया है। हमारे हिंदू भाईयों में अगर एमजुटता नहीं होगी तो वह समय दूर नहीं जब हमें यहां से भी बेदखल कर दिया जाएगा। पुनः हमारी स्वतंत्रता छीन जाएगी। अतः हम सभी को वर्तमान में जागरूक होने की परम आवश्यकता है। श्री दोशी ने बताया कि कार्यक्रम में हैदराबाद की पहचान श्री भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर की ट्रस्टी शशिकला बतौर विशेष अतिथि रहेंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपाध्यक्ष शांतिलाल पटेल, सचिव योगेश तुरकिया, सह सचिव शांतिबेन व्यास, कोषाध्यक्ष हेतल सोमानी, राजेश रामानी, अल्पा वोरा, अरविंद पटेल, मुकेश पटेल, आरतीबेन पटेल, पूजा जस्सानी के अलावा समाज के कई सहयोगी जुटे हुए हैं।

खेत के कुएं में डूबा किशोर चरवाहा

आदिलाबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक 17 वर्षीय चरवाहा मंगलवार को उटनूर मंडल के थंद्रा गांव में एक खेत के कुएं में पानी पीने के दौरान डूब गया। उटनूर सहायक उप-निरीक्षक दिलीप ने कहा कि चरवाहा जाटू रमेश कुएं में फिसल गया और जब वह पानी पी रहा था तो उसे पानी वाली कब्र मिली। रमेश गजेराम के सबसे बड़े पुत्र थे और थंद्रा गांव के मूल निवासी थे। स्थानीय लोगों ने कुएं में शव देखा और पुलिस को सूचना दी, जिसने मौके पर पहुंचकर शव को निकलवाया। गजेराम से मिली शिकायत के आधार पर संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया गया है। जांच चल रही है।

डायबिटीज केयर एट होम सेवा की शुरूआत एक अच्छा विकास : डॉ. जयप्रकाश नारायण

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक और लोकसत्ता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश नारायण ने आज कहा कि यह एक अच्छी बात है कि आइडिया क्लीनिक ने मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए घर पर ही मधुमेह की देखभाल शुरू की है। शहर के एक होटल में इंस्टीट्यूट फॉर डायबिटिक एंडोक्रिनोलॉजी एंड एडिपोसिटी (आईडीईए) द्वारा आयोजित एक सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि यह जानकर खुशी हुई कि हैदराबाद शहर में डॉक्टरों ने इस अभिनव दृष्टिकोण के साथ मधुमेह देखभाल में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा कि सरकारों के लापरवाह रवैये के कारण देश में कई मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवा मुश्किल होती जा रही है।

आइडिया क्लीनिक के एंडोक्राइनोलॉजिस्ट पूर्व विधायक डॉ. एन सुधाकर राव ने कहा कि जबकि भारत के अधिकांश मध्यम वर्ग के लोग सरकारी अस्पतालों से परहेज कर रहे थे और कहा कि निजी अस्पताल की देखभाल या तो अधिकांश लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा के बिना है या लागत प्रभावी है।

उन्होंने कहा कि आइडिया क्लीनिक के डॉक्टरों की होम केयर टीम सटीक निदान प्रदान करेगी और कहा कि यह दवाइयां लिखेगी और विशेषज्ञ चिकित्सा सलाह प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी चिकित्सा टीम उनकी पहल के तहत मधुमेह, उच्च रक्तचाप, बुखार, गैस्ट्रोएंटेराइटिस, गठिया या पोस्ट-ऑपरेटिव, उपशामक देखभाल सहित अन्य दर्दनाक स्थितियों जैसी पुरानी बीमारियों को दूर करने के लिए तैयार है।

एंडोक्रिनोलॉजिस्ट प्रो. डॉ. राकेश सहाय, डॉ. पी. श्रीनिवास राव, डॉ. श्याम कलालापल्ली, मैनेजर रमन जनेयुलु, प्रो. डॉ. राकेश सहाय, डॉ. श्याम कलालापल्ली और अन्य भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी में मानव तस्करी रोधी सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी में मंगलवार को 'एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग-रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन' सम्मेलन आयोजित किया गया। मानव तस्करी रोधी कार्य में शामिल कई सरकारी विभागों ने भाग लिया और अपने विचारों और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों को साझा किया। तेलंगाना के डीजीपी अंजनी कुमारने कहा कि मानव तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में तेलंगाना देश में पहले स्थान पर है, जो दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध बन गया है। उन्होंने मानव और बाल तस्करी को रोकने के लिए पुलिस विभाग और स्वयंसेवी संगठनों को मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अतिरिक्त महानिदेशक (महिला सुरक्षा) शिखा गोयल ने कहा कि महिला सुरक्षा विंग मानव तस्करी को रोकने के लिए सभी गतिविधियों के लिए राज्य में एक नोडल एजेंसी के रूप में काम करती है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना पहला राज्य है, जहां सभी पुलिस जिलों में मानव तस्करी विरोधी इकाइयां कार्यरत हैं और तेलंगाना पुलिस मानव तस्करी के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति का पालन कर रही है। एएचटी विभागों के संयुक्त प्रयासों से पिछले दो वर्षों में कुल 738 मामले दर्ज किए गए हैं और 1961 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि 110 आरोपियों को प्रिवेंटिव डिटेंशन एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया है।

तेलंगाना पुलिस अकादमी के निदेशक संदीप शांडिल्य ने मानव तस्करी से निपटने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन अपराधों के स्रोतों को रोकने की जरूरत है। अतिरिक्त डीजी (सीआईडी) महेश मुरलीधर भागवत ने अंग व्यापार के विषय पर बात की और अंग व्यापार में रुझान, मामलों को रोकने के तरीके, पीड़ितों की सुरक्षा और उनकी पहचान के बारे में बताया।

दक्षिण मध्य रेलवे ने चार ट्रेनें रद्द कीं, दो ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिचालन संबंधी कारणों से, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने चार ट्रेनों को रद्द कर दिया है जिनकी यात्रा 7 जून से 13 जून तक शुरू होती है, और दो ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है जिनकी यात्रा 7 जून से 13 जून और 8 जून से 14 जून तक शुरू होती है। रद्द की गई ट्रेनों में ट्रेन नंबर 07596 काचीगुडा से निजामाबाद, 07593 निजामाबाद से काचीगुडा, 07854 नांदेड़ से निजामाबाद, 07853 निजामाबाद से नांदेड़ शामिल हैं।

आंशिक रूप से रद्द की गई दो ट्रेनों में दौंड से निजामाबाद के बीच ट्रेन संख्या 11409, मुदखेड और निजामाबाद के बीच आंशिक रूप से रद्द की गई ट्रेन शामिल है, जो 7 जून से 13 जून के बीच चलने वाली है। निजामाबाद से पंढरपुर के बीच दूसरी ट्रेन 01413 को निजामाबाद से मुदखेड के बीच आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है जो 8 जून से 14 जून तक निर्धारित है।

अपील

कृपया ध्यान दें – बालासोर रेल दुर्घटना

कृपया आगे आएं और ओडिशा रेल दुर्घटना के पीड़ितों को उनके परिजनों से मिलाने में मदद करें

कृपया डायल करें

139 — रेलवे हेल्पलाइन नंबर

1929 और 1800-3450061 — टोल फ्री नंबर ओडिशा राज्य सरकार

आप निम्न वेबसाइट पर भी विजिट कर सकते हैं

www.osdma.org – सभी जानकारी उपलब्ध

www.srcodisha.nic.in – हादसे में मृत लोगों की फोटो

www.bmc.gov.in – एस. सी. बी. मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, कटक में उपचाराधीन यात्रियों की सूची

आप निम्न वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक्स पर भी विजिट कर सकते हैं

www.indianrailways.gov.in

www.irctc.co.in

परिवारों को अपने प्रियजनों की पहचान कराने के लिए इस संदेश को अधिक से अधिक फैलाएं

PUB0594A0842

भांजे ने मामी का अश्लील वीडियो बनाया

नालंदा में ब्लैकमेलिंग से परेशान महिला ने दी जान; कहता था-जो बोलता हूं करो

नालंदा, 6 जून (एजेंसियां)। नालंदा में एक महिला ने ब्लैकमेलिंग से तंग आकर खुदकुशी कर ली। महिला को उसका भांजा ही परेशान कर रहा था। परिवार वालों का कहना है कि आरोपी ने महिला का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया था, जिसे वायरल करने की धमकी देकर बीते एक साल से उसे ब्लैकमेल कर रहा था। आरोपी कहता था कि मैं जैसा बोलता हूं, आप वैसा ही करो नहीं तो वीडियो वायरल कर दूंगा। परिवार वालों ने भी उसे समझाने की कोशिश की थी, लेकिन उसकी हरकतें नहीं बदली। तंग आकर तीन बच्चों की मां ने सोमवार की रात फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मामला नगर थाना क्षेत्र का है। महिला का शव उसके ही घर में फांसी के फंदे से लटका मिला। महिला के मायके वालों ने मंगलवार को पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के छोटे भाई ने बताया कि बहन की शादी 10 साल पहले की गई थी। उसके तीन बच्चे भी हैं। इसी बीच उसके पति की बहन के 19 साल के बेटे ने बहन का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया था।

वह बहन को उस वीडियो के आधार पर ब्लैकमेल कर रहा था। आरोपी हरियाणा के बल्लभगढ़ में रहता है। मृतका के भाई ने बताया कि आरोपी तीन दिन पहले अपने ननिहाल आया था। इसके बाद उसे समझाया गया कि वो ऐसी हरकत ना करे। उस वक्त उसने ऐसा ना करने की बात कही, लेकिन कुछ घंटे बाद ही फिर से वह बहन को परेशान करने लगा। इसके बाद उन लोगों ने उसके पास से उसका मोबाइल ले लिया और गुस्से में थप्पड़ भी मारा। उसने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। इधर, नगर थाना अध्यक्ष नीरज कुमार सिंह ने बताया कि मृतका के भांजे पर ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लग रहा है। शव को पोस्टमॉर्टम करा कर परिजन को सौंप दिया गया है। युवक को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। लिखित शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शातिर के जाल में फंसी महिला पति से दिलवाया तलाक

बरेली, 6 जून (एजेंसियां)। विवाहित महिला से संबंध बनाने के लिए एक युवक ने पहले उसे बदनाम करा तलाक दिलवा दिया। फिर शादी का झांसा देकर प्रेमजाल में फंसाया और दुष्कर्म किया। महिला के गर्भवती होते ही उससे किनारा कर लिया तो घरवालों से धमकी दिलाने लगा। महिला के शिकायती पत्र पर आरोपित फैजिल उर्फ फैसल के साथ उसके पिता रईस अहमद, मां यासमीन व मौसी शबाना के विरुद्ध बारादरी पुलिस ने प्राथमिकी लिखी है। पीड़ित महिला पीलीभीत के बीसलपुर की निवासी है। बारादरी पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में उसने बताया कि आरोपित फैजिल उर्फ फैसल से अक्टूबर 2022 में इज्जतनगर में मुलाकात हुई थी। बातचीत कर प्रेमजाल में फंसाया और पति से तलाक लेने की बात कही।

अरविंद केजरीवाल से बुधवार अखिलेश यादव करेंगे मुलाकात

इस मुद्दे पर होगी चर्चा

लखनऊ, 6 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल केंद्र सरकार द्वारा अधिकारियों के तबादले पर लाए गए अध्यादेश को लेकर बीजेपी के विरोधियों से समर्थन मांग रहे हैं। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी संयोजक तमाम नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। अब बुधवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से उनकी मुलाकात हो सकती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव बुधवार को दिल्ली के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान दिल्ली में उनकी मुलाकात सीएम अरविंद केजरीवाल से होगी। सीएम

केजरीवाल केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ अखिलेश यादव से समर्थन मांग सकते हैं। अरविंद केजरीवाल के साथ पूरा डेलिगेशन सपा प्रमुख से मुलाकात के दौरान रहेगा। इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राजयसभा सासंद संजय सिंह और राघव चड्ढा भी मौजूद रहेंगे।

क्या है अध्यादेश?

केंद्र सरकार उच्चतम न्यायालय के फैसले को पलटने के लिए अध्यादेश लेकर आई है, जिसमें अधिकारियों के तबादलों के लिए राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण गठित करने का प्रावधान किया गया है। उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में पुलिस, लोक व्यवस्था और भूमि को छोड़ बाकी अधिकार दिल्ली की निर्वाचित सरकार को देने का फैसला सुनाया था। नए अध्यादेश में इन शक्तियों को दिल्ली सरकार से लेकर समिति को देने का प्रावधान किया गया है, जिसपर प्रभावी नियंत्रण केंद्र का होगा। हालांकि बीते कुछ दिनों से अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी के कई विरोधी नेताओं से मुलाकात की है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और एनसीपी चीफ शरद पवार से भी समर्थन मांगा है। इसके अलावा अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर सार्वजनिक तौर पर कांग्रेस के आलाकमान से मुलाकात का समय मांगा था। हालांकि अभी तक कांग्रेस के ओर से इस मसले पर कोई जवाब नहीं आया है। सूत्रों की मानें तो कई दिग्गज कांग्रेस नेता आप सरकार के खिलाफ हैं।

16 जून से कानपुर-दिल्ली फ्लाइट होगी शुरू

कानपुर, 6 जून (एजेंसियां)। कानपुर को नए टर्मिनल की सौगात के 11वें दिन ही कानपुर-दिल्ली की फ्लाइट कानपुर दिल्ली की फ्लाइट का एलान हो गया है। इसका शेड्यूल भी फाइनल कर दिया गया है। ये पहली बार होगा जब कानपुर दिल्ली के बीच 180 सीटर विमान उड़ान भरेगा। अभी तक स्पाइसजेट दिल्ली के बीच फ्लाइट ऑपरेट कर रही थी, लेकिन उद्घाटन से पहले ही अपनी सर्विस बंद कर दी थी। कानपुर एयरपोर्ट डायरेक्टर संजय कुमार ने बताया कि 7 जून से मुंबई और बंगलुरू फ्लाइट के पैसेंजर नए टर्मिनल से उड़ान भर सकेंगे। आने वाले यात्रियों को भी नए टर्मिनल पर ही उतारा जाएगा।

अगुवानी घाट ढहने पर तेज प्रताप बोले

हम बना रहे, भाजपा गिरा रही है, पटना एचसी में जनहित याचिका दायर

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। भागलपुर में अगुवानी घाट पुल के सुपर स्ट्रक्चर गिरने की घटना के बाद बिहार सरकार की देशभर में किरकिरी हो रही है। भ्रष्टाचार को लेकर नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार विपक्ष के निशाने पर है। इस बीच मामले को लेकर पटना हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। यह लोकहित याचिका पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता मणिभूषण सेंगर द्वारा दायर की गई है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि भ्रष्टाचार, घटिया निर्माण सामग्री और निर्माण कंपनी के घटिया कार्य से यह पुल दोबारा ध्वस्त है। ये पुल 1700 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा था। उन्होंने कोर्ट को इस मामले की जांच स्वतंत्र एजेंसी से कराये जाने की गुहार की है। साथ ही मांग की है कि पुल का निर्माण कर रही कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर जिम्मेदार और दोषी लोगों से इस क्षति की वसूली की जाये। इधर, सीएम नीतीश और डिप्टी सीएम तेजस्वी सहित सहित महागठबंधन के बड़े नेता कह रहे हैं कि पुल का डिजाइन ही ठीक नहीं था जिसके कारण यह बार-बार गिर रहा था। बिहार सरकार में पर्यावरण मंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने तो भाजपा को इसका कसूरवार ठहराया है। तेज प्रताप कहा कि यह ब्रिज भाजपा ने गिराया है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि हम पुल बना रहे हैं और भाजपा इसे गिरा रही है। इससे पहले डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा था ये पुल पहली बार नहीं गिरा, अप्रैल 2022 में भी यह निर्माणाधीन पुल गिरा था। इसके डिजाइन में ही फॉल्ट था।

इस क्रूर सरकार को हटाना जरूरी है

सपा नेता शिवपाल यादव ने बोला बीजेपी पर तीखा हमला

लखीमपुर, 6 जून (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी में समाजवादी पार्टी के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में सपा महासचिव शिवपाल यादव पहुंचे, जहां उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इसके दौरान उनके साथ सपा के तमाम पदाधिकारियों समेत प्रदेशअध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल और आनंद भदौरिया भी मौजूद रहे। इस शिविर में शिवपाल ने कहा कि इस क्रूर सरकार को हटाना है। शिवपाल यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा, जिसका प्रमुख व्यक्ति बड़ी कुर्सी पर बैठा हो और सबसे नीचे अगर मजदूरी भी करने वाला है तो उसमें अंतर नहीं होना चाहिए, लेकिन आज यह देखने को मिल रहा है कि सरकार ने कहा था, किसान की आय दोगुनी कर देंगे लेकिन हुआ नहीं। किसान के बेटे है, मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग हैं क्या इनकी आय बढ़ी उल्टा कम और होती चली गई। ये लोग ढोंग करने का काम कर रहे हैं, यह लोग झूठी ट्रेनिंग लेते हैं, बीजेपी के लोगों ने झूठ बोल-बोलकर देख को बहुत पीछे कर दिया। शिवपाल यादव ने कहा कि अपनी बातों को जनता तक पहुंचाएं, किसी से डरने की जरूरत नहीं है। जहां पर भी अत्याचार-अन्याय हो वहां समाजवादियों की आवाज पहुंचनी चाहिए। समाजवादियों का तो कल्चर रहा है जहां पर अन्याय हो वहां पर खड़े हो जाती थी वहीं पर धरना प्रदर्शन किया करते थे। कुछ दिनों से ये बंद हो गया है इस वजह से जुल्म और बढ़ गया है, लेकिन इस जुर्म से अब डरना नहीं है। पहले हल्ला बोलने का नारा लगता था लेकिन इस बार नहीं लगा है अब लगना चाहिए। समाजवादियों को हल्ला बोलना चाहिए। शिवपाल यादव ने कहा, यह लोग झूठ बोलेंगे, यह इतनी क्रूर सरकार है इतना अत्याचार इतने अन्याय हैं,

बीजेपी सांसद हेमा मालिनी बोलीं

चुनाव सिर्फ मथुरा से लड़ूंगी, अन्य सीट का प्रस्ताव मंजूर नहीं; बताई वजह

मथुरा, 6 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि अगर उन्हें अगला चुनाव लड़ना हुआ, तो वे मथुरा से ही लड़ेंगी, किसी अन्य सीट से लड़ने का प्रस्ताव कतई मंजूर नहीं करेंगी। बीजेपी सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 9 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर बोलते हुए ये बात कही।

पार्टी मुझे चुनाव लड़ाना चाहेगी तो क्यों नहीं लड़ूंगी

हेमा मालिनी ने उपलब्धियों को लेकर पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, मैं अगला चुनाव मथुरा से ही लड़ूंगी और अगर किसी अन्य सीट से लड़ने का प्रस्ताव आया, तो वह स्वीकार नहीं है। तीसरी बार चुनाव लड़ने की इच्छा के बारे में पूछे जाने पर 'ड्रीम गर्ल' के रूप में मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री ने कहा, ₹यदि पार्टी मुझे चुनाव लड़ाना चाहेगी, तो मुझे क्या दिक्कत हो सकती है, लेकिन इतना साफ है कि लड़ूंगी मथुरा से ही।

योजनाएं लागू कर राहत पहुंचाने का काम

बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने खुद ही इसका कारण भी स्पष्ट कर दिया कि वे ऐसा इसलिए करेंगी, क्योंकि उन्हें भगवान श्रीकृष्ण और उनके भक्तों से अथाह प्यार है और वे उनकी सेवा करना चाहती हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए विश्वास जताया कि जिस प्रकार मोदी सरकार ने बीते 9 वर्षों में देश की जनता के भले के लिए अनेक योजनाएं लागू कर उन्हें राहत पहुंचाने के काम किए हैं, जनता उन्हें अगले चुनाव में अवश्य जिताएगी।

मथुरा से लगातार 2 बार जीत चुकी हैं चुनाव

गौरतलब है कि हेमा मालिनी ने वर्ष 2014 और 2019 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर मथुरा लोकसभा सीट से लगातार दो बार चुनाव जीता है। इसके पहले वह राज्यसभा की भी सदस्य रह चुकी हैं। हाल के दिनों में मथुरा सीट से कई अन्य नामों के चुनाव लड़ने की चर्चा हुई, इसके बाद अब हेमा मालिनी ने पूछे गए सवाल पर अपनी इच्छा जाहिर की है।

प्रियंका छोड़ेंगी यूपी, प्रदेश कांग्रेस को मिलेगा नया प्रभारी

इन दो नामों की चर्चाओं ने पकड़ा जोर

लखनऊ, 6 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में मिली जीत से उत्साहित कांग्रेस उत्तर प्रदेश में बड़े बदलाव की तैयारी में है। लोकसभा चुनाव-2024 से पहले कई राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। अन्य राज्यों में अपनी व्यस्तता के चलते पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा उत्तर प्रदेश की प्रभारी होने का दायित्व जल्द छोड़ेंगी। इसी माह उत्तर प्रदेश का नया प्रभारी नियुक्त हो सकता है। नए प्रदेश प्रभारी के तौर पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता तारिक अनवर के नाम चर्चा में हैं। सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय संगठन कुछ अन्य नामों पर भी चर्चा कर रहा है। पार्टी हरीश रावत के माध्यम से कांग्रेस लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पहाड़ी समाज के वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास कर सकती है। वहीं पार्टी अनुभवी नेता तारिक अनवर के माध्यम से मुस्लिम मतों को हथियाने का दांव भी खेल सकती है। लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में नये प्रभारी की तैनाती महत्वपूर्ण होगी। वहीं प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी का भी लोकसभा चुनाव तक बने रहना तय माना जा रहा है। कांग्रेस ने प्रदेश में पिछला विधानसभा चुनाव प्रियंका वाड्रा की अगुवाई में लड़ा था।

हालांकि अपना जनाधार बचाए रखने के लिए कांग्रेस कुछ खास नहीं कर सकी थी। अब आने वाले दिनों में प्रियंका वाड्रा की दूसरे राज्यों में व्यस्तता को देखते हुए पार्टी उत्तर प्रदेश में नए प्रभारी की तैनाती को लेकर मंथन अंतिम चरण में है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी का कहना है कि पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विदेश से आने के बाद कई निर्णयों पर अंतिम मुहर लगेगी। दरअसल, निकाय चुनाव के दौरान कांग्रेस में अंतरकलह सामने आई थी। बीते दिनों प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कई जिलों में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष नियुक्ति किए थे। इनमें झांसी व जौनपुर के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति निरस्त कर दी गई थी। इसे लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी पत्र सामने आया था। बड़ों के बीच खींचतान फिर सामने आई थी। जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष खाबरी को दिल्ली बुला लिया गया था। वह तीन दिन दिल्ली में रहे और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, वेणुगोपाल व अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। संकेत यही हैं कि खाबरी प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे। जल्द ही नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी होना है।

पति की गैरमौजूदगी में मिलने पहुंचा आशिक, महिला कर रही थी 'किसी और से' बात, गुस्से में फावड़े से कर डाली हत्या

निंदूरा (बाराबंकी), 6 जून (एजेंसियां)। पति की अनुपस्थिति में महिला से मिलने आए आशिक ने महिला की हत्या कर दी। मौके पर पहुंचे एसपी ने घटना स्थल का जायजा लिया और सुराग मिलते ही आरोपित को भी गिरफ्तार करा लिया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त फावड़ा भी बरामद कर लिया है। घुंघटेर के बहापारा मजरे जमुवा गांव निवासी रामपाल यादव भदेशिया गांव में आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम में गए थे और उनका पुत्र गांव में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गया था।

लखनऊ में रिटायर्ड आईपीएस ने सुसाइड किया:डीके शर्मा ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली

लखनऊ, 6 जून (एजेंसियां)। लखनऊ के गोमती नगर में रिटायर्ड आईपीएस डीके शर्मा ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। 73 साल के शर्मा पत्नी और दो बेटों के साथ विकास खंड इलाके में रहते थे। कमरे से पुलिस को सुसाइड नोट मिला है। इसमें डिप्रेशन की वजह से जान देने की बात लिखी हुई है। डीके शर्मा 2010 में डीजी आवास विकास पुलिस निगम के पद से रिटायर्ड हुए थे। हालांकि, पुलिस ने उस कमरे को सील कर दिया है, जिसमें डीके शर्मा की लाश मिली है। सुसाइड के बाद जो फोटो सामने आई है। उसमें लाश कुर्सी पर थी। सामने छोटी टेबल रखी हुई है। पुलिस के मुताबिक, शर्मा ने कुर्सी में बैठकर कनपटी पर गोली मारी है। रिवॉल्वर भी कुछ दूरी पर पड़ा मिला है। उसे जांच के लिए भेजा गया है। फर्श पर काफी खून बिखरा हुआ है। फॉरेंसिक और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचे। कमरे में सबूत इकट्टा किए। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह 7।15 बजे पुलिस को डीके शर्मा के सुसाइड की सूचना मिली। ऐसे में माना जा रहा है कि उन्होंने सुबह के वक्त ही खुद को गोली मारी है। घटना के वक्त घर में कौन-कौन था? कौन कहां था? इस बारे में डिटेल नहीं मिल पाई है। पुलिस अफसरों का कहना है कि जिस पोजिशन में लाश मिली है। उससे लगता है कि पूरा प्लान करके उन्होंने सुसाइड किया है। वह कुर्सी में बैठे उसके बाद पिस्टल से कनपटी में गोली मारी। फिलहाल, सीनियर आईपीएस से मामला जुड़ा होने के चलते पुलिस सभी एंगल पर जांच कर रही है।

प्रयागराज में गंगा की रेत में दफनाए जा रहे शव, कब्रिस्तान में बदले घाट

जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहा प्रशासन

प्रयागराज, 6 जून (एजेंसियां)। संगम नगरी प्रयागराज में रूढ़िवादी परंपरा, दकियानूसी सोच और नगर निगम समेत दूसरे सरकारी विभागों की लापरवाही गंगा नदी के लिए एक बार फिर से बड़ी मुसीबत बन रही है। यहां गंगा की रेत पर फिर से बड़ी संख्या में शवों को दफनाया जा रहा है। गंगा किनारे के जिन घाटों पर चिताएं सजती थीं, दाह संस्कार होते थे, वहां बड़ी संख्या में शवों को दफनाए जाने से ये घाट अब कब्रिस्तान में तब्दील होते नजर आ रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि सरकारी अमला सब कुछ जानते हुए भी अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़कर लापरवाह बना हुआ है और हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के आदेशों की धज्जियां उड़वा रहा है। सरकारी अमले की यह लापरवाही तब देखने को मिल रही है, जब मानसून सिर पर है। बारिश के बाद जलस्तर बढ़ते ही मिट्टी में दफन ये शव कब्र से बाहर आकर गंगा में

बहने लगेंगे और नदी को प्रदूषित करेंगे। ये लाखों लोगों की जिंदगी और उनकी सेहत के लिए खतरे का सबब बनेंगे। मोक्षदायिनी गंगा में शवों के तैरने की तस्वीरें सामने आने पर हायतौबा मचेगी और नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए लाखों का बजट बनेगा, उसका बंदरबांट होगा। इस मामले को लेकर अब सियासत भी शुरू हो गई है। विपक्षी पार्टियों ने शमशान के कब्रिस्तान बनने को लेकर सरकार पर सियासी निशाना भी साधा है।

कोर्ट ने दिया था आदेश

धार्मिक मान्यताओं की वजह से संगम नगरी में गंगा के घाटों पर अंतिम संस्कार का खासा महत्व है। यहां आस-पास के तमाम जिलों के साथ ही एमपी और दूसरे अन्य राज्यों के लोग भी अंतिम संस्कार करने के लिए आते हैं। सनातन परंपरा में दाह संस्कार के साथ ही शवों को कब्र बनाकर उनमे दफन किये जाने की भी परंपरा है, लेकिन हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के तमाम आदेश है कि गंगा को प्रदूषण से बचाने के लिए उसके किनारे शवों को कतई न दफनाया जाए। इसके बावजूद संगम नगरी प्रयागराज में एक बार फिर से बड़ी संख्या में शवों को गंगा किनारे नहीं बल्कि उसकी रेती पर ही दफनाया जा रहा है। फाफामऊ से लेकर श्रृंगवेरपुर और अरैल से लेकर छतनाग घाटों पर रोजाना तमाम शव दफन किये जा रहे हैं। फाफामऊ समेत कई जगहों की तस्वीर देखकर इनके शमशान घाट नहीं बल्कि कब्रिस्तान होने का एहसास होता है। अकेले फाफामऊ घाट पर सैकड़ों की संख्या में शव दफनाए गए हैं। कई कब्र तो अब एकदम मोक्षदायनी गंगा की धारा के करीब ही बनाई गई हैं। चिंता का सबब यह है कि कुछ ही दिनों में मानसून दस्तक देने वाला है। बारिश होने पर जैसे ही गंगा का जलस्तर बढ़ेगा, ये सारे शव कब्र से बाहर आ जाएंगे और नदी में तैरते हुए नजर आने लगेंगे। इससे गंगा का जल प्रदूषित होगा। उसे पीने, आचमन करने व डुबकी लगाने वालों की सेहत व जिंदगी पर इसका असर होगा। शवों को गंगा की रेती में दफनाने वाले लोग ज़्यादातर आसपास के ही होते हैं। कुछ लोग रूढ़िवादी परम्पराओं के चलते शवों को गंगा में दफन करते हैं तो कुछ लोग दकियानूसी सोच के चलते। तमाम लोग ऐसे भी होते हैं, जिनके सामने आर्थिक संकट होता है और वह पैसों को बचाने के लिए दाह संस्कार के बजाय गंगा में कब्र तैयार कर शवों को दफन कर देते हैं। दाह संस्कार करने में हजारों रूपये का खर्च आता है, जबकि गरीब लोग खुद अपने हाथों ही कब्र खोदकर शव दफना देते हैं। भू समाधि देने के बाद उस पर फूल-रामनामी चादर व चुनरी चढ़ाकर अपनी बेबसी व लाचारी पर आंसू बहाते हैं।

कागजों पर बनी है कमेटी

शहरी इलाके में गंगा की रेती पर शवों को दफन करने से रोकने की जिम्मेदारी नगर निगम की होती है। जिला प्रशासन और पुलिस महकमा नगर निगम की मदद करता है। कहने को नगर निगम ने शवों को दफनाने से रोकने के लिए कागजों पर एक कमेटी बना दी है, लेकिन यह कहीं नजर नहीं आती। दावा किया जाता है कि लोग रात के अंधेरे में चोरी छिपे शवों को दफना जाते हैं, लेकिन घाटों की तस्वीरें सरकारी अमले की दावों को मुंह चिढ़ाते हुए नजर आती हैं। दस दिनों पहले ही मेयर की कुर्सी पर बैठे गणेश केसरवानी के मुताबिक इस बारे में लोगों को अभियान चलाकर जागरूक किया जा रहा है, रोका जा रहा है। इसके साथ ही इस बात की भी व्यवस्था की जा रही है कि गरीबों को संस्थाओं की मदद से मुफ्त दाह संस्कार की सुविधा दिलाई जा सके। प्रयागराज के शहरी इलाके में दो विद्युत्शवदाह गृह भी हैं, लेकिन अक्सर यह खराब ही रहते हैं और इन पर ताला लटका नजर आता है। इनके बारे में ज्यादा प्रचार प्रसार भी नहीं हुआ है। सरकारी अमले की लापरवाही को सामने रखकर विपक्षी दल सरकार पर निशाना साध रहे हैं। सपा के विधायक डा० मान सिंह यादव का कहना है कि बीजेपी और उसकी सरकारें धार्मिक भावनाओं के सहारे लोगों का वोट तो ले लेती हैं, लेकिन गंगा नदी को लेकर उन्हें कोई चिंता नहीं है। गंगा के नाम पर सिर्फ पैसों की लूट खसोट होती है और उसे प्रदूषण से रोकने के लिए कोई कोशिश नहीं की जाती है। सपा विधायक मान सिंह यादव ने इसे बेहद गंभीर और शर्मनाक मामला बताते हुए इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी और उसकी सरकारों को गंगा मइया से माफी मांगनी चाहिए नहीं तो वह उन्हें अभिशप्त कर देंगी। दो साल पहले कोरोना के सेकेंड फेज में भी इसी तरह बड़ी संख्या में शवों को गंगा की रेती में दफन किया गया था। उस वक्त खूब हाहाकार मचा था। देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में यह मामला सुर्ख़ियों में आया था। विदेशी मीडिया ने दफनाए गए शवों को कोरोना के मृतकों को शव की अफवाह फैलाकर सरकार पर आंकड़ों को छिपाने का गंभीर आरोप लगाया था। सरकारी अमले को उस वक़्त जवाब देते नहीं बना था। सरकारी अमला शायद इस बार भी ऐसे ही किसी हाहाकार का इंतजार कर रहा है और इसीलिये फिलहाल कुम्भकर्णी नींद सोया हुआ है।

वो सिर्फ परेशान कर रहे

भतीजे की पत्नी को उड़ान में सवार होने से रोकने पर बिफरीं ममता बनर्जी

कोलकाता, 6 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा बनर्जी को प्रवर्तन निदेशालय के 'लुकआउट' नोटिस का हवाला देते हुए कथित तौर पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाने वाले एक विमान में सवार होने से रोक दिया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने रुजिरा बनर्जी को आठ जून को पेश होने को कहा है। ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने अपनी यात्रा योजनाओं के बारे में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सूचित करने के बावजूद, रुजिरा बनर्जी को देश से बाहर जाने से रोकने के बाद भाजपा पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है, ईडी और सीबीआई क्या कर रहे हैं? वे लोगों को परेशान कर रहे हैं।

अभिषेक बनर्जी की सास अस्वस्थ हैं, और इसलिए उनकी पत्नी अपनी मां से मिलने के लिए यात्रा कर रही थीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर उन्हें घर छोड़ना है, तो वह ईडी को सूचित कर सकती हैं, जो उसने पहले ही कर लिया था। लेकिन उसे हवाई अड्डे पर ही समन देना उत्पीड़न के अलावा और कुछ नहीं है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उनकी पत्नी की यात्रा की योजना विनम्रता से ईडी के साथ साझा की गई थी। उन्होंने कहा, अगर मेरे इरादे गलत होते, तो मैं उन्हें सूचित नहीं करता। सूत्रों के अनुसार, रुजिरा विमान में सवार होने के लिए अपने दो बच्चों के साथ सुबह सात बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची थीं। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रुजिरा को 8 जून को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए समन सौंपा गया था।

उन्होंने कहा, हमने रुजिरा बनर्जी को 8 जून को शहर में हमारे कार्यालय में अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा है। ईडी के लुकआउट नोटिस के कारण उन्हें आज (सोमवार को) विमान में सवार होने से रोक दिया गया और मामला विचाराधीन है। रुजिरा के एक वकील ने बताया, उन्हें एक मामले में ईडी की ओर से जारी लुकआउट नोटिस का हवाला देते हुए आव्रजन पर रोका गया। उच्चतम न्यायालय के एक आदेश में कहा गया है कि उनकी विदेश यात्रा पर कोई रोक नहीं है। वकील ने कहा कि रुजिरा ने ईडी को शनिवार को अपनी यात्रा योजना के संबंध में जानकारी दी थी और टिकट की प्रति भी दी थी।

उन्होंने कहा,अब उन्हें रोक दिया गया। उन्हें पांच जून की तारीख वाले समन की प्रति भी सौंपी गई, जिसमें उनसे आठ जून को कोलकाता में ईडी कार्यालय में पेश होने को कहा गया है। वह अब घर लौट गई हैं। इस संबंध में जानकारी के लिए हवाई अड्डे तथा ईडी प्राधिकारियों से संपर्क किया गया, लेकिन उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। रुजिरा के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में दावा किया गया कि उच्चतम न्यायालय का आदेश है, जिसमें कहा गया है कि दंपति की विदेश यात्रा पर कोई प्रतिबंध नहीं है। बयान में कहा गया, रुजिरा बनर्जी पांच से 18 अक्टबूर तक अमेरिका की यात्रा पर गई थीं और तब ईडी को कोई आपत्ति नहीं थी।

वहीं, टीएमसी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, 'जो लोग राजनीतिक रूप से नहीं लड़ सकते हैं वे सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं और सत्ता पक्ष के परिवार के सदस्यों को परेशान कर रहे हैं। वे कायर हैं। टीएमसी इस उत्पीड़न को सहन करती है, क्योंकि उसे जनता पर भरोसा है। बंगाल के लोग उन्हें चुनाव में करारा जवाब देंगे।' बता दें कि पिछले वर्ष ईडी ने कोयला चोरी घोटाला मामले में रुजिरा से पूछताछ की थी। सीबीआई ने भी इसी मामले में 2021 में रुजिरा से पूछताछ की थी।

सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस बनी बर्निंग ट्रेन

खिड़कियों से कूद कर यात्रियों ने बचाई जान

प्रयागराज, 6 जून (एजेंसियां)। उड़ीसा में कोरोमंडल ट्रेन हादसे की आग अभी ठंढी भी नहीं हुई कि मंगलवार की सुबह सियालदह से अजमेर जा रही 12987 एक्सप्रेस ट्रेन में शॉर्ट सर्किट हो गया। देखते ही देखते पूरी बोगी आग की चपेट में आ गई। बड़ी मुश्किल से यात्रियों ने चेनपुलिंग कर ट्रेन को रोका और जान बचाने के लिए खिड़कियों से ही कूद पड़े। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे रेल कर्मचारी और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाने की कवायद शुरू कर दी है। ताजा अपडेट के मुताबिक आग काबू तो हो गई है, लेकिन अभी भी राहत कार्य जारी है। यह घटना कानपुर- प्रयागराज रेल लाइन पर कौशांबी जिले में भरवारी स्टेशन के पास की है। जानकारी के मुताबिक सियालदह से चलकर 12987 एक्सप्रेस ट्रेन अजमेर जा रही थी। जैसे ही यह ट्रेन प्रयागराज स्टेशन के आगे कौशांबी जिले में भरवारी स्टेशन के पास पहुंची, अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। ट्रेन में आग देखकर यात्रियों में हड़कंप मच गया।

आनन फानन में यात्रियों ने चेनपुलिंग कर ट्रेन रोकी और जान बचाने के लिए खिड़कियों से ही कूदने लगे। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी बड़े जान माल के नुकसान की खबर नहीं है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड और रेल कर्मचारियों की टीम ने आग बुझाने की कवायद शुरू कर दी है।

केजरीवाल के रास्ते पर कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया

200 यूनिट तक फ्री बिजली का ऐलान किरायेदारों को भी मिलेगा फायदा

बेंगलुरु, 6 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक की नव नियुक्त सरकार ने राज्यवासियों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घोषणा करते हुए कहा कि राज्य के सभी उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक की बिजली मुफ्त दी जाएगी। इसके साथ ही जो लोग किराये के घरों में रह रहे हैं, उन्हें भी 200 यूनिट तक की बिजली के लिए बिल नहीं भरना पड़ेगा।

वहीं इससे पहले शनिवार 3 जून को कर्नाटक सरकार ने एक आदेश जारी किया, जिसमें स्नातक पास और डिप्लोमाधारियों को बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही गई है। सरकार के द्वारा जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि जो भी युवा साल 2023 में पास हुए हैं लेकिन 180 दिनों के भीतर उन्हें रोजगार नहीं मिला है, वे बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह भत्ता अधिकतम 24 महीने या उस समय तक दिया जाएगा जब तक किआवेदक को रोजगार नहीं मिल जाता है।

इसके तहत स्नातकों को 3000 रुपए प्रतिमाह और डिप्लोमाधारकों को 1500 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। सरकार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इस योजना के तहत चार तरह के छात्रों को लाभ नहीं मिलेगा। वह छात्र जिन्होंने स्वरोजगार के लिए राज्य और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से वित्तीय सहायता ली है। जिन्हें अपरेंटिस भत्ता मिल रहा है या जिन्होंने सरकारी या निजी क्षेत्र में रोजगार पाया है। इसके सतह ही जिन्होंने उच्च पाठ्यक्रमों के लिए एडमिशन लिया है।

बंगाल को मनरेगा के पैसे क्यों नहीं दे रहे

केंद्र सरकार से हाई कोर्ट ने 10 दिन में मांगा जवाब

कोलकाता, 6 जून (एजेंसियां)। बंगाल को दिया जाने वाला 'मनरेगा' स्कीम का पैसा क्यों रोका गया है? कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से इसका जवाब माँगा है। इसके साथ ही कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केंद्र और राज्यों को फर्जी नाम का उपयोग कर फर्जी खाते से पैसे निकालने के आरोपों की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए कहा है। मनरेगा योजना की राशि बंगाल को नहीं मिलने को लेकर दाखिल की गई जनहित याचिका में कलकत्ता उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया है। दरअसल, कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका में कहा गया है कि मनरेगा योजना के तहत राज्य को लगभग 2700 करोड़ रुपये मिलने हैं, मगर प्रदेश को केंद्र ने इन रुपयों से वंचित रखा है। इससे मनरेगा के काम से संबंधित लोगों को समस्या हो रही हैं। अदालत ने याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि केंद्र सरकार, राज्य की 'कार्रवाई' रिपोर्ट को स्वीकार या अस्वीकार करें, मगर कुछ तो किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने केंद्र सरकार को 10 दिन में रिपोर्ट देने को कहा है। मामले में अगली सुनवाई जुलाई में होने वाली है। बता दें कि बंगाल की ममता बनर्जी सरकार निरंतर केंद्र सरकार पर मनरेगा स्कीम का पैसा नहीं देने का इल्जाम लगा रही है। इस संबंध में बंगाल का एक प्रतिनिधिमंडल, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से मिलने भी गया था। वहीं, सीएम ममता बनर्जी ने 100 दिन के बकाए को लेकर कोलकाता में दो दिनों तक धरना प्रदर्शन भी किया था।

मनरेगा में भ्रष्टाचार, इसलिए पैसे नहीं दे रहा केंद्र

बंगाल सरकार से उलट इस मामले में भाजपा प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा है कि, 'वह बहुत अच्छे से जानते हैं कि केंद्र सरकार पैसा क्यों नहीं दे रही है।' उन्होंने कहा कि 294 केंद्रों पर उम्मीदवार होने के साथ ही सभी पंचायतों में 100 दिन के काम के पैसे में भ्रष्टाचार हुआ हैं। यह कोई दूसरी सरकार नहीं है। भाजपा और मोदी सरकार का एक ही नारा है, मैं भ्रष्टाचार नहीं करूंगा, मैं भ्रष्टाचार नहीं होने दूंगा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मनरेगा योजना के तहत खर्च की गई धनराशि का बंगाल सरकार हिसाब नहीं दे रही है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थकों को इस योजना से गलत तरीके से फायदा पहुँचाया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इंदौर के कारोबारी दिलीप सिसोदिया गिरफ्तार, 7 दिन तक ईडी की हिरासत में रहेंगे

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। हाउसिंग कोऑपरेटिव की अवैध बिक्री से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इंदौर के कारोबारी दिलीप सिसोदिया को रफ्तार किया है। ईडी ने दीपक सिसोदिया उर्फ दीपक जैन मड्डा को तीन जून को गिरफ्तार किया था। एक विशेष पीएमएलए अदालत ने ईडी को दिलीप सिसोदिया की सात दिन की हिरासत दी है।

ईडी ने शुरू की जांच

ईडी ने इंदौर में दर्ज विभिन्न प्राथमिकियों के आधार पर अपनी जांच शुरू कर दी है। यह मामला सिसोदिया द्वारा अन्य बिल्डरों और डेवलपर्स की मिलीभगत से हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटीज की जमीनों की अवैध बिक्री और अन्य हस्तांतरण से संबंधित है। पीएमएलए जांच से पता चला है कि विभिन्न आरोपी व्यक्तियों ने एक-दूसरे के साथ मिलकर अवैध रूप से इंदौर में सहकारी समितियों से संबंधित भूमि के बड़े हिस्से को बेचा। सिसोदिया पर आरोप है कि उसने अन्य लोगों के साथ मिलकर हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटीज के लिए लागू नियमों को दरकिनार कर दिया और सोसायटियों से संबंधित भूमि को कम कीमत पर बेच दिया। इन जमीनों की बाजार कीमत एक हजार करोड़ रुपये से अधिक आंकी जा रही है। जानकारी के लिए बता दें कि हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटीज को अर्बन लैंड सीलिंग एक्ट की धारा 20 के तहत छूट दी गई थी। यहीं कारण है कि वे भिन्न व्यक्तियों के लिए निर्धारित भू-जोत सीमा से अधिक भूमि का अधिग्रहण कर सकते थे।

ईडी की जांच में पता चला है कि दिलीप सिसोदिया ने इनमें से कुछ सोसायटियों में चुनावों में हेराफेरी करके पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित होकर प्रवेश किया था। कई बार उन्होंने हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी में निर्णय लेने वाले पदों पर अपने ज्ञात व्यक्तियों को रखकर अप्रत्यक्ष रूप से निर्णय लिए। इससे पहले ईडी ने दिलीप सिसोदिया और उनके सहयोगियों के परिसरों की तलाशी ली थी। तलाशी में ईडी को 91।21 लाख रुपये नकद और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए थे।

वडाला रोड स्टेशन पर टीसी ने ट्रेन से गिरी महिला की बचाई जान

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। मुंबई के वडाला रोड रेलवे स्टेशन पर टीसी ने ट्रेन से गिरी एक महिला की जान बचाई है। जानकारी के अनुसार वरिष्ठ टिकट संग्राहक सुधीर कुमार मांझी वडाला रोड स्टेशन पर रात 8:16 बजे ड्यूटी कर रहे थे। लगभग 15:10 बजे, वडाला रोड, प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर चेकिंग के दौरान, एक महिला साधना बी पाठने चलती ट्रेन से गिर रही थी और उनकी बेटी उर्मिला पाठने मदद की गुहार लगा रही थीं। तभी महिला की ओर अचानक टीटी सुधीर दौड़े, तब तक महिला नीचे गिर चुकी थी। इस पर सुधीर ने प्लेटफॉर्म और लोकल ट्रेन से महिला का सिर खींच लिया और एक वरिष्ठ नागरिक महिला यात्री की जान बचाकर एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। वरिष्ठ महिला साधना पाठने इस घटना से बहुत डरी गई थीं। इसके बाद उनको स्टेशन मास्टर कार्यालय में ले जाया गया। घटना के दौरान महिला के हाथ में लगी, जिसका प्राथमिक उपचार कराया गया।

पहलवानों के समर्थन में सत्यपाल मलिक का बड़ा बयान

'बृजभूषण का साथ देने वाली सरकार को 2024 में खदेड़ देना है

गोहाना, 6 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के गोहाना में सर्व समाज द्वारा पहलवानों के समर्थन में आयोजित एक सभा में जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि देश और दुनिया में इंडिया का नाम रौशन करने वाली महिला पहलवान खिलाड़ियों के साथ जो हुआ है, वो आप लोगों ने भी देखा होगा। महिला पहलवानों को स्थिति को देखकर खून खौलता था। जिस तरीके से दिल्ली में महिला पहलवानों को घसीटा गया, उसे देखकर मन करता, कुछ न कुछ किया जााए। जिस तरह से इन्होंने महिला पहलवानों को घसीटा है, उसी तरह 2024 में इस सरकार को भी घसीटना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में रहने की वजह से इनका हिसाब भी उसी तरीके से करना होगा। न केवल बीजेपी सांसद बृज भूषण शरण सिंह को उसके पद से हटाएंगे बल्कि जो सरकार उनका समर्थन कर रही है, उसे भी लोकसभा चुनाव 2024 में 100 फीसदी हटाने का काम करेंगे। मैं तो यहां के बाद सीधे राजस्थान के चुनावी समर में कूद जाऊंगा। साल के अंत में वहां विधानसभा चुनाव है। उन्होंने पीएम का नाम लिए बगैर कहा कि अगर ये राजस्थान में चुनाव हार गए तो बीजेपी के लोग ही इन्हें हटा देंगे। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी को यह नहीं भूलना चाहिए कि सत्ता आती है और चली जाती है। देश को ऐसी संकट में मत डालो कि इसे पटरी पर लाना संभव न हो।

'लोग इनसे अपनी बेटियों का बदला लेंगे'

मैं, पहलवान भाइयों से भी कहूंगा, वो वहां एक दो दिन के लिए ही सही जरूर आएं। वहां की जनता पहलवान भाइयों का समर्थन करने के लिए तैयार खड़ी है। राजस्थान से मेरे पास कई दिन से फोन आ रहे हैं। एमएलए, जयपुर यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन के अध्यक्ष निर्मल और अन्य लोगों के लगातार कह रहे हैं, पहलवान भाइयों को राजस्थान लेकर आइए, हम उन्हें राजस्थान में घुमाएंगे। अब ये तो इनके ऊपर है कि ये जो भी फैसला करेंगे, हम साथ देंगे। मैं, खुद वहांजाऊंगा। राजस्थान में बीजेपी वालों को घुसने लायक नहीं छोड़ूंगा। ये चुनाव जीतने की बात तो ये छोड़ दें। इनको गांव-गांव में घसीटा जाएगा। गांव-गांव में इनकी दुर्गति होगी। लोग इनसे अपनी बेटियों का बदला लेंगे।

लोकसभा चुनाव में इन्हें नहीं हराया तो

सत्यपाल मलिक ने चार जून को हरियाणा के सोनीपत में एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि किसान आंदोलन जब चल रहा था तो चार महीने तक इन्होंने कोई बात नहीं की। जब मैं बात करने पहुंचा तो सरकार ने कहा कि ये लोग ऐसे ही वापस चले जाएंगे, लेकिन प्रधानमंत्री को किसानों के सामने झुकना पड़ा। वैसे ही ये बेटियों के सामने भी झुकेंगे। केंद्र सरकार को यदि इस बार नहीं हटाया गया तो ये अपनी मर्जी से काम कर इंडिया को कमजोर करने का काम करेंगे। अग्निवीर जैसी योजना लाकर सेना को कमजोर तो कर ही दिया, अब दूसरे मामलों में भी वहीं करने वाले हैं।

दक्षिणी दिल्ली में युवक की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने दक्षिण दिल्ली के नेब सराय इलाके में एक युवक की नृशंस हत्या के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान देवली गांव निवासी देवराज और आयुष थापा के रूप में हुई है। राजू पार्क क्षेत्र निवासी 23 वर्षीय सचिन को सोमवार को मामूली कहासुनी के बाद दोनों आरोपियों ने चाकू मार दिया था। उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। चंदन चौधरी, पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) ने कहा, जांच के दौरान, स्थानीय पुलिस द्वारा अपराध स्थल को संरक्षित किया गया था और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे का विश्लेषण किया गया था। घटना के एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को बताया कि जब सचिन को अस्पताल ले जाया जा रहा था, तो उसने कहा कि देवराज और आयुष ने उसे चाकू मारा था। पूछताछ में पता चला कि आरोपी और मृतक के बीच करीब एक साल पहले हुए विवाद को लेकर पुरानी रंजिश थी। डीसीपी ने कहा, सचिन ने आरोपी को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

गोधरा में दो समुदायों के बीच पथराव

10 लोग गिरफ्तार, सड़क से गुजरने पर रोका तो मचा बवाल

गोधरा, 6 जून (एजेंसियां)। गुजरात के पंचमहल जिले के गोधरा कस्बे में एक सड़क पर से गुजरने को लेकर दो समुदायों के सदस्यों के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार शाम हुई झड़प में एक शख्स घायल हो गया और पुलिस ने घटना के संबंध में मंगलवार को 10 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारी ने कहा कि कादरखान पठान की शिकायत पर दर्ज एक एफआईआर के मुताबिक एक आरोपी मित्रंग परमार और कुछ अन्य लोगों ने अपने इलाके से गुजरने वाली एक सड़क का इस्तेमाल करने उसे रोक लिया और उस सड़क पर से आने-जाने से मना किया। पठान ने दावा किया कि जिस सड़क का वह अक्सर इस्तेमाल करता था, वह रेलवे अंडरपास को बनाए जाने के कारण बंद थी। अधिकारी ने कहा कि पठान ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि वह सोमवार शाम अपनी मोटरसाइकिल पर सड़क से गुजर रहा था, तभी परमार ने उसे उधर से जाने से रोका। इसे लेकर उनके बीच बहस हो गई। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद झगड़ा बढ़ गया और दोनों समुदायों के सदस्यों ने एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। इस घटना में एक शख्स घायल हो गया। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। गोधरा में पत्थरबाजी इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर दो एफआईआर दर्ज की गई। जिसमें दोनों समुदायों के पांच-पांच आरोपियों को नामजद किया गया है। उन्होंने बताया कि एक एफआईआर में परमार ने पठान और चार अन्य लोगों पर गैरकानूनी तरीके से जमा होने, गालियां देने और पिटाई करने का आरोप लगाया। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 335 (चोट पहुंचाना), 504 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान), 143, 149 (गैरकानूनी तरीके से जमा होना) और 147 (दंगा) के तहत दोनों समुदायों के पांच-पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

अनिल जयसिंघानी और अनिक्षा के कॉन्टैक्ट में थीं अमृता फडणवीस! चार्जशीट में देवेंद्र फडणवीस से खराब रिश्ते का भी जिक्र

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस लगातार बुकी अनिल जयसिंघानी और उसकी बेटी अनिक्षा जयसिंघानी के संपर्क में बनी हुई थीं। अमृता फडणवीस ने उनके साथ यह भी शेयर किया था कि साल 2019 से देवेंद्र फडणवीस के साथ उनके संबंध ठीक नहीं हैं। यह खुलासा मुंबई पुलिस की चार्जशीट में हुआ है। मुंबई पुलिस की चार्जशीट में इस बात का जिक्र है कि अमृता फडणवीस अनिक्षा जयसिंघानी से बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के एक होटल में 6 मार्च को मिली थीं। वो अनिक्षा जयसिंघानी से वाट्सअप चैट के जरिए संपर्क में थीं। अनिक्षा जयसिंघानी पर आरोप है कि उसने अपने पिता अनिल जयसिंघानी का नाम हटाने के लिए अमृता फडणवीस को 1 करोड़ की रिश्वत का ऑफर दिया था। इस बात की शिकायत अमृता फडणवीस ने मुंबई के मलबार हिल पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई थी।अमृता फडणवीस को अनिल जयसिंघानी ने धमकी दी थी कि वह उनसे संबंधित ऑडियो और वीडियो मोदी, पवार और उद्धव को भेजेगा और उन्हें एक्सपोज करेगा।

अनिक्षा जयसिंघानी का अमृता फडणवीस को दिया गया था ऑफर

मुंबई पुलिस ने अमृता फडणवीस को रिश्वत और धमकी केस में 793 पेज की चार्जशीट दायर की है। इसमें यह खुलासा हुआ है कि अनिक्षा जयसिंघानी और अनिल जयसिंघानी अमृता फडणवीस के टच में थे। अनिक्षा एक केस में अनिल जयसिंघानी का नाम हटाने के लिए अमृता फडणवीस को बड़े ऑफर का लालच दे रही थी। मुंबई पुलिस की चार्जशीट में दावा किया गया है कि 20 फरवरी को एफआईआर के बाद 24 फरवरी को अमृता फडणवीस ने उसे आश्वासन दिया था कि वो देवेंद्र फडणवीस से इस संबंध में बात करेंगी। फिलहाल अनिल जयसिंघानी न्यायिक हिरासत में है और अनिक्षा जयसिंघानी जमानत पर रिहा हुई है।

अमृता फडणवीस के साथ अनिक्षा और अनिल जयसिंघानी की यह हुई थी बातचीत

मुंबई पुलिस ने अनिक्षा और अनिल जयसिंघानी के साथ अमृता फडणवीस के चैट को अपनी चार्ज शीट के साथ अटैच किया है। इस चैट में अनिक्षा लिखती है, 'मेरे पिता को यह मालूम है कि, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उनके खिलाफ पुलिस का इस्तेमाल करेंगे और वे वीडियो झूठे होने का दावा करेंगे। लेकिन इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है।' अनिल जयसिंघानी ने उद्धव ठाकरे और शरद पवार से संपर्क में होने का दावा करते हुए कहा था कि वह अमृता फडणवीस से जुड़े वीडियो उन दोनों को और मोदी जी को भेजने वाला है।

मुंबई पुलिस की चार्जसीट में यह भी दावा है कि अनिल जयसिंघानी ने अमृता फडणवीस से चैट करते हुए जिक्र किया था कि उसे 1000 करोड़ का नुकसान हुआ है। उसके खिलाफ 17 केस दर्ज होने की वजह से उसे यह नुकसान हुआ है। इससे बाहर निकालने पर 1 करोड़ की रिश्वत की पेशकश थी। ऑफर ठुकराने के बाद 10 करोड़ रुपए की वसूली के लिए ऑडियो और वीडियो वायरल कर देवेंद्र फडणवीस का राजनीतिक करियर खत्म करने की धमकी दी गई थी। चैट में अमृता फडणवीस ने अनिल जयसिंघानी को यह आश्वासन दिया था कि अगर उनके खिलाफ केस झूठे पाए गए तो वह उन्हें मदद करने के लिए अपने पति से बात करेंगी।

भाई का बना दुश्मन, सोते समय गर्दन में घोंपा चाकू, पीड़ित खुद बाइक चलाकर पहुंचा अस्पताल

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। नवी मुंबई में एक भाई ने अपने ही बड़े भाई पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक 32 वर्षीय व्यवसायी को उसके छोटे भाई ने हमला कर घायल कर दिया। चाकू गर्दन में ही अटका रहा और पीड़ित खुद ही इलाज के लिए अपनी मोटरसाइकिल से अस्पताल पहुंचा। डॉक्टरों ने कहा कि पीड़ित तेजस पाटिल चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बच गए क्योंकि हथियार उनकी नसों और धमनियों से चूक गया। पुलिस ने बताया कि तेजस सानपाड़ा अपने आवास पर सो रहे थे तो उनका छोटा भाई मोनीश वहां आया और उनकी गर्दन में चाकू घोंप दिया। यह घटना तीन जून को हुई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद मोनीश अभी तक फरार है। पुलिस ने बताया कि तेजस पाटिल ने घायल होते हुए हिम्मत दिखाई दर्द और खून बहने के बावजूद अपनी मोटरसाइकिल निकाली और अस्पताल पहुंचने के लिए करीब एक किलोमीटर तक बाइक चलाई।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 7 जून- 2023

पोल खोल कर बह गया पुल

कैसी बिडंबना है कि एक ही पुल दो-दो बार टूट जाए और शासन प्रशासन के कान पर जूं तक न रेंगे। कुछ ऐसी ही कहानी है गंगा नदी पर भागलपुर में बन रहे पुल का। सत्रह सौ सत्रह करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बन रहा निर्माणाधीन पुल एक बार फिर अचानक भरभरा कर गिर गया। लेकिन इस बार पुल के गिरने से विपक्ष ने नीतीश सरकार पर जमकर बोलकर उनकी नीद हराम कर दी है। इस पुल के गिरने से एक बार फिर साबित हो गया कि निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार की गंगा-यमुना किस तरह से बह रही है। जिसे जहां भी मौका मिला उसने ही इस बहते पवित्र पानी में अपने हाथ के साथ ही पैर तक धो लिए। शासन तंत्र में बैठे लोगों की छत्रछाया में पल रहे भ्रष्टाचारियों से ईमानदारी, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता की अपेक्षा करना अपने आप को धोखा देने से कम नहीं है। इसलिए अब इस पर बात करना भी बेमानी लगने लगा है। बहरहाल, भागलपुर को खगड़िया जिले से जोड़ने वाली निर्माणाधीन अगुवानी-सुल्तानगंज पुल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ कर ढह चुका है। इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है। पक्ष-विपक्ष एक दूसरे पर तानाकशी कर रहे हैं। निर्माण कार्यों में किस कदर का भ्रष्टाचार फैला हुआ है अब यह किसी से छिपा नहीं रह गया है। विभागीय लापरवाही तो इसमें शामिल हैं ही लेकिन इतने महत्वपूर्ण काम में भी इस तरह का भ्रष्टाचार का नंगानाच हो सकता है, इसकी तो किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। मजेदार बात तो यह है कि फिर भी सरकारी दावे सामने आते रहे कि जल्दी ही इस पुल का निर्माण कार्य पूरा कर जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इतने दिनों तक पुल का काम लटका रहा और अब जो हुआ, उसमें देवयोग से ही आम लोग चपेट में नहीं आए। वरना जिस पैमाने पर यह पुल गिरा, अगर उस पर वाहनों और लोगों की आवाजाही रहती तो अंजाम बालासोर रेल त्रासदी से कम की नहीं होती। हैरानी की बात यह है कि पुल के गिरने की घटना जब कुछ वीडियो के जरिए सुर्खियों में आ गई तब सरकार की ओर से यह सफाई दी गई कि पुल का डिजाइन गलत था इसलिए इसे गिराया जाना तय था। यह खुलासा तो और भी चौंकाने वाला है कि पुल खुद ढह गया या फिर उसे गिराया गया। दोनों ही स्थितियों में यह तय है पुल के निर्माण में व्यापक खामियां थीं जिसकी वजह से वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस पुल के डिजाइन में बड़ी खामी थी। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के मुताबिक इस पुल की खामियों के मद्देनजर आइआइटी-रुड़की से इसका अध्ययन कराया गया। विशेषज्ञों ने बताया था कि इसमें गंभीर खामियां हैं। ऐसे में सवाल लाजमी है कि कि जब सरकार किसी कंपनी को पुल निर्माण की जिम्मेदारी सौंप रही थी, उससे पहले गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री और संपूर्णता को सुनिश्चित क्यों नहीं किया गया? कुछ भी इतना तो तय है कि एक ही पुल अगर दो बार भरभरा कर गिर जाए तो यह डिजाइन गलत होने से लेकर उसमें उपयोग होने वाली सामग्री के घटिया होने का भी साफ संकेत है। लेकिन जिस तरह सरकार उस पुल की गुणवत्ता और जोखिम का अध्ययन करा रही थी, क्या उसके निर्माण के दौरान या उससे पहले डिजाइन सहित उसके हर कसौटी पर बेहतर होने के लिए जांच कराना सुनिश्चित नहीं कर सकती थी? पुल के गिरने से जितने पैसों की बर्बादी हुई है आखिर उसकी भरपाई किससे कराई जाएगी? बिहार में पुल गिरने की ताजा घटना कोई पहली नहीं है। इससे पहले पिछले साल भर में सात पुलों के ढह जाने की खबरें आईं थी। पुलों के गिरने के लिए उसे बनाने वाली कंपनी की लापरवाही और भ्रष्टाचार जिम्मेदार है, तो इसकी जांच कौन और कब करेगा। उच्च मानकों, बेहतर होने की सौ फीसद कसौटियों और गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के बजाय किसी खास कंपनी से संबंधित महकमे या उसके अधिकारियों द्वारा गलत तरीके से समझौता करना भी आखिर कहां तक उचित है? सरकार को अपने बचाव में दलील देने के बजाय पुलों सहित किसी भी निर्माण कार्य में ऐसे इंतजाम करने चाहिए, जिसमें सौ फीसद गुणवत्ता सुनिश्चित हो, ताकि आम आदमी जब उस पर चले तो खुद को सुरक्षित और सुखद स्थिति में महसूस करे।

भ्रष्टाचार की गंगा में हाथ धोते राजनेता

सुरेश गांधी

बिहार के भागलपुर में रविवार को 1717 करोड़ की लागत से बन रहा पुल रेत की तरह गंगा में बह गया. पूरा देश इस पुल के बहने का वीडियो देखकर दंग हो गया. 2014 में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पुल का शिलान्यास किया था. लेकिन 9 साल में ये पुल बनकर तैयार नहीं हो पाया. चौंकाने वाली बात ये है कि ये 'कागजी' पुल दूसरी बार गिरा है. इससे पहले पिछले साल 30 अप्रैल को भी इस निर्माणधीन पुल का हिस्सा गिरा था. तब कहा गया था कि तूफान की वजह से ब्रिज का हिस्सा गिरा. बता दें, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 23 फरवरी 2014 को इसका शिलान्यास किया था. पुल का निर्माण एसपी सिंगला कंपनी कर रही है. करीब तीन किमी लंबे इस पुल के निर्माण का अस्सी फीसदी काम पूरा हो चुका था. इसी साल नवंबर में पुल के उद्घाटन की तैयारी थी. लेकिन उद्घाटन से पांच महीने पहले ही निर्माणाधीन पुल का बड़ा हिस्सा गंगा की लहरों में समा गया. ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है कि क्या यह पुल भ्रष्टाचार की रेत पर खड़ा था, जो 10 सेकेंड में ही धड़ाम हो गया! वेसे भी इस ब्रिज के निर्माण को लेकर कंपनी पहले ही सवालों के घेरे में है। 600 करोड़ से 1700 करोड़ इसकी लागत हो गई, उसके बावजूद कंस्ट्रक्शन क्वॉलिटी इतनी घटिया थी उसकी गवाही गंगा में समाएं पुल के मलबे दे रहे है। इसके लिए जिम्मेदार कौन है, के जवाब में नीतीश कह रहे है हमे पहले से मालूम है घटिया निर्माण हो रहा है। कुछ ऐसा ही तेजस्वी भी कह रहे हे, लेकिन वे भूल गए इसका जवाब उन्हीं को देना है। उनका कहना है कि हमारी आशंका सही साबित हुई। मतलब साफ है बिहार में ऐसी गजब परिस्थिति है कि 1717 करोड़ पानी में बह गए और कोई ऐसा व्यक्ति ढूंढे नहीं मिल रहा है जो यह जवाब दे सके कि पुल क्यों गिरा? नीतीश सोच रहे है जो कह देंगे वही सही है। ऐसे में सवाल यह है कि नीतीशराज में कब तक जर्जर सड़के व पुल लोगों की जान लेते रहेंगे? उन्हें समझना होगा जब जनता बचेगी तभी आपकों चुनेंगी। आंकड़े बताते है कि भ्रष्टाचार में बिहार कुछ इस तरह संलिप्त है कि घटिया निर्माण के चलते दर्जनों पुल ढह चुके है। इसके बावजूद उसी एजेंसी को बार-बार ठेका क्यों दिया जा रहा है? क्या निर्माण ईकाई की कमीशन रुपी दौलत इतनी भा रही है कि उसके आगे जनता की जान छोटी हो गयी है? ऐसा इसलिए क्योंकि इस निर्माण ईकाई द्वारा बनाएं जा रहे दर्जनों पुल निर्माणसे पहले ध्वस्त हो गए। आप खुद कह रहे है कि दो महीने पहले पुल के कुछ हिस्सा ढहने के बाद मौके गया और निर्माण ईकाई को निर्देशित किया था कि खराब मटेरियल से बने इस पुल को ढहाकर नए सिरे से काम किया जाएं। लेकिन निर्माण ईकाई अपना काम जारी रखा और परिणाम सामने है कि पुल देखते ही देखते गंगा में दफन हो गया। जनता जानना चाहती है कि उसके दिन रात की हाड़तोड मेहनत की कमाई से बन रहे इस पुल के ठेकेदार को चेतावनी या आदेश सिर्फ कमीशन बढाने के लिए दिया गया था। क्योंकि पुल का जो मलबा इस वक्त बिखरा पड़ा है वो खुद चीख-चाख कर गवाही दे रही है मटेरियल मैटेरियल व सीमेंट की जगह बालू का इस्तेमाल किया जा रहा था। वरना 9 साल से बन रहा पुल 9 सेकेंड में बहती गंगा में समाहित नहीं होती। फिरहाल, पुल गिरने के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है. बीजेपी ने इस मामले में महागठबंधन सरकार पर भ्रष्टचार का आरोप लगाते हुए नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव का इस्तीफा मांगा है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने राज्य सराकर पर निशाना साधते हुए कहा कि पुल गिरने की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए चाचा-भतीजा (नीतीश-तेजस्वी) को इस्तीफा दे देना चाहिए. बता दें कि कुछ ही महीनों के अंतराल पर दूसरी बार यह पुल गिरा है. उधर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कहना है कि पुल ठीक से नहीं बनाया जा रहा तभी यह बार-बार गिर जा रहा है. उन्होंने मामले में जांच के आदेश दे दिए हैं. प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि ब्रिज गिरने से करीब दो किमी दूर तक आवाज आई. इतना ही नहीं इतना बड़ा स्ट्रक्चर गिरने से गंगा नदी में कई फीट ऊंची लहरें उठीं. गंगा में करीब 500 मीटर में मलबा बिखर गया था. वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे 1700 करोड़ से ज्यादा की लागत से तैयार हो रहा पुल जमींदोज हो गया. ब्रिज देखते ही देखते ताश के महल की तरह गिर गया. पहले निर्माणाधीन पुल का ये छोटा सा हिस्सा गिरता है, इसके चंद सेकेंड के भीतर 200 फीट का लंबा स्लैब गंगा नदी में समा जाता है. गंगा में पुल का हिस्सा समाते ही धड़ाम की आवाज आती है. हालांकि यह पहली घटना नहीं है, बिहार में को चूहे भी नदियों पर बने बांध कुतर देते हैं। चूहे इतना बदनाम हैं कि पुलिस थाने के मालखाने में रखी शराब भी पी जाते हैं। नहर पर बना लोहे का पुल चोरी हो जाता है। एक ही नाम वाले पति की दर्जनों पत्नियां सामने आती हैं। कोरोना के वैक्सिन लेने नरेंद्र मोदी, अमित शाह से लेकर सीएम योगी और हेमंत सोरेन तक बिहार आते हैं। दारूबंदी का सख्त कानून बनाने वाले सीएम नीतीश के काफिले में चल रही गाड़ी में दारू पीने वाले पकड़े जाते हैं और शराब की बोतलें बरामद होती हैं। बिहार में रोजगार न मिल पाने के कारण लद्दाख से लेकर कश्मीर घाटी तक पहुंचे बिहारी मारे जाते हैं या मरते हैं। बच्चियां दरिंदगी का शिकार होती हैं तो खून पानी से भी बिहार में सस्ता है। बिहार की पहचान बताने के लिए इतना ही पर्याप्त है। ये ऐसी कड़वी बातें हैं, जो इस उपलब्धि को क्षण भर में मिट्टी में मिला देती हैं कि बिहार आईएएस-आईपीएस पैदा करने वाली फैक्टरी है। वेदांता समूह का औद्योगिक एंपायर खड़ा करने वाला आदमी बिहारी है। सेना में फाइटर प्लेन उड़ाने वाली पहली महिला बिहार की है। भ्रष्टाचार के दाग से रहित सीएम बिहार में हैं। बता दें, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 23 फरवरी 2014 को इसका शिलान्यास किया था. पुल का निर्माण एसपी सिंगला कंपनी कर रही है. करीब तीन किमी लंबे इस पुल के निर्माण का अस्सी फीसदी काम पूरा हो चुका था. इसी साल नवंबर में पुल के उद्घाटन की तैयारी थी. लेकिन उद्घाटन से पांच महीने पहले ही निर्माणाधीन पुल का बड़ा हिस्सा गंगा की लहरों में समा गया. बता दें, ये पुल खगड़िया और भागलपुर जिले को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा है. पुल बनने के बाद खगड़िया से भागलपुर आने के लिए 90 किमी की दूरी मात्र 30 किमी रह जाएगी. तेजस्वी यादव ने पुल गिरने के बाद कहा कि ये पहली बार नहीं हुआ है, अप्रैल 2022 में भी यह निर्माणाधीन पुल गिरा था और उस वक्त नेता प्रतिपक्ष रहते हुए हमने इस पर सवाल भी उठाए थे. तेजस्वी यादव ने कहा कि पथ निर्माण विभाग का काम संभालने के बाद हमने इस पुल की जांच आईआईटी रुड़की से कराई जिसके आधार पर पुल के स्ट्रक्चरल डिजाइन में फॉल्ट पाया गया. इसके बाद क्षतिग्रस्त हिस्से को तोड़कर फिर से उसे बनाने का काम शुरू किया गया. अभी इस पुलिस के पिलर नंबर पांच को लेकर आईआईटी बॉम्बे की रिपोर्ट आनी है. हमने पहले ही इस पुल को लेकर आशंका जताई थी. चूंकि पुल अभी निर्माणाधीन था, इसलिए आवाजाही शुरू नहीं हुई थी। आवाजाही रहती तो जान-माल के नुकसान का अनुमान लगाया जा सकता है। सरकार ने इसकी जांच के आदेश भवन निर्माण विभाग को दे दिए हैं। दोषियों पर कार्रवाई की बात भी सीएम नीतीश कुमार दोहरा रहे हैं। तेजस्वी यादव ढहे पुल की संरचना और डिजाइल में ही अब खोट बता रहे हैं। विधानसभा में इस बाबत दिए अपने जवाब की कापी वे मीडिया को दिखा रहे हैं।

राहुल गांधी कभी पढ़ भी लेते मुस्लिम लीग का इतिहास

आर.के. सिन्हा

राहुल गांधी ने मुस्लिम लीग को सेक्युलर पार्टी होने का प्रमाणपत्र देकर एक बार फिर साबित कर दिया कि उनकी इतिहास की समझ एक स्कूली बच्चे से भी कमजोर है। जाहिर है कि अमेरिका की यात्रा पर गये राहुल गांधी के बयान पर हंगामा खड़ा हो गया है। अब सभी कांग्रेसी राहुल गांधी का बचाव करने में भी लगे हैं। यह भारत में ही संभव है कि मोहम्मद अली जिन्ना की जिस आल इंडिया मुस्लिम लीग ने भारत को तोड़ा था, उससे मिलते- जुलते नाम से इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) भारत के विभाजन के कुछ माह बाद ही एक राजनीतिक पार्टी के रूप में सामने आई। इसका गठन 10 मार्च 1948 को ही हुआ। ये मुख्य रूप से केरल में ही एक्टिव रही है। कभी-कभी तमिलनाडू में भी चुनाव लड़ती रही है। क्या भारतीय कांग्रेस या भारतीय समाजवादी पार्टी के नाम से कोई पार्टी पाकिस्तान में बन सकती थी? ऐसी ही एक गलती भारतीय जनता पार्टी के महा शक्तिशाली नेता और कई बार पूर्व अध्यक्ष और उप प्रधानमंत्री रहे लाल कृष्ण आडवानी ने भी किया था । वे जब पाकिस्तान के दौरे पर थे, जिन्ना की मजार अपर चले गये । तब भी पूरे देश में, खासकर भाजपा के अन्दर कोहराम मचा था । हर भाजपाई आडवानी की पद-प्रतिष्ठा की परवाह किये बिना आडवानी की आलोचना कर रहा था । स्थिति ऐसी हो गई कि भाजपा की केन्द्रीय कार्यसमिति ने एक निंदा का प्रस्ताव पास करने का निर्णय लिया । मैं भी भाजपा के 9 अशोक रोड पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में था जिस प्रेस कांफ्रेंस में यह सूचना दी जा रही थी । निंदा का प्रस्ताव स्व. अरुण जेटली जी ने ही बनाया था जो उन दिनों आडवाणी जी के प्रमुख सहायक थे । पूरा मंच ऐसे ही नेताओं से भरा पड़ा था जो सामान्यतः आडवानी के धुर प्रशंसक थे । लेकिन, यही तो होता है लोकतांत्रिक पार्टी और कभी लोकतांत्रिक रही और अब परिवारवादी पार्टी बन चुकी पार्टी का फर्क । अब जरा देख लीजिए कि जो पार्टी केरल में सक्रिय है वह मुसलमानों के लिए अंग्रेजी, अरबी, और उर्दू शिक्षा की पक्षधर है। ये केरल के मुसलमानों के लिए समृद्ध भाषा मलयालम या राष्ट्र भाषा हिंदी के महत्व को कत्तई महत्व नहीं देती। केरल के मुसलमानों को यह उर्दू की शिक्षा ग्रहण करने को लेकर क्यों दुबली हो रही है, यह समझ से परे है। शायद राहुल जी को पता होगा क्योंकि वे वहां से संसद रह चुके हैं । यह जम्मू - कश्मीर में धारा 370 की बहाली चाहती है। इसका लक्ष्य भारत को हिन्दू राष्ट्र बनने से रोकना और भारत को धर्म निरपेक्ष बनाये रखना भी है। यहीं पर इसकी पोल खुलती है। ये भारत को तो धर्म निरपेक्ष रखना चाहती है पर दूसरी तरफ मुसलमानों से इस्लाम के अनुसार जीवन जीने की अपेक्षा रखती है। यानी इसका कहना है मुसलमान भारत के सॅंविधान और कानून की जगह इस्लाम की जो व्याख्या मुल्ला करते हैं उसे ही मानें। यह है इसका दोहरा मापदंड।

राहुल गांधी के साथ खड़े तथाकथित सेक्युलरवादी यह भी जान लें कि आल इंडिया मुस्लिम लीग भी 1906 में अपनी ढाका में स्थापना के समय पृथक राष्ट्र की मांग नहीं कर रही थी। लेकिन, आगे चलकर उसने अलग पाकिस्तान की मांग चालू कर दी और भीषण नरसंहार के बाद एक तरह से दबाव में उसकी मांग मानी भी गई। भारत के ये ही सेक्युलरवादी, जिन्ना जैसे घोर सांप्रदायिक इंसान को बेशर्मी से सेक्युलर तक बता देते हैं। दरअसल ये जिन्ना के 11 अगस्त, 1947 को दिए भाषण का हवाला देकर उन्हें (जिन्ना) सेक्युलर साबित करते हे। अंग्रेजी में दिए उस भाषण में जिन्ना कहते हैं "पाकिस्तान में अब सभी को अपने धर्म को मानने की स्वतंत्रता होगी। अब हिन्दू मंदिर में पूजा करने के लिए स्वतंत्र है, मुसलमान अपने इबाबतगाहों में जाने को आजाद हैं।" लगता है, इन्होंने जिन्ना के 11 अगस्त,1947 के भाषण से पहले दिए किसी भाषण को जाना ही नहीं। जिन्ना का 23 मार्च,1940 को दिया भाषण उनकी घनघोर सांप्रदायिक सोच और पर्सनेल्टी को रेखांकित करता है। उस दिन आल इंडिया मुस्लिम लीग ने पृथक मुस्लिम राष्ट्र की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया था। यह प्रस्ताव मशहूर हुआ था 'पाकिस्तान प्रस्ताव' के नाम से। इसमें कहा गया था कि आल इंडिया मुस्लिम लीग भारत के मुसलमानों के लिए पृथक राष्ट्र का ख्वाब देखती है। वह इसे पूरा करके ही रहेगी। प्रस्ताव के पारित होने से पहले मोहम्मद अली जिन्ना ने अपने दो घंटे लंबे बेहद आक्रामक भाषण में हिन्दुओं को कसकर कोसा था।

कहा था- हिन्दू – मुसलमान दो अलग धर्म हैं। दो अलग विचार हैं। दोनों की परम्पराएं और इतिहास अलग हैं। दोनों के नायक अलग है। इसलिए दोनों कतई एक साथ नहीं रह सकते। वाशिंगटन डीसी में जब राहुल गांधी से पूछा गया कि आप हिन्दू पार्टी बीजेपी का विरोध करते हुए लोकतंत्र में धर्मनिरपेक्षता की बात करते हैं, जबकि केरल में कांग्रेस का मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के साथ गठबंधन रहा है, जहां से आप सांसद रहे हैं, तब इस पर वे कहने लगे, "मुस्लिम लीग पूरी तरह से सेक्युलर पार्टी है। मुस्लिम लीग में कुछ भी नॉन-सेक्युलर नहीं है।" राहुल गांधी भूल गए हैं या उन्हें पता ही नहीं है कि आईयूएमएल को उन पाकिस्तान सिन्धांत समर्थक लोगों ने ही स्थापित किया था जो 1947 में पाकिस्तान नहीं गये थे। उन्होंने ही विभाजन के बाद यहां मुस्लिम लीग का गठन किया और सांसद और विधायक बने। ये पार्टी शरिया कानून की वकालत करती है, मुसलमानों के लिए अलग सीटें आरक्षित करना चाहती है। राहुल गांधी की टिप्पणी पर गहराई से अध्ययन करने की जरूरत नहीं है।यह अपेक्षित ही है कि कांग्रेस के नेता मुस्लिम ब्रदरहुड और मुस्लिम लीग जैसे संगठनों के पक्ष में बोलें क्योंकि अमेठी से हारने के बाद उन्हें मुस्लिम बहुल सीट वायनाड से चुनाव लड़ना है। दरअसल राहुल गांधी और कांग्रेस के लिए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), मुस्लिम लीग और एक मुस्लिम धर्मगुरु की ओर से गठित पश्चिम बंगाल की पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट जैसी पार्टियां धर्मनिरपेक्ष हैं और प्रतिबंधित कट्टरपंथी इस्लामी संगठन पीएफआई एक 'सांस्कृतिक' संस्था है। राहुल गांधी का दावा उनकी बुद्धिमत्ता पर सवालिया निशान खड़ा करता है। आप जानते ही हैं कि हमारे यहां सेक्युलर वादी गैंग किसी को भी सांप्रदायिक पार्टी या व्यक्ति को देश भक्त कह देता है। उन्हें देश के सामान्य इतिहास की भी समझ नहीं है। अगर होती तो वे मुस्लिम लीग को कभी सेक्युलर पार्टी का तमगा नहीं देते। अगर आप आईयूएमएल की वेबसाइट को देखें तो उसमें एक जगह लाल किले का चित्र है। उसके साथ ही कहा गया है कि लाल किला, ताज महल और कुतुब मीनार भारत में इस्लामिक संस्कृति के मील के पत्थर हैं।

बेहतर होता कि यहां पर ये भी स्वीकार कर लिया जाता कि कुतुब मीनार के निर्माण के वक्त अनेक हिन्दू और जैन मंदिरों को तोड़ा गया था। उनके अवशेषों को मिलाकर ही कुतुबुद्दीन ऐबक और इल्तुतमिश ने कुतुबमीनार का निर्माण करवाया था। मशहूर पुरातत्वविद केके मुहम्मद ने एक बार कहा था कि कुतुब मीनार कैंपस में बनी कुव्वत उल इस्लाम मस्जिद 27 मंदिरों को तोड़कर बनी थी। इसे दिल्ली की पहली मस्जिद माना जाता है। बेशक, कुतुब मीनार परिसर में हिन्दू मंदिरों के चिह्न मिलते हैं और इन्हें छुपाने की या ढकने की कोई कोशिश भी नहीं की गई है। मस्जिद के खंभों पर अनेक देवी देवता यक्ष यक्षिणियाँ की प्रतिमायें उत्कीर्ण हैं।

जब स्वर्ग को सशरीर चल दिए त्रिशंकु

बोलचाल में कहावत प्रचलित है, "बिना मरे स्वर्ग नहीं मिलता है।" इस कहावत के पीछे मंशा यही है कि बिना मूल्य चुकाए अभूतपूर्व सफलता नहीं मिलती है – इक्ष्वाकु कुल में एक राजा थे, राजा पृथु के पुत्र सत्यव्रत। वे हरिशचन्द्र के पिता हैं, वे हरिश्चंद्र जो सत्य वचन त्याग और धर्म के उदाहरण हैं। उनका त्रिशंकु नाम प्रचलित है। त्रिशंकु शब्द का अर्थ अधर में लटका हुआ।

उनके पिता सत्यव्रत (त्रिशंकु) को इच्छा हुई कि सशरीर स्वर्ग जाएं। त्रिशंकु अपने गुरु वशिष्ठ मुनि के पास गए एवं उनसे अपनी इच्छा प्रकट की। गुरु वशिष्ठ ने उन्हें समझाया कि भूलोक के प्राणियों के लिए सशरीर स्वर्ग जाने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने अपने गुरु से कहा, "यदि आप ऐसा यज्ञ आयोजित करने में असमर्थ हैं तब मैं किसी अन्य ब्राह्मण को आचार्य बनाकर यज्ञ का अनुष्ठान करुंगा।'' वशिष्ठजी ने हंसते हुए उन्हें कहा, "बहुत अच्छा कीजिए।''तब त्रिशंकु वशिष्ठ मुनि को प्रणाम करके उस स्थान को गए जहां उनके सौ पुत्र रहते थे। उन्होंने वशिष्ठ मुनि के पुत्रों को बताया कि गुरु वशिष्ठ उन्हें सशरीर स्वर्ग भेजने में असमर्थ हैं।'' उनकी बात सुनकर गुरु पुत्र क्रुद्ध हो गए। तथा उन्होंने त्रिशंकु को शाप दिया कि वे चाण्डाल बन जाएं। शाप लगते ही त्रिशंकु का शरीर विकृत हो गया। अपने भयावह शरीर को लेकर वे राज करने में इच्छुक नहीं थे। अपने विश्वस्त मंत्रियों को नगर के सीमा पर बुलाकर उन्हें आदेश दिया कि उनके सुपुत्र हरिश्चन्द्र का शीघ्रातिशीघ्र राज्याभिषेक करें त्रिशंकु ने निश्चय कर लिया था कि या तो वे अपना संकल्प पूर्ण करेंगे या फिर प्राण त्याग देंगें।

अब, वे विश्वामित्र मुनि के खोज में थे क्योंकि संसार के मित्र (विश्वामित्र) ही उन्हें चाण्डाल रूप से मुक्त कर सकते थे। कुरुक्षेत्र पहुंचकर तपस्या के निधान विश्वामित्र को देखकर उनसे अपनी मनोकामना अभिव्यक्त करते हुए कहा कि वे उनके पास शापमुक्त होने के लिए आए हैं। त्रिशंकु ने उन्हें अब तक हुआ सारा वृतान्त सुना दिया, उनका सशरीर स्वर्ग जाने का जिद एवं ऋषि पुत्रों द्वारा दिया गया शाप।

सत्यव्रत (त्रिशंकु) विश्वामित्र के साथ तीर्थ यात्रा पर निकल चले। परन्तु सत्यव्रत (त्रिशंकु) का शाप नहीं मिटा। इसी उपक्रम में दोनों वर्तमान समय के आबू पहुंचे। वहां उन्हें मार्कण्डेय ऋषि मिले। सारा वृतान्त जानने के बाद उन्होंने उन्हें हाटकेश्वर के शिव लिंग के दर्शन करने एवं पाताल गंगा में स्नान करने का निर्देश दिया। पातालगंगा में स्नान करके सत्यव्रत (त्रिशंकु) का शाप कट गया। वे फिर से पहले की भांति रूपवान बन गए। अब विश्वामित्र उनकी जिद को पूरा करने के लिए कटिबद्ध थे। उन्होंने सत्यव्रत (त्रिशंकु) से कहा कि वे यज्ञ सामग्रियों का आयोजन करें।

यज्ञ प्रारम्भ हुआ। सत्यव्रत (त्रिशंकु) ने नियम-निष्ठा के साथ बारह वर्ष तक यज्ञ किया, बारह वर्षों के बाद यज्ञान्त करके उन्होंने सभी ऋत्विजों (यज्ञ में सम्मिलित पुरोहितों) को सम्मान सहित दक्षिणा देकर विदा किया। अब विश्वामित्र नई सृष्टि बनाने लगे। इस संसार में सूर्य, सौरमण्डल, ग्रह-नक्षत्र सभी नए रचे गए।यज्ञ के प्रभाव से सत्यव्रत स्वर्ग की ओर उठने लगे। भगवान इन्द्र के नेतृत्व में देवताओं ने त्रिशंकु को स्वर्ग प्रवेश करने से रोक दिया एवं उसे वापस पृथ्वी की ओर फेंक दिया। इस बात से क्रोधित ऋषि विश्वामित्र ने अपनी शक्तियों का प्रयोग कर के त्रिशंकु का गिरना रोक दिया जिससे सत्यव्रत (त्रिशंकु) बीच में लटक गए।

विश्वामित्र ने अपनी शक्तियों का प्रयोग कर बीच में ही एक नया स्वर्ग बना दिया और त्रिशंकु को श्राप से मुक्त करते हुये इस नए स्वर्ग में भेज दिया। त्रिशंकु, जो वापस सत्यव्रत बन गया था, को नए स्वर्ग का इन्द्र बनाने के लिए विश्वामित्र ने तपस्या प्रारम्भ की। इस तपस्या से चिंतित देवताओं ने विश्वामित्र को समझाया कि उन्होने स-शरीर स्वर्ग प्रवेश की अप्राकृतिक घटना को रोकने के लिए त्रिशंकु के स्वर्ग प्रवेश से रोका था। विश्वामित्र ने देवताओं से समझौता किया कि वो अपनी तपस्या रोक देंगे और देवता सत्यव्रत को नए स्वर्ग में रहने देंगे, एवं सत्यव्रत (त्रिशंकु) इन्द्र की आज्ञा की अवहेलना नहीं करेंगे। कथा चाहे कोई भी हो, एक बात पूर्ण सत्य है कि गुरु के आशीष से सत्यव्रत की असंभव इच्छा साकार हो गई।

इस कथा का बाह्य आवरण छीलकर अन्दर का मर्म झांकने पर दिखता है कि हर व्यक्ति जो स्वर्ग जाने के लिए सत्कर्मों का टिकट जोड़ रहा है, वह बुनियादी तौर पर अपनी खुशियों को कल के लिए टाल रहा है। स्वर्ग मूलतः वह स्थान है जहां हर्ष-उल्लास का वातावरण है। वहां कामनाएं सार्थक होती हैं। वहां किसी चीज को कल के लिए नहीं टाला जाता है क्योंकि समय का एक ही आयाम है- वर्तमान। भूत एवं भविष्य छलावा है, मानव जाति को भूल भुलैया में उलझाने के लिए।

प्रखर राष्ट्रवादी योगी आदित्यनाथ

मनोज कुमार अग्रवाल

योगी आदित्यनाथ आज देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ही नहीं बल्कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद देश में दूसरे नम्बर पर चर्चित व पसंद किए जाने वाले व्यक्तित्व हैं।5 जून 1972 को उत्तराखंड (तत्कालीन उत्तर प्रदेश) के एक छोटे से गांव में एक अति साधारण परिवार में जन्मे अजय कुमार विष्ट को कोई नहीं जानता था कि यही अजय कुमार विष्ट एक दिन योगी आदित्यनाथ के नाम से न सिर्फ गोरखनाथ पीठ के पीठाधीश्वर महन्त बनेंगे वरन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री चुने जाएंगे। देश विदेश के राजनीतिक शिखर पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद सबसे लोकप्रिय व चर्चित राजनीतिक योगी आदित्यनाथ हैं। गोरखपुर के प्रसिद्ध गोरखनाथ मन्दिर के महन्त एवं वर्तमान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने 19 मार्च 2017 को प्रदेश के विधान सभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की बड़ी जीत के बाद पहली बार यहाँ के 21वें मुख्यमन्त्री पद की शपथ ली। 2022 में एक बार फिर योगी आदित्यनाथ के हाथों प्रदेश की बागडोर सोंप दी गई। योगी आदित्यनाथ ने 1998 से 2017 तक भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और 2014 लोकसभा चुनाव में भी यहीं से सांसद चुने गए थे। आदित्यनाथ गोरखनाथ मन्दिर के पूर्व महन्त अवैद्यनाथ के उत्तराधिकारी हैं। योगी आदित्यनाथ ने हिन्दू युवाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी समूह हिन्दू युवा वाहिनी के संस्थापक भी हैं, तथा इनकी छवि एक प्रखर राष्ट्रवादी नेता की है। पिछले छह साल के अपने कार्यकाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्म, जाति और मजहब की राजनीति से अलग हटकर प्रदेश को आगे बढ़ाया। कभी बीमारू प्रदेश बना उत्तर प्रदेश आज केंद्र की 44 योजनाओ मे नंबर एक है। 6 वर्ष मे प्रदेश दंगामुक्त हुआ है इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हुआ है युवाओं के लिए सरकारी नौकरी मे पारदर्शिता लाई गयी है एक करोड़ लोगों को वृद्धवस्था पेंशन के रूप में 12 हजार रुपये सालाना मिल रहा है।बेटी विवाह योग्य होने पर चिंता होती थी आज मुख्यमंत्री विवाह योजना है।अब तक सवा दो लाख विवाह सम्पन्न हुए। स्मार्टफोन व टैबलेट से दो करोड़ युवा लाभान्वित हुए। महिला सशक्तिकरण व स्ववलंबन की ओर प्रदेश अग्रसर है। युवाओं के स्वावलंबन की ओर कार्य हो रहे हैं। एमएसएमई में उत्तर प्रदेश देश ही नहीं दुनिया मे धूम मचा रहा है। विश्वकर्मा श्रम योजना से कारीगरों को सम्मान मिल रहा है. स्मार्टफोन व टैबलेट से दो करोड़ युवा लाभान्वित हुए. हर जनपद के युवाओं को सरकारी नौकरी मे स्थान मिल रहा है। निवेश मे हर जनपद को स्थान मिला। 14 लाख से अधिक बेटियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभ मिला। यूपी में सवा 2 लाख बेटियों के विवाह के लिए लगातार कार्य हो रहा है।महिला सशक्तिकरण, स्वावलंबन और सम्मान के आदर्श के रूप में प्रदेश आगे बढ़ा। युवाओं को स्वावलंबन बनाने के लिए एमएसएमई सेक्टर को प्रमोट किया गया। यूपी की ओडीओपी योजना देश में ही नहीं दुनिया में धूम मचा रही है।

यह तो चीटिंग है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक व्यंग्यकार दूसरे व्यंग्यकार के खिलाफ थाने में एफ.आई.आर. लिखाने आया। इंस्पेक्टर के पूछने पर उसने बताया - साहब, यह बदमाश व्यंग्यकार नहीं उचक्का है, उचक्का। उसने मुझे कहीं का नहीं छोड़ा। हम दोनों में तय हुआ था कि दोनों बारी-बारी से एक-दूसरे को एक-एक घंटा सुनाएँगे। पहले कौन सुनाए इस पर हमने सिक्का उछाला। पर मेरा दुर्भाग्य कि पहला नंबर उसका आ गया। बदमाश ने एक घंटे में दो घंटे का मैटर सुनाकर फोन काट दिया। कहने लगा कि सिग्नल प्रोब्लम है। अब वह मेरी सुनने को तैयार ही नहीं है। उस दिन से मैं फोन लगा रहा हूँ। वह उठाने के बजाय मेरा कॉल काटता जा रहा है। गुस्सा तो मुझे बहुत आ रहा है। उसने व्यंग्य के नाम पर एक से एक घटिया रचनाएँ सुनाकर मेरे कान से खून निकाल दिया। वह तो मैं हूँ जो हर दिन पौष्टिक भोजन लेता हूँ। कोई और होता तो कलेजा निकल आता। मूर्छित हो जाता। अस्पताल ले जाते-ले जाते वह बंदा मर जाता। मैंने प्रण लिया है कि जब तक अपनी व्यंग्य रचनाएँ उसे सुना नहीं लेता तब तक मैं चैन की सांस नहीं लूँगा। लेकिन करूँ भी तो क्या करूँ, मैं तो लुट गया। मुझे बचाइए। बदमाश को कहीं से भी ढूँढ़कर लाइए। मैं अनशन पर हूँ। जब तक उसे अपने व्यंग्य सुना नहीं लेता तब तक अन्न-जल को हाथ नहीं लगाऊँगा। फोन की गैलरी में रचनाएँ भरकर घूम रहा हूँ। कसम से एक बार मिल जाए तो सारी की सारी रचनाएँ उस पर दाग दूँ। इंस्पेक्टर साहब मैं आपके हाथ जोड़ता हूँ। पैर पड़ता हूँ। कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हूँ। बस एक बार उसे पकड़कर ले आइए। कीमत का नाम सुनते ही इंस्पेक्टर का रिश्वती जमीर जाग गया। उसने कहा ₹उठो भैया! धैर्य से काम लो इस संकट की घड़ी में भगवान का नाम लो। नहीं तो मेरा नाम लो। अभी तो मैं ही तुम्हारा भगवान हूँ। मैं तुम्हारी पीड़ा समझ सकता हूँ। मित्र का छल-कपट अनुभव कर सकता हूँ। मैं उसे हरगिज नहीं छोड़ूँगा। बस हमारी 'कीमत' चुका दीजिए। कीमत का नाम सुनते ही व्यंग्यकार असमंजस में फंस गया। कहा – यदि मैं कीमत चुकाने की हैसियत रखता, तो व्यंग्यकार हरगिज नहीं बनता। इसलिए मेरी मजबूरी को समझिए।

आषाढ़ मास की चतुर्थी पर बुधवार का शुभ संयोग

कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 6 जून मंगलवार को देर रात 12:50 से शुरू हो चुकी है। जय मंगल तिथि अगले दिन 7 जून बुधवार को रात 9:50 मिनट पर खत्म हो जाएगी। भगवान गणेश को सभी देवी देवताओं में प्रथम पूजनीय माना जाता है, इसलिए 1 दिन गणेश पूजन से विशेष लाभ मिलेगा।

वर्ष 2023 में आषाढ़ मास की संकष्टी गणेश चतुर्थी 7 जून को मनाई जा रही है। यह चतुर्थी कृष्णपिङ्गल या कृष्णपिंगाक्ष के नाम से जानी जाती है। इस बार यह चतुर्थी बुधवार को पड़ रही है। चतुर्थी तिथि भगवान श्री गणेश की प्रिय होने के कारण इस दिन उनके खास मंत्रों का जाप किया जाता है। आषाढ़ चतुर्थी कथा के अनुसार द्वापर युग में महिष्मति नगरी का महीजित नामक राजा था। वह बड़ा ही पुण्यशील और प्रतापी राजा था। वह अपनी प्रजा का पालन पुत्रवत करता था। किन्तु संतानविहीन होने के कारण उसे राजमहल का वैभव अच्छा नहीं लगता था। वेदों में निसंतान का जीवन व्यर्थ माना गया हैं। यदि संतानविहीन व्यक्ति अपने पितरों को जल दान देता हैं तो उसके पितृगण उस जल को गरम जल के रूप में ग्रहण करते हैं। इसी उहापोह में राजा का बहुत समय व्यतीत हो गया। उन्होंने पुत्र प्राप्ति के लिए बहुत से दान, यज्ञ आदि कार्य किए। फिर भी राज को पुत्रोत्पत्ति न हुई। जवानी ढल गई और बुढ़ापा आ गया किंतु वंश वृद्धि न हुई। तदनंतर राजा ने विद्वान ब्राह्मणों और प्रजाजनों से इस संदर्भ में परामर्श किया। राजा ने कहा कि हे ब्राह्मणों तथा प्रजाजनों! हम तो संतानहीन हो गए, अब मेरी क्या गति होगी?

मैंने जीवन में तो किंचित भी पाप कर्म नहीं किया। मैंने कभी अत्याचार द्वारा धन संग्रह नहीं किया। मैंने तो सदैव प्रजा का पुत्रवत पालन किया तथा धर्माचरण द्वारा ही पृथ्वी शासन किया। मैंने चोर-डाकुओं को दंडित किया। इष्ट मित्रों के भोजन की व्यवस्था की, गौ, ब्राह्मणों का हित चिंतन करते हुए शिष्ट पुरुषों का आदर सत्कार किया। फिर भी मुझे अब तक पुत्र न होने का क्या कारण हैं?

विद्वान ब्राह्मणों ने कहा कि, हे महाराज! हम लोग वैसा ही प्रयत्न करेंगे जिससे आपके वंश कि वृद्धि हो। इस प्रकार कहकर सब लोग युक्ति सोचने लगे। सारी प्रजा राजा के मनोरथ की सिद्धि के लिए ब्राह्मणों के साथ वन में चली गई। वन में उन लोगों को एक श्रेष्ठ मुनि के दर्शन हुए।

वे मुनिराज निराहार रहकर तपस्या में लीन थे। ब्रह्माजी के सामान वे आत्मजित, क्रोधजित तथा सनातन पुरुष थे। संपूर्ण वेद-विशारद एवं अनेक ब्रह्म ज्ञान संपन्न वे महात्मा थे। उनका निर्मल नाम लोमश ऋषि था। प्रत्येक कल्पांत में उनके एक-एक रोम पतित होते थे। इसलिए उनका नाम लोमश ऋषि पड़ गया। ऐसे त्रिकालदर्शी महर्षि लोमेश के उन लोगों ने दर्शन किए। सब लोग उन तेजस्वी मुनि के पास गए। उचित अभ्यर्थना एवं प्रणामदि के अनंतर सभी लोग उनके समक्ष खड़े हो गए। मुनि के दर्शन से सभी लोग प्रसन्न होकर परस्पर कहने लगे कि हम लोगों को सौभाग्य से ही ऐसे मुनि के दर्शन हुए। इनके उपदेश से हम सभी का मंगल होगा, ऐसा निश्चय कर उन लोगों ने मुनिराज से कहा। हे ब्रह्मऋषि! हम लोगों के दुःख का कारण सुनिए। अपने संदेह के निवारण के लिए हम लोग आपके पास आए हैं। हे भगवन! आप कोई उपाय बतलाइए। महर्षि लोमेश ने पूछा-सज्जनों! आप लोग यहां किस अभिप्राय से आए हैं? मुझसे आपका क्या प्रयोजन हैं? स्पष्ट रूप से कहिए। मैं आपके सभी संदेहों का निवारण करूंगा। प्रजाजनों ने उत्तर दिया- हे मुनिवर! हम महिष्मति नगरी के निवासी हैं। हमारे राजा का नाम महीजित है। वह राजा ब्राह्मणों का रक्षक, धर्मात्मा, दानवीर, शूरवीर एवं मधुरभाषी है। उस राजा ने हम लोगों का पालन पोषण किया है, परंतु ऐसे राज को आज तक संतान की प्राप्ति नहीं हुई। हे भगवान्! माता-पिता तो केवल जन्मदाता ही होते हैं, किंतु राज ही वास्तव में पोषक एवं संवर्धक होता हैं। उसी राजा के निमित हम लोग ऐसे गहन वन में आए है।

हे महर्षि! आप कोई ऐसी युक्ति बताइए जिससे राजा को संतान की प्राप्ति हो, क्योंकि ऐसे गुणवान राजा को कोई पुत्र न हो, यह बड़े दुर्भाग्य की बात हैं। हम लोग परस्पर विचार-विमर्श करके इस गंभीर वन में आए हैं। उनके सौभाग्य से ही हम लोगों ने आपका दर्शन किया हैं। हे मुनिवर! किस व्रत, दान, पूजन आदि अनुष्ठान कराने से राजा को पुत्र होगा। आप कृपा करके हम सभी को बतलाएं।

प्रजा की बात सुनकर महर्षि लोमेश ने कहा- हे भक्तजनो! आप लोग ध्यानपूर्वक सुनो। मैं संकटनाशन व्रत को बता रहा हूं। यह व्रत निसंतान को संतान और निर्धनों को धन देता हैं। आषाढ़ कृष्ण चतुर्थी को 'एकदंत गजानन' नामक गणेश की पूजा करें। राजा व्रत करके श्रद्धायुक्त हो ब्राह्मण भोज करवाकर उन्हें वस्त्र दान करें। गणेश जी की कृपा से उन्हें अवश्य ही पुत्र की प्राप्ति होगी। महर्षि लोमश की यह बात सुनकर सभी लोग करबद्ध होकर उठ खड़े हुए। नतमस्तक होकर दंडवत प्रणाम करके सभी लोग नगर में लौट आए।

वन में घटित सभी घटनाओं को प्रजाजनों ने राजा से बताया। प्रजाजनों की बात सुनकर राज बहुत ही प्रसन्न हुए और उन्होंने श्रद्धापूर्वक विधिवत गणेश चतुर्थी का व्रत करके ब्राह्मणों को भोजन वस्त्रादि का दान दिया। रानी सुदक्षिणा को श्री गणेश जी कृपा से सुंदर और सुलक्षण पुत्र प्राप्त हुआ। यह व्रत श्रद्धापूर्वक करने वालों को सभी सुखों की प्राप्ति होती है।

श्री गणेश के 12 शुभ मंत्र :

1. बीज मंत्र- 'गं'
2. ॐ गं गणपतये नमः
3. 'ॐ गं नमः'
4. ॐ हस्ति पिशाचि लिखे स्वाहा
5. गं क्षिप्रप्रसादनाय नमः
6. ॐ वक्रतुंडा हुं
7. ॐ श्रीं गं सौभ्याय गणपतये वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा।
8. एकदंताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात
9. ॐ गं गौं गणपतये विघ्न विनाशिने स्वाहा
10. श्री गणेशाय नमः
11. ॐ नमो हेरम्ब मद मोहित मम्संकटान निवारय-निवारय स्वाहा
12. वक्रतुंड महाकाय, सूर्य कोटि समप्रभ निर्विघ्नम कुरू मे देव, सर्वकार्येषु सर्वदा।

घर की इस दिशा में लगाएं पितरों की फोटो

पितृ दोष से मिलेगी मुक्ति

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का बहुत महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि 15 दिन चलने वाले पितृपक्ष में पितरों का आगमन होता है। इसलिए इस दौरान पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध आदि करना बेहद जरूरी होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि घर की दिशाएं भी पितृों को समर्पित होती हैं। इसके लिए हमें कुछ चीजों का विशेष ध्यान रखना होता है। यदि इन बातों का ध्यान नहीं रखा गया तो घर में पितृ दोष हो सकता है।

इस दिशा में लगाएं पितरों की फोटो

घर में दिशाओं का विशेष महत्व होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, दक्षिण दिशा को बेहद शुभ माना जाता है। माना जाता है कि यह

दिशा यम की होती है। इसके चलते इस दिशा में पितरों की फोटो लगाना सही होता है। हालांकि, फोटो को लगाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि पितरों का मुंह दक्षिण दिशा में हो, जबकि फोटो उत्तर दिशा की दिवार पर लगी होनी चाहिए।

घर के बेडरूम या ड्राइंग रूम में पितरों की फोटो लगाना गलत माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इन जगहों पर फोटो लगाने से घर के सदस्यों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। इसके अलावा घर परिवार में तरह-तरह की बीमारियां होने का खतरा बढ़ता है।

घर में कितनी फोटो लगाना सही

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, घर में पितरों की फोटो लगाने से पहले कई सावधियां भी जरूरी होती हैं। बता दें कि, घर में पितरों की एक से अधिक फोटो लगाना लगत माना जाता है। क्योंकि एक से अधिक फोटो होने से घर में नकारात्मक शक्तियों के दाखिल होने का खतरा बढ़ता है। इसके चलते ऐसा करने की मनाही होती है।

पितरों का मिलता है आशीर्वाद

15 दिन चलने वाले पितृपक्ष का विशेष महत्व होता है। इसके अलावा समय-समय पर उनको याद करते रहना भी ठीक माना जाता है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, पितरों का श्राद्ध करने से वे खुश होते हैं। इसके चलते हमें उनका आशीर्वाद मिलता है। साथ ही जीवन भी सुखमय होता है।

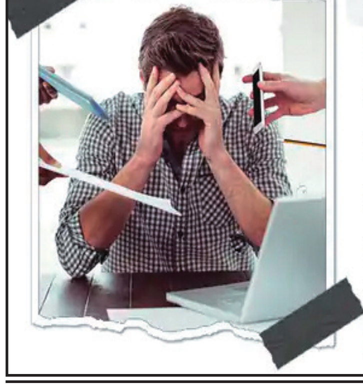

तनाव एक ऐसी बुराई है, जिसकी वजह से इंसान कमजोर बन जाता है। तनाव बढ़ाने वाली बातों से दूर ही रहना चाहिए।

बिहार का एक ऐसा अनोखा मंदिर, जहां 108 परिक्रमा करने से तय हो जाती है शादी

पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय से 6 किलोमीटर दूर छौड़ादानो-लखौरा रोड स्थित देवराहा बाबा मठ अपने अध्यात्मिक, धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध है। यहां दूर-दराज से बाबा के भक्त उनकी सूक्ष्म उपस्थिति का अनुभव करने आते हैं। इस मठ की स्थापना वर्ष 1979 में ओंकारनाथ जालान ने की थी। 1985 में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। आज यह इस क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है।

सूक्ष्म रूप से मूर्ति में देवराहा बाबा ने प्रवेश किया!

प्रत्यक्षदर्शी व वर्तमान में देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम सेवा परिषद के सहसचिव राम भजन ने बताया कि मंदिर निर्माण के बाद मंदिर में बाबा की मूर्ति स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा के लिए 1984 में कमेटी के लोग वृंदावन गए थे। वहां देवराहा बाबा ने मोतिहारी में मूर्ति स्थापित करने का आदेश दिया और कहा कि प्राण-प्रतिष्ठा के समय मैं सूक्ष्म रूप से सुबह 11 बजे मूर्ति में प्रवेश कर जाऊंगा। इसका सभी भक्त अनुभव कर लेंगे।

11 बजे आया तूफान और मूर्ति से निकली ज्योति

राम भजन कहते हैं कि उस समय के कमेटी ने जयपुर से देवराह बाबा की मूर्ति मंगवाई थी। 3 मार्च 1985 को यजमान रामशुक्ल बैठा ने अनुभव किया कि बाबा के मूर्ति के पेट से एक सुक्ष्म ज्योति निकल रही है। इतना ही नहीं सबने तूफान के हल्के झोंके को भी महसूस किया।

मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी मनोकामना लेकर मंदिर की 108 परिक्रमा करता है, उसकी शादी तय हो जाती है। साथ ही अन्य मनोकामना भी पूरी होती है। मंदिर में पिछले 25 वर्षों से प्रत्येक एकादशी को 24 घंटे का अष्टयाम और अगले दिन भंडारा कराया जाता है। प्रत्येक महीने के दूसरे शनिवार को हनुमान आराधना की जाती है। इसके अलावा प्रत्येक चैत्र नवरात्रि में राम कथा का आयोजन होता है।

भक्तों को बीमारी से बचाने खुद बीमार हो गए भगवान जगन्नाथ, 15 दिन नहीं होंगे दर्शन

दमोह के पुराना तालाब स्थित जगदीश स्वामी मंदिर में जगन्नाथ स्वामी के अस्वस्थ यानी बीमार होने के चलते प्रभु के भक्त पन्द्रह दिनों तक उनके दर्शन नही कर सकेंगे। परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ स्वामी बीमार होने के बाद 15 दिनों तक आराम करते हैं। आराम के लिए 15 दिन तक मंदिरों के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं और इस दौरान उनकी सेवा की जाती है। भक्तों को बीमारी से बचाने के लिए खुद बीमार पड़ते हैं भगवान जगन्नाथ भक्तों की रक्षा के लिए खुद बीमार पड़ते हैं।

जगदीश स्वामी मंदिर के महंत नर्मदा प्रसाद गर्ग महाराज ने बताया कि पुरी के जगन्नाथ स्वामी मंदिर के साथ देशभर के सभी जगन्नाथ स्वामी मंदिरों मे ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा से आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा तक भगवान जगन्नाथ स्वामी बीमार रहते है एवं आषाढ़ शुक्ल द्वितीया रथ दोज को भगवान अपने भाई बलभद्र बहिन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर भ्रमण के लिए निकलकर अपने भक्तो को दर्शन देते हैं इसके पीछे एक कथा है।

क्यों होते हैं भगवान बीमार

महंत नर्मदा प्रसाद बताते हैं कि भगवान जगन्नाथ का एक परम भक्त माधव गंभीर रूप से बीमार हो गया था। उस दौरान खुद भगवान जगन्नाथ उसकी सेवा करने पहुंचे थे।काफी कष्ट झेलने के बाद भक्त ने भगवान से कहा कि सेवा करने के स्थान पर आप मुझे वैसे ही ठीक कर सकते थे? तब भगवान बोले कि प्रारब्ध को तो झेलना ही पड़ता है। यदि अभी इसे कटवा लोगे तो भी अगले जन्म में तुम्हें यह भोगना ही पड़ेगा। अभी तुम्हारे कष्ट के 15 दिन और बचे हैं। यह बीमारी मुझे दे दो, मैं भोग लूंगा तो तुम्हारा प्रारब्ध कट जाएगा। और तभी से भगवान जगन्नाथ साल में एक बार 15 दिनों के लिए बीमार होते हैं।

ऐसे होताहै भगवान का इलाज

भगवान जगन्नाथ को आज भी साल में एक बार स्नान कराया जाता है, जिसे स्नान यात्रा कहते हैं। स्नानयात्रा के भगवान जगन्नाथ भगवानबीमार पड़ जाते हैं। इस दौरान जगन्नाथ मंदिर 15 दिन के लिए बंद कर दिया जाता है। पुरी में प्रभु की रसोई भी बंद कर दी जाती है जो कभी बंद नहीं होती। भगवान की इस अवस्था के दौरान उन्हें 56 भोग नहीं खिलाया जाता। इस समय उन्हें 15 दिनोंतक आयुर्वेदिक काढ़े का भोग लगाया जाता है। जगन्नाथ धाम मंदिर में तो भगवान की बीमारी की जांच करने के लिए हर दिन वैद्य भी आते हैं। काढ़े के अलावा प्रभु को फलों का रस भी दिया जाता है। उन्हें रोजाना शीतल लेप भी लगाया जाता है। बीमारी के दौरान उन्हें फलों का रस, छेना का भोग लगाया जाता है और रात में सोने से पहले मीठा दूध अर्पित किया जाता है।

धर्मराज ने भुगता था मांडव ऋषि को सूली पर चढ़ाने का खामियाजा

बुलंदशहर के विकास खंड ऊंचागांव क्षेत्र के गांव थाना गजरौला स्थित गंगा किनारे मांडव ऋषि का आश्रम आज भी द्वापर युग की यादें ताजा कर रहा है। द्वापर युग में मांडव ऋषि ने अपने शरीर को पत्थर का बना लिया था।आश्रम में लगी मांडव ऋषि की मूर्ति लोगों के आस्था का केंद्र बनी हुई है।

बुजुर्ग ग्रामीण जगत सिंह ने बताया कि मांडव ऋषि द्वापर युग में गंगा किनारे अपनी कुटिया में तपस्या कर रहे थे। तभी कुछ चोर कुंदनपुर कालांतर में आहार के महल से चोरी कर भाग गए और सैनिक उन चोरों का पीछा कर रहे थे। चोरों ने चोरी के सामान को कुटिया के पीछे रख दिया और सैनिकों की नजर उस सामान पर पड़ गई। मांडव ऋषि अपनी तपस्या में लीन थे। सैनिक उन्हें ढोंगी समझकर अपने साथ ले गए।

राजा ने सूली पर चढ़ाने का फरमान सुना दिया

सैनिकों ने राजा को एक ढोंगी संत के द्वारा चोरी करने की बात बताई। जिस पर राजा ने उनको सूली पर चढ़ाने का फरमान सुना दिया। उनको सूली पर तीन बार लटकाया गया, लेकिन सूली मुड़ गई। इससे सैनिक भौचक्के रह गए और राजा को वाक्या बताया। राजा वहां दौड़े चले आए और उनसे भूल में ऐसा हो जाने की बात कहते हुए क्षमा मांगी। इस पर मांडवा ऋषि ने कहा कि राजन दोष आपका नहीं है यह दोष धर्मराज का है। उनसे ही इस सवाल का जवाब पुछूंगा और वहां से चलकर धर्मराज के पास जा पहुंचे।

इसका उल्लेख शिव महापुराण में भी

उन्होंने धर्मराज से अपना दोष पूछा तो उन्होंने बताया कि आपने 5 वर्ष की अवस्था में एक कीड़े को तिनके से मार दिया था। इसलिए ही ऐसा हुआ। इस पर मांडवा ऋषि ने कहा कि 5 वर्ष का बच्चा अबोध होता है, इसलिए पाप का कोई प्रश्न ही नहीं उठता और उनको श्राप दिया कि आप पृथ्वी लोक पर जन्म लेंगे और सारे जीवन दासी पुत्र कहलवाकर हर पल तिरस्क्रत होते रहेंगे। बुजुर्गों ने बताया कि इसका उल्लेख शिव महापुराण में भी है।

जो लोग मुश्किलों से लड़ने का साहस रखते हैं, वे किसी भी स्थिति में अशांत नहीं होते हैं। शांत व्यक्ति तनाव से बचा रहता है।

लक्ष्य बड़ा हो तो सफलता आसानी से नहीं मिल पाती है। व्यक्ति कभी-कभी असफल भी हो जाता है। असफलता से निराश होने वाले लोगों पर तनाव बहुत जल्दी हावी हो जाता है। इसलिए असफल होने के बाद भी निराश नहीं होना चाहिए।

'पुष्पा' एक्ट्रेस रश्मिका का जब टूटा दिल

रक्षित शेट्टी से हुईं दूर, तो रश्मिका की मां ने कहा था 'हम बहुत परेशान...'

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पाः दि रूल' 2 की रिलीज का सभी इंतजार कर रहे हैं. फिल्म के पहले पार्ट में अल्लू के साथ ही 'श्रीवल्ली' यानी रश्मिका मंदाना ने भी सभी को इम्प्रेस किया था. रश्मिका का डिफरेंट स्टाइल सभी को पसंद आया था. रश्मिका दर्शकों के बीच खासी लोकप्रिय हैं और उनकी काफी फैन फॉलोइंग भी है. हमेशा अपनी हंसी से सभी का दिल जीतने वाली रश्मिका के लिए एक वक्त ऐसा भी था, जब वे बुरी तरह टूट चुकी थीं और काफी परेशान रहा करती थीं. दरअसल, साल 2018 में उनकी रक्षित शेट्टी से सगाई टूट गई थी और इसे लेकर दोनों ही काफी परेशान रहा करते थे. 'कांतारा' फेम ऋषभ शेट्टी के भाई रक्षित शेट्टी आज अपना 39वां बर्थडे मना रहे हैं. 6 जून 1983 जन्में रक्षित कन्नड़ सिनेमा का जाना पहचाना नाम हैं. एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर रक्षित ने साल 2010 में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था. भाई ऋषभ की फिल्म 'क्रिक पार्टी' के दौरान रक्षित की मुलाकात रश्मिका से हुई थी. दोनों जल्द ही अच्छे दोस्त बने और फिर प्यार हो गया. इसके बाद 3 जुलाई 2017 को दोनों ने एक प्राइवेट सेरेमनी में सगाई कर ली थी.

परेशान हो गए थे रक्षित और रश्मिका

रश्मिका और रक्षित के बीच कुछ समय तक सब सही चल रहा था लेकिन धीरे धीरे इनके बीच दिक्कतें आना शुरू हो गईं. सितम्बर 2018 में दोनों ने आपसी सहमति से अपनी सगाई तोड़ दी लेकिन दोनों के लिए यह समय बहुत मुश्किल रहा. रश्मिका और रक्षित के कॅरियर का यह पीक समय था और उस समय दोनों निजी जिंदगी की परेशानियों से गुजर रहे थे. सगाई टूटने के बाद रश्मिका की मां सुमन ने कहा था, 'हम सब बहुत परेशान हो गए हैं और इस मुश्किल समय से निकलने की कोशिश कर रहे हैं. सभी के लिए उनकी जिंदगी पहले आती है. कोई किसी का दिल नहीं दुखाना चाहता है और हम चाहते हैं कि सब खुश रहें.' बताया गया था कि रश्मिका ने सगाई तोड़ने का निर्णय अपने परिवार और दोस्तों से डिस्कस करके लिया था. रश्मिका और रक्षित साथ में अपना फ्यूचर नहीं देख पा रहे थे. वहीं, बाद में रश्मिका का नाम विजय देवरकोंडा से जुड़ा था.

मीरा राजपूत की इस बुरी आदत से परेशान हो गए हैं शाहिद, 8 साल बाद किया खुलासा

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत आए दिन किसी ना किसी वजह से चर्चा में बने रहती हैं और दोनों बॉलीवुड के पावर कपल के तौर पर जानें जाते हैं. शाहिद और मीरा ने साल 2015 में शादी के बंधन में बंधी थी और फिलहाल दोनों साथ में 8 साल से अधिक का समय बिता चुके हैं. शाहिद और मीरा की उम्र में भले ही लंबा फासला हो लेकिन दोनों एक दूसरे के अच्छे से समझते हैं और 'मेड फॉर इच अदर' हैं. ऐसे में हाल ही में शाहिद ने एक इंटरव्यू में अपनी पत्नी मीरा के नेचर पर खुलकर बातें की हैं. दरअसल शाहिद ने अपनी वाइफ की बुरी आदतों के बारे में बड़ा खुलासा किया है.

मीरा को सुबह उठाना बेहद मुश्किल

हाल ही में शाहिद ने एक मीडिया संस्थान को इंटरव्यू को दिया है जिसमें एक्टर शाहिद ने अपनी पत्नी मीरा के बारे में खुलकर बातें की हैं और साथ ही इस बार उन्होंने बुरी आदत पर जो कुछ कहा है वो हैरान करने वाला है. दरअसल ई-टाइम्स की खबर के अनुसार शाहिद कपूर ने पत्नी मीरा राजपूत की बुरी आदत का खुलासा करते हुए बताया कि मीरा कभी सुबह नहीं उठतीं. बल्कि जब सुबह 9 बजे वो उन्हें उठाने जाते हैं तो वो गुस्सा होने लगती हैं. शाहिद कई सालों से मीरा की इस बुरी आदत को झेल रहे हैं.

'मीरा हैं अच्छी और सच्ची इंसान'

शाहिद ने इसपर बात करते हुए आगे कहा वह इस बात से नफरत करते हैं कि मीरा उन्हें कोई क्रेडिट नहीं देती. शाहिद ने कहा 'यह उसकी ना मेरे से कुछ वो है कि मैं तेरे को सीधा करके ही रहूंगी'. इसके बाद शाहिद कपूर अपनी बीवी मीरा की तारीफ करने लगे और उनके बारे में बहुत सारी अच्छी बातें भी बताईं. शाहिद ने कहा कि मीरा जिस तरह की इंसान हैं, उससे उन्हें प्यार है. वो वास्तव में बहुत सॉलिड, ईमानदार, बहुत स्पष्ट और रियल पर्सन हैं.शाहिद ने ये भी कहा कि इन दिनों ये चीजें बहुत ही कम देखने को मिलती हैं.

'ब्लडी डैडी' में आएंगे नजर

वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहिद इन दिनों उनकी अपकमिंग फिल्म 'ब्लडी डैडी' के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं, उनकी यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी. अली अब्बास जफर के डायरेक्शन में बने इस शो को आप जियो सिनेमा पर देख सकेंगे. इसके पहले ओटीटी सीरीज 'फर्जी' रिलीज हुई थी, उनकी यह फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आई थी.

ऐश्वर्या राय के सामने कुछ भी नहीं हैं अभिषेक बच्चन, आलीशान घर से कार कलेक्शन तक, नेट वर्थ सुन उड़ जाएंगे होश

ऐश्वर्या राय बच्चन की एक्टिंग ही नहीं, उनकी खूबसूरती के भी लोग दीवाने हैं. उन्होंने साल 1997 में फिल्म इरुवर से अपने करियर की शुरुआत की थी.

इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा. ऐश्वर्या राय एक से एक सुपरहिट फिल्में दे चुकी हैं. इतने सालों के करियर में ऐश्वर्या राय ने अपनी तगड़ी नेटवर्थ बना ली है. आपको जानकर हैरानी होगी कि ऐश्वर्या की संपत्ति पति अभिषेक बच्चन से भी ज्यादा है.

अभिषेक से कई गुना ज्यादा है ऐश्वर्या की नेट वर्थ

एक रिपोर्ट के अनुसार में ऐश्वर्य राय की नेट वर्थ 100 मिलियन डॉलर है. इंडियन करेंसी के मुताबिक उनके पास 826 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी है. वहीं, अभिषेक बच्चन की नेट वर्थ 203 करोड़ रुपये बताई जाती है. ऐश्वर्या ना सिर्फ फिल्मों से बल्कि ब्रैंड एंडोर्समेंट से भी मोटी कमाई करती हैं.

ब्रैंड एंडोर्समेंट से 90 करोड़ होती है सलाना कमाई

ऐश्वर्या राय एक फिल्म के लिए 10 से 12 करोड़ रुपये फीस लेती हैं. उन्हें सिर्फ ब्रैंड एंडोर्समेंट से सालभर में 80 से 90 करोड़ रुपये की कमाई हो जाती है. ऐश्वर्या राय बच्चन किसी भी ब्रैंड के एंडोर्समेंट के शूट के लिए एक दिन का 6 से 7 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं. वह कई इंटरनेशनल ब्रैंड का चेहरा हैं.

करोड़ों रुपये के मुंबई में घर और दुबई में विला

ऐश्वर्या राय बच्चन का बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में 5 बीएचके अपार्टमेंट है. इसे उन्होंने साल 2015 में खरीदा था, जिसकी कीमत 21 करोड़ रुपये बताई जाती है. मुबई के वर्ली में भी ऐश्वर्या राय का एक लग्जरी अपार्टमेंट है. इसकी कीमत लगभग 41 करोड़ रुपये है. इसके अलावा दुबई के सेंचुरी में एक्ट्रेस का एक विला है, जो 15.6 करोड़ रुपये का है.

कलेक्शन में ये कारें हैं शामिल

एक्ट्रेस लग्जरी कारों की शौकीन हैं. उनके पास 7.95 करोड़ की रोल्स रोयसी गोस्ट है, जिसे उन्होंने कुछ सालों पहले खरीदा था. इसके अलावा ऐश्वर्या राय के कार कलेक्शन में 2.33 करोड़ की लेक्सस LX 570 और आडी A8 L भी है, जो 1.56 करोड़ रुपये की है।

प्री-रिलीज इवेंट से पहले तिरुपति बालाजी पहुंचे प्रभास व मंदिर में की पूजा-अर्चना

एक्टर प्रभास, कृति सेनन और सनी सिंह स्टारर आदि पुरुष जल्द रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच मंगलवार को फिल्म का प्री-रिलीज इवेंट से पहले, प्रभास तिरुपति में तिरुपति बालाजी मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने भगवान के दर्शन किए और वहां पूजा अर्चना की। सोशल मीडिया पर प्रभास का यह वीडियो बेहद सुर्खियों में है। दरअसल, मंगलवार को तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी स्टेडियम में ग्रैंड इवेंट में फिल्म का दूसरा ट्रेलर रिलीज किया जाएगा।

प्रभास और उनकी टीम ने तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर के दर्शन किए और वहां की सुप्रभा सेवा में भाग लिया।सोशल मीडिया पर प्रभास की कई फोटोज और वीडियोज सामने आ रही हैं, जिसमें वो सफेद कुर्ता-पायजामा और रेशमी शॉल पहने मंदिर के अंदर इंट्री करते नजर आ रहे हैं। इस बीच उनके आसपास टाइट सिक्योरिटी भी दिख रही है।

फैंस ने बीच आदिपुरुष का क्रेज, बस बुक कर इवेंट में पहुंचे

फैन्स को प्रभास के आने का पता चला और उनकी एक झलक पाने के लिए मंदिर में भीड़ उमड़ पड़ी। सोशल मीडिया पर तिरुपति मंदिर से जुड़े कई वीडियो सामने आए हैं। इसमें फैन्स को मंदिर में प्रभास का नाम चिल्लाते हुए और उनके लिए चीयर करते हुए सुना जा सकता है। इतना नहीं इस ग्रैंड इवेंट में शामिल होने के लिए प्रभास के फैंस ट्रैवल करके बस पहुंच रहे हैं। एक फैन पेज ने वीडियो शेयर किया है, जिसमें फैंस बस में बैठे नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर प्रभास के फैंस जमकर उनके वीडियोज शेयर कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा- 'प्रभास की मुस्कान वाकई बहुत प्यारी है। वो वाकई गोल्डन हार्ट वाले इंसान हैं।' दूसरे फैन ने लिखा- 'सिंपलीसिटी, कोई दिखावा नहीं, कोई पोज नहीं।' तीसरे फैन ने लिखा- भगवान प्लीज आप इनकी सारी विश पूरी करना।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो रहा आदिपुरुष

प्रभास के फैंस उनकी इस फिल्म को देखने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। करीब 24 घंटे से सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। बता दें कि आदिपुरुष के इस प्री-रिलीज इवेंट में आध्यात्मिक गुरु चिन्ना जीयर स्वामी बतौर चीफ गेस्ट पहुंचे गें।। चिन्ना स्वामी को भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। मेकर्स ने बीते दिनों अपने सोशल मीडिया पर प्री-रिलीज इवेंट का पोस्ट शेयर किए हैं, जिसके जरिए उन्होंने फैंस से इवेंट को लाइव देखने की रिक्वेस्ट की है। पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- आध्यात्मिकता का माहौल चरम पर महसूस कर सकते हैं। आदिपुरुष प्री रिलीज से पहले चिन्नास्वामी मुख्य अतिथि होंगे। अभी भी शाम 5 बजे इस इवेंट का हिस्सा बनें।

बुरी तरह ट्रोलिंग का शिकार हुई थी आदिपुरुष, बैन करने की उठी थी मांग

पिछले साल मेकर्स ने दशहरा के मौके पर अयोध्या में आदिपुरुष का भव्य टीजर लॉन्च किया था, जिसे ऑडियंस से बहुत खराब रिस्पॉन्स मिला था। इतना नहीं किरदारों के खराब लुक और VFX के चलते फिल्म मजाक का पात्र बनी थी। साथ ही फिल्म पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप लगे थे और इसे बैन करने की मांग की गई थी। हालांकि, इस ट्रेलर में मेकर्स से उन सभी विवादित सीन्स हटा लिए है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के माहौल के कारण डिप्रेशन में थीं बावरी

बोलीं- आत्महत्या करना चाहती थी, मुझे बहुत टॉर्चर किया गया

तारक मेहता का उल्टा चश्मा इन दिनों बेहद सुर्खियों में है। शो के कई एक्टर्स ने प्रोड्यूसर असित मोदी पर कई गंभीर आरोप लगाए। जेनिफर मिस्त्री, प्रिया आहूजा और मोनिका भदौरिया समेत कई एक्टर्स ने दावा किया है कि सेट का माहौल बहुत खराब है और कलाकारों को टॉर्चर किया जाता है। इस बीच एक बार फिर बावरी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस मोनिका भदौरिया ने प्रोड्यूसर असित मोदी और शो के मेकर्स पर निशाना साधा है। उन्होंने हाल ही में बताया कि शो के दौरान उन्हें इतना टॉर्चर कर दिया गया था कि उनके मन में आत्महत्या करने के ख्याल आया करते थे। वहीं एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें शो के सेट पर पुरुष रूढ़िवादी सोच का माहौल महसूस होता था।

मुझे लगा कि आत्महत्या कर लेनी चाहिए

पिंकविला से बातचीत के दौरान मोनिका ने कहा- 'मैं बहुत सारी फैमिली ट्रेजेडी से गुजरी। मैंने बहुत ही कम समय में अपनी मां और दादी दोनों को खो दिया। वो दोनों मेरी लाइफ में बेहद अहम थे। मैं उनके जाने के सदमे से जूझ रही थी। मुझे लगा कि मेरी जिंदगी खत्म हो गई। इस दौरान मैं तारक मेहता का उल्टा चश्मा के लिए काम कर रही थी, जो काफी टॉर्चर करने वाला था। उस दौरान मुझे इतना परेशान किया गया कि मुझे लगने लगा कि मुझे आत्महत्या कर लेनी चाहिए। वो कहते थे- उसके पिता की मृत्यु हो गई है, हमने पैसे दे दिए। हमने उसकी बीमार मां का इलाज के लिए पैसे दे दिए। हमने उसकी बीमार मां के इलाज के लिए पैसे दिए। इस तरह की बातों ने मुझे आहत किया था।

माहौल के चलते माता-पिता को सेट पर नहीं ला पाई

मोनिका ने बताया कि किस तरह सेट पर बुरे बर्ताव के बाद उन्होंने शो छोड़ने का फैसला लिया। उन्होंने कहा- 'मेरा सपना था कि मैं अपने माता-पिता को अपने शो के सेट पर लाऊं, लेकिन सेट पर माहौल देखने के बाद मैंने फैसला किया कि मैं अपने माता-पिता को कभी भी सेट पर आने के लिए नहीं कहूंगी। जब मेरी मां बीमार थीं और अपने आखिरी दिनों में थीं, तो मैंने सोचा कि मुझे उन्हें सेट पर लाना चाहिए और उन्हें दिखाना चाहिए कि मैं कहां काम करती हूं, लेकिन यह कभी नहीं हो पाया।'

पैसा जरूरी है, लेकिन स्वाभिमान से ज्यादा नहीं

मोनिका ने बताया कि तारक मेहता का उल्टा चश्मा के माहौल ने उन्हें शो छोड़ने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शो के बाकी लोग केवल पैसों के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा- 'पैसा जरूरी है, लेकिन स्वाभिमान से ज्यादा नहीं।' इसके अलावा मोनिका ने शो के मेकर्स पर पैसे के लिए एक्टर्स को धोखा देने और उनके कॉन्ट्रैक्ट के जरिए उन्हें फंसाने का आरोप लगाया।

सेट पर पुरुषवादी माहौल था- मोनिका

सेट के माहौल के बारे में बात करते हुए मोनिका ने कहा- हां तारक मेहता के सेट पर पुरुषवादी माहौल रहा है। अगर मैं इसके बारे में बात करूं, तो तारक मेहता के बहुत सारे लोग मुझे कॉल करेंगे और बताएंगे कि मैंने इस बारे में क्यों बात की। लेकिन वहां के लोग खुद इस पुरुषवादी सोच का समर्थन करते हैं।

महिला कलाकारों को पुरुषों की अपेक्षा कम वेतन मिलता है

उन्होंने आगे कहा- यह केवल तारक मेहता का उल्टा चश्मा के सेट पर ही नहीं बल्कि मैंने इसे कई जगहों पर देखा है और इंडस्ट्री में ऐसा होता है कि महिला कलाकारों को उनके को-एक्टर्स की तुलना में कम फीस मिलती है। कभी-कभी महिला कलाकारों को सेट पर पहले और पुरुष कलाकारों को समय पर बुला लिया जाता है।

दूसरी शादी के 3 महीने बाद अस्पताल पहुंची दलजीत कौर करवाया ट्रीटमेंट, लोगों से कर दी पति की शिकायत

टीवी एक्ट्रेस दलजीत कौर ने शालीन भनोट से तलाक लेने के सालों बाद बिजनेसमैन निखिल पटेल संग दूसरी शादी की. शादी के बाद वह पति संग केन्या शिफ्ट हो गईं. दलजीत इसे अपनी दूसरी जिंदगी बताती हैं. वह अपने बेटे, पति और उनकी दो बेटियों संग खुशी-खुशी जीवन बिता रही हैं.

दलजीत कौर की शादीशुदा जिंदगी खुशहाली में बीत रही थी, तभी उनके साथ कुछ ऐसा हुआ कि उन्हें अस्पताल में जाना पड़ा. दलजीत ने अस्पताल से वीडियो शेयर कर अपना हाल भी बताया. दलजीत कौर ने बताया कि उनके पैर के अंगूठे में इन्फेक्शन हो गया है. इन्फेक्शन की वजह से दलजीत का अंगूठा पीला पड़ गया है. दलजीत ने अपने अंगूठे की झलक भी दिखाई. दलजीत कौर के पैर के अंगूठे का नाखून भी लूज दिख रहा है. दलजीत का कहना है कि उन्हें बहुत दर्द हो रहा है. उन्होंने अपने फैंस और फॉलोवर्स से भी इस इन्फेक्शन को ठीक करने की सलाह मांगी है. दलजीत कौर ने फैंस से पूछा कि अगर किसी को इसके बारे में कुछ पता है या वह इस ठीक करने में मदद कर सकता है, तो जरूर बताएं. दलजीत ने एक और वीडियो शेयर किया. वीडियो में दलजीत कौर पति की एक हरकत का खुलासा किया है. उन्होंने फैंस से मजाकिया अंदाज में निखिल पटेल की शिकायत की है. दलजीत कौर ने कहा कि निखिल अस्पताल में उनकी सेहत से ज्यादा अपने लुक और हेयर स्टाइल को लेकर परेशान हो रहे थे. दलजीत कौर का वीडियो देखने के बाद फैंस परेशान हो गए हैं. हालांकि अंगूठे के इन्फेक्शन को लेकर इतना परेशान होने वाली बात नहीं है. दलजीत अपने पति संग चिल कर रही हैं. दलजीत कौर ने अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है. इसमें वह निखिल संग पोज दे रही हैं. और इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, पल दो पल की जिंदगी... आओ जी ले जरा...

छह महीने के बाद कुछ ऐसी हो बच्चे की डाइट ये चीजें रखेंगी उन्हें एकदम हेल्दी

बच्चे का जैसे ही जन्म होता है तो उसे सबसे पहले मां का दूध ही पिलाया जाता है। मां का दूध बच्चे के अच्छे विकास और उसके शरीर के पोषण देने के लिए बेहत लाभकारी माना जाता है। खुद एक्सपर्ट्स भी 5-6 महीने तक बच्चे को मां का दूध ही देने की सलाह देते हैं लेकिन 5-6 महीने बाद बच्चे को ऐसे कौन से चीज दें जिसे वह आसानी से खा सके। शुरुआत में आप बच्चे को ऐसी चीजें ही दें जिसे वह आसानी से पचा पाएं। साथ में उन्हें

विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर आहारों का सेवन करवाएं ताकि वह हमेशा हैल्दी रह सकें। खासकर अगर आप पहली बार मां बनी हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि बच्चे को कैसे फूड खिलाएं तो आज आपको 5 ऐसे सॉलिड फूड्स बताते हैं जिन्हें खाने से बच्चे एकदम हैल्दी रहेंगे।

सेब की प्यूरी

आप 6 महीने के बच्चे को सेब की प्यूरी खिला सकते हैं। सेब की प्यूरी पोषक तत्वों से युक्त होती है। इसमें कई सारे मिनरल्स और पोषक तत्व पाए जाते हैं। रोजाना आप बच्चे को इसका सेवन करवा सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक सेब लें। इसके बाद सेब को छील लें। सेब के बीजों को स्टीम करें। इसके बाद उसे ब्लेंड करके बच्चों को खिला दें। यह उनकी सेहत के लिए फायदेमंद रहेगा।

ब्रोकली की प्यूरी

ब्रोकली कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स होते हैं। छोटे बच्चों को आप ब्रोकली की प्यूरी खिला सकते हैं। यदि आप उन्हें इसकी प्यूरी बनाकर खिलाएंगे तो वह हमेशा हैल्दी रहेंगे। ब्रोकली को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इसे तोड़कर पका लें। पकाने के बाद इन्हें ब्लैंड करें। ब्लैंड की हुई ब्रोकली आप बच्चे की डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो उन्हें किसी और सब्जी की प्यूरी बनाकर भी खिला सकते हैं।

मूंग दाल की खिचड़ी

यदि आपका बच्चा 6 महीने का हो चुका है तो आप उसे मूंग की दाल से बनी हुई खिचड़ी खिला सकते हैं। मूंग दाल और चावल को उबाल लें फिर इसे पीसकर ग्राइंड करें और इसमें थोड़ा-थोड़ा देसी घी मिलाएं। इस टेस्टी खिचड़ी को स्वाद से खा लेंगे और उनके शरीर को पर्याप्त पोषण भी मिलेगा और उनके शरीर का विकास भी अच्छे से होगा।

दाल का पानी

दाल में कई सारे जरुरी विटामिन्स, मिनरल्स मौजूद होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। ऐसे में आप बच्चों को इसका सेवन करवा सकते हैं। 6 महीने के बाद बच्चे को सेहतमंद रखने के लिए दाल का पानी जरुर पिलाएं। मूंग दाल या फिर किसी और दाल का सेवन आप बच्चों को करवा सकते हैं। जब दाल पानी में अच्छे से घुल जाए तो आप बच्चे को चम्मच से इसका पानी पिला सकते हैं।

दलिया की प्यूरी

छोटे बच्चों के लिए दलिया की प्यूरी फायदेमंद रहेगी। दलिया को अच्छे से पकाएं इसके बाद इसे ग्राइंड करके दूध के साथ पका लें। आप चाहें तो स्वाद के लिए इसमें केला या फिर कोई अन्य फल मिला सकते हैं। रोजाना दलिया की प्यूरी खिलाने से उनके शरीर का विकास होगा और बच्चे का पाचन भी सही रहेगा।

मार-पिटाई से नहीं बल्कि इन 3 तरीकों से छुड़ाएं बच्चों के हाथ उठाने की आदत

अक्सर छोटे बच्चों में एक गलत और गंदी आदत देखी जाती है कि वो अपने पैरेंट्स या भाई-बहन में हाथ उठाते हैं और फिर हंसते हैं। शुरूआत में तो बच्चों की ये आदत बहुत क्यूट लगती है और कई बार लोग खुद ही बच्चों को मारने के लिए उकसाते हैं। मगर क्या आपको पता है कि बच्चे पहले तो ये काम मजे-मजे में करते हैं, लेकिन आगे चलकर ये उनके लिए घातक साबित हो सकता है, इससे उनका स्वभाव हिंसक हो सकता है।

क्यों मारते हैं बच्चे

आपको बता दें कि बच्चे इसलिए

नहीं मारते क्योंकि वो आपको चोट पहुंचाना चाहते हैं बल्कि वो इसलिए ऐसा करते हैं क्योंकि उस वक्त उनमें इतने ज्यादा स्ट्रांग emotions होते हैं, जितना उनका impulse कंट्रोल नहीं कर सकता। आमतौर पर छोटे बच्चे खासकर 1.5 से 2 साल की उम्र में बच्चों में इस तरह की आदतें आना शुरू हो जाती हैं। इसका कारण यह है कि इस उम्र तक बच्चों में पसंद-नापसंद की समझा आ जाती है। ऐसे में कई बार अपने पसंद की चीज न मिलने या अपने पसंद की बात न होने पर बच्चों हाथ उठाते हैं और मारने लगते हैं।

बच्चे को समझाएं

बच्चे अपने आस-पास देखकर ही आदतें सीखते हैं। ऐसे में सबसे पहले जरूरी है कि घर के सदस्यों को बच्चों के सामने सही से पेश आना चाहिए। दूसरी जरूरी बात ये है कि जब भी आपका बच्चा आप पर हाथ उठाता है, आपको उसे उसी समय सामने बिठाकर या खड़ा करके कुछ बातें समझानी चाहिए। उन्हें प्यार से पूछें की, 'तुम ने मुझे मारा और मैं देख रहा हूं की तुम हंस रहे हो'।,'क्या तुम मुझसे कुछ कहना चाहते हो'? उनसे पूछे की, 'क्या तुम्हें मुझे मारकर Uncomfort-able फील हो रहा है'? ये सारे सवाल सुनकर उन्हें महसूस होगा की उसकी इस हरकत से आपको ठेस पहुंची है और वो आगे से हाथ उठाने से पहले सोचेगा।

बच्चे पर गुस्सा न करें

अगर आपका बच्चा आपको मारता है, तो उस पर तुरंत गुस्सा न करें, बल्कि उसे प्यार से समझाएं । आप उसे अगर प्यार से समझाएंगे तो वो आसानी से समझ जाएगा कि मारना या हाथ उठाना अच्छी आदत नहीं है। बच्चे को बताएं की ये आदत गलत है और उन्हें ये हरकत किसी के साथ नहीं करना चाहिए।

बच्चे को बताएं कि हाथ उठाने की जगह वो क्या कर सकता है?

ये जानना भी बहुत जरूरी है कि आखिरकार उन्हें हाथ क्यों उठाया। इसका जो भी जवाब बच्चा आपको देता है, तो उसी समय बच्चे को बताएं कि वो हाथ उठाने या मारने की जगह किन तरीकों का इस्तेमाल उसी एक्सप्रेशन को सभ्य तरीके से जाहिर करने के लिए कर सकता है। जैसे अगर बच्चे को कोई बात बुरी लगी है, तो वो इसे बोलकर या इशारा करके बता सकता है। अगर बच्चा अटेंशन पाना चाहता है, तो वो कोई खास शब्द बोलकर या छूकर बता सकता है। बच्चे को सिखाएं कि वो अपनी गुस्से/नापसंदगी/परेशानी की भावनाओं को कैसे प्रदर्शित कर सकते हैं।

गर्मियों में नींबू पानी की जगह ट्राई करें रिफ्रेशिंग कुकुम्बर लैमनेड!

गर्मियों ने दस्तक दे दी है और ऐसे में कुछ ठंडा पीने की तलब हर वक्त रहती है। खीरा और नींबू में पानी की प्रचूर मात्रा होती है जो शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन दिनों चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने से शरीर के सारे टॉक्सिंस बाहर निकालने में मदद मिलता है, तो चलिए फिर देर किस बात की।

सामग्री

2 खीरा (टुकड़ों में कटी हुई)
20-25 पुदीने की पत्ती
1/2 टीस्पून लेमन जेस्ट
1/2 कप नींबू का रस
4 टेबलस्पन शक्कर
5 कप पानी
गार्निशिंग के लिए:
4-5 पुदीने के पत्ते
आइस क्यूब्स

विधि

1. सबसे पहले खीरे को पानी से धोकर टुकड़ों में काट लें।
2.अब मिक्सर में खीरा और पुदीने की पत्ती डालकर अच्छ से पीस लें।
3. फिर इसमें नींबू का रस, लेमन जेस्ट और शक्कर डालकर दोबारा मिक्सी में चला लें।
4- तैयार है कुकुम्बर लैमनेड।
5. इसे गिलास में निकालकर पुदीने के पत्तों से गार्निश करें, आइस क्यूब्स डालकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

मलाई कोफ्ता बनाने के लिए अपनाएं ये सिम्पल टिप्स

मलाई कोफ्ता खाने में बहुत ही स्वादिष्ट होता है। हम सब भी घर में होटल जैसा मलाई कोफ्ता बनाना चाहते हैं लेकिन सब्जी में डाले गए कोफ्ते मलाई जैसे सॉफ्ट नहीं बन पाते हैं। ऐसे में आज हम आपको टिप्स बताने जा रहे है। जिसके चलते घर पर ही होटल जैसा मलाई कोफ्ता बना सकती है। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

सामग्री

आलू - 4(उबले हुए)
पनीर-250 ग्राम
मैदा-50 ग्राम
हरा धनिया- 1 चम्मच
प्याज- 3 (टुकड़ों में कटा हुआ)
अदरक का पेस्ट- 1 एक चम्मच
लहसुन का पेस्ट- 1 एक चम्मच
टमाटर -2
मलाई या क्रीम- 200 ग्राम
किशमिश- 2 चम्मच
काजू- 2 चम्मच
काजू का पेस्ट- 50 ग्राम
हल्दी -आधा चम्चम
किंग मसाला -आधा चम्मच
कसूरी मेथी -1 चम्मच
चीनी -1 चम्मच

बनाने का तरीका

1 सबसे पहले उबले हुए आलू को कम से कम 5 घंटे के लिए फ्रिज रखकर छोड़ दें।

2 मलाई कोफ्ता बनाने के पनीर और आलू को अच्छी तरह मैश करें।

3 अब किशमिश और काजू को छोटे-छोटे पीस में काट लें और साथ ही इसमें छोटा चम्मच चीनी मिलाएं।

4 फिर एक कढ़ाही में तेल गर्म करें।

5 इसके बाद पनीर के मिक्सचर की बॉल्स बनाकर अंदर ड्राई फ्रूट्स भर लें।

6 फिर इन कोफ्तों को फ्राई करें अगर ये फटते हैं तो इन्हें निकालकर सूखा मैदा लगाएं फिर फ्राई करें।

7 ग्रेवी के लिए प्याज,अदरक,लगसुन, टमाटर को फ्राई करते हुए इसमें काजू का पेस्ट डालें।

8 इस मिश्रण में फिर 2 बड़े चम्मच गर्म दूध,कसूरी मेथी के साथ सभी सूखे मसाले डालें।

9 ध्यान रहे मिक्सचर के किनारे से चिकनाई छोड़ने तक आपको इसे भूनना है।

10 फिर इसमें आधा कप पानी मिलाएं और जब लगे कि ग्रेवी हल्की गाढ़ी हो गई है तो उसमें क्रीम, चीनी और कसूरी मेथी डालें।

11 इसके बाद ग्रेवी को हल्की आंच पर छोड़ दें।

12 कोफ्ते को कभी भी गर्म ग्रेवी में न डालें। इससे कोफ्ते टूट जाते हैं।

13 मलाई कोफ्ता सर्व करते वक्त पहले बाउल में कोफ्ता डालें और फिर ऊपर से ग्रेवी डालें।

सिर्फ अच्छे नंबर नहीं अच्छी आदतें भी बच्चे को बनाती हैं सफल

बच्चे माता-पिता का पहला फर्ज होते हैं ऐसे में सभी पेरेंट्स यही चाहते हैं कि उन्हें एक उज्जवल भविष्य मिले। उज्जवल भविष्य के लिए बच्चों की दिनचर्या में अच्छी आदतें जोड़ना बहुत ही आवश्यक है। खासकर कुछ आदतें हैं ऐसी होती हैं जो बच्चों को एक अच्छा इंसान बनाने में मदद करती हैं। जैसे अपनी शरीर का ध्यान रखना, सफाई पर ध्यान देना, शाम को सोते समय हल्का खाना खाना इससे बच्चे शुगर, बीपी, स्ट्रेस जैसी बीमारियों से दूर रहते हैं। बच्चे स्वभाव से ही भोले-भाले होते हैं उन्हें जो भी चीजें पेरेंट्स सिखाएं वह उसे मान लेते हैं यदि पेरेंट्स घर में बार-बार चिल्लाते हैं तो बच्चों को भी यही आदत लग जाती है। आज आपको कुछ ऐसी बातें बतातें हैं जो आपके बच्चों को एक उज्जवल भविष्य देने में मदद करेंगी।

सबसे पहले रखें स्वास्थ्य का ध्यान

अच्छे भविष्य के लिए बच्चे की अच्छी सेहत होना जरुरी है। यदि बच्चा फिट और फाइन होगा तो वह हर चीज पर अच्छे से फोकस कर पाएगा। यदि बच्चा अपने शरीर पर ध्यान देता है तो यह आदत उसकी पूरी उम्र काम आएगी।

सही समय पर सुलाना और जगाना

अर्ली टू बेड और अर्ली टू राइज यह लाइन तो आपने कई बार सुनी ही होगी लेकिन इस पर अमल कर पाना थोड़ा मुश्किल है। खासकर यदि बच्चे रात में जल्दी सोकर सुबह जल्दी उठते हैं तो वह एकदम फिट और फाइन रहते हैं। हालांकि जब बच्चे स्कूल जाना शुरु कर दें तो माता-पिता का यह फर्ज बनता है कि वह उन्हें समय पर सुलाएं और उनकी नींद का पूरा ध्यान रखें। वहीं एक्सपर्ट्स के अनुसार, उम्र के मुताबिक ही बच्चों को पूरी नींद लेनी चाहिए जैसे 1-2 साल के बच्चे को 11-15 घंटे, 3-5 साल के बच्चे को 10-14 घंटे, 6-13 साल के बच्चे को 9-12 घंटे, 14-17 साल के बच्चों को 8-11 घंटे की नींद जरुरी होती है।

अच्छी डाइट देना

आजकल बच्चे ज्यादातर फास्ट फूड और जंक फूड खाना ही पसंद करते हैं लेकिन उनकी फिट बॉडी के लिए अच्छी डाइट मुख्य रुप से जरुरी है। खासकर बच्चों को आप खाना खिलाने के बाद ही 40-45 मिनट बाद पानी-पीने की आदत डालें। बेड पर खाना खाना सही नहीं माना जाता यदि आप बच्चों को नीचे जमीन पर बिठाकर खाना नहीं खिला सकते तो आप उन्हें डाइनिंग टेबल पर बिठाकर खाना खिला सकते हैं। इसके अलावा बच्चों को लंच या डिनर करवाने से पहले 5-10 सैकेंड के लिए ईश्वर को याद करने की आदत डालें इससे बच्चे नेगेटिविटी से दूर होकर खाना खा सकेंगे। टीवी या मोबाइल देखते हुए बच्चे को खाना खाने की आदत न डालें। इससे खाना उनके शरीर को नहीं लगेगा।

सलाद और फल खिलाना

बच्चों की फिट बॉडी के लिए उन्हें सलाद और फल खाने की आदत जरुर डालें। लंच से पहले आप उन्हें एक फल खिला सकते हैं। यदि बचपन से ही बच्चों को फल और सलाद की आदत लगेगी तो वह आगे स्वस्थ रह पाएंगे। इसके अलावा उनके शरीर में विटामिन्स और मिनरल्स की भी कमी नहीं रहेगी। फाइबर की भरपूर मात्रा बच्चों को मिलने से उनका पेट लंबे समय तक स्वस्थ रहेगा। घर में मौसमी फल या सलाद जैसे गाजर, खीरा, चुकंदर उन्हें खिला सकते हैं। फल या सलाद बच्चों को देते समय आप इस बात का ध्यान रखें कि यह मौसमी हों और सलाद भी कोल्ड स्टोरेज वाला न हो।

रात को दें हल्का खाना

एक्सपर्ट्स का मानना है कि रात को हमेशा हल्का ही खाना खाना चाहिए। ऐसे में बच्चों को यह आदत डालना जरुर है। खासकर ओवरईटिंग की समस्या इस तरह

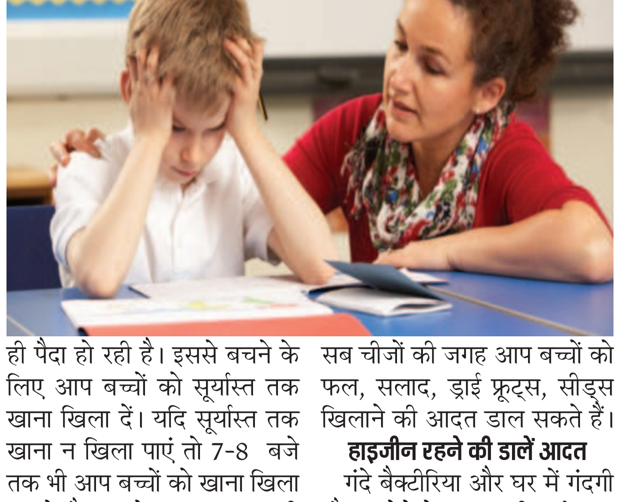

ही पैदा हो रही है। इससे बचने के लिए आप बच्चों को सूर्यास्त तक खाना खिला दें। यदि सूर्यास्त तक खाना न खिला पाएं तो 7-8 बजे तक भी आप बच्चों को खाना खिला सकते हैं। इससे उनका वजन भी कंट्रोल में रहेगा और वह खाना अच्छे से पचा भी पाएंगे। हल्का और लो कैलोरी वाला फूड्स ही बच्चे को दें। पर्याप्त मात्रा में बच्चों को पानी की आदत और हैल्दी ड्रिंक आप उन्हें पिलाएं। इसके अलावा सुबह अदरक, काली मिर्च, तुलसी, सौंफ, इलायची डालकर ड्रिंक तैयार करके आप बच्चों को इसका आधा गिलास दे सकते हैं।

चिप्स, कोल्ड ड्रिंक से रखें दूर

बच्चों को चिप्स, कुरकुरे, नमकीन खाने की आदत होती है और बच्चों के जिद्दी स्वभाव के कारण कई बार पेरेंट्स को भी उन्हें यह सब चीजें देनी पड़ती हैं। महीने में आप एक बार यह चीजें बच्चों को दे सकते हैं लेकिन ज्यादा खाने से उन्हें समस्या हो सकती है। इन सब चीजों की जगह आप बच्चों को फल, सलाद, ड्राई फ्रूट्स, सीड्स खिलाने की आदत डाल सकते हैं।

हाइजीन रहने की डालें आदत

गंदे बैक्टीरिया और घर में गंदगी मौजूद होने के कारण भी कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा शरीर साफ न रखना, साफ कपड़े न पहनना, नाखून साफ न करना जैसी आदतें भी उन्हें बीमारियों का शिकार बनासकती हैं। यदि बाल साफ न किए जाएं तो यह झड़ने लगते हैं वहीं यदि स्किन साफ रखने से स्किन से जुड़ी बीमारी की आशंका भी रहती है। साफ-सुथरा रहना, अच्छे से दांत साफ करना, समय-समय पर हाथ धोते रहना, नाखून साफ करना जैसी आदतें सिखाकर आप बच्चों को हैल्दी रख सकते हैं।

पढ़ाई के अलावा एक्स्ट्रा एक्टिविटीज करना

वैसे तो पढ़ाई सबसे जरुरी है लेकिन इसके अलावा भी बच्चे को एक्स्ट्रा एक्टिविटीज जरुर करवाएं। यदि आपके बच्चों को पढ़ाई के अलावा किसी ओर चीज में रुचि है तो उन्हें उसमें काम करने का मौका जरुर दें। इससे बच्चों का ज्यादातर समय उस एक्टिविटी में व्यतीत होगा और वह मोबाइल और सोशल मीडिया से दूर रह पाएंगे।

आउटडोर गेम्स खेलने की डालें आदत

बच्चों को बाहर खेलने की आदत डालें इससे उनका विकास अच्छे से होगा और वह करियर में सफलता हासिल कर पाएंगे। वैसे तो सभी बच्चे खेलते हैं लेकिन उन्हें बाहर खेलने की आदत डालें। अगर खेलने की सुविधा न हो तो आप उन्हें साइकिलिंग की आदत जाल सकते हैं इससे भी बच्चे एकदम फिट रहेंगे। अगर बच्चे इंडोर गेम्स खेलना चाहते हैं तो आप उन्हें उसके लिए भी प्रोत्साहित कर सकते हैं। इसके अलावा क्रिकेट, स्विमिंग जैसी गेम्स में आप उन्हें डाल सकते हैं। वहीं अगर लड़कियां आउटडोर गेम्स नहीं खेलना चाहती तो वह डांसिंग कर सकती हैं।

सिखाएं अपने पर विश्वास रखना

बच्चों को इस बात की भी आदत डालें कि वह खुद पर भरोसा रखें। अपने दिल की बात दूसरों से करें यदि कोई ऐसी परिस्थिति बनती है कि वह किसी से दिल की बात नहीं कह पाते तो वह ईश्वर से अपने दिल की बात कर सकते हैं। मेडिटेशन की आदत आप बच्चों को डाल सकते हैं। हर दिन 10-15 मिनट यदि बच्चे इसे करेंगे तो उन्हें अच्छा महसूस होगा। सुबह और शाम की आरती में आप बच्चों को शामिल कर सकते हैं इससे उनके मन में धार्मिक भाव उत्पन्न होंगे।

खुद ढूंढने दे अपनी प्रॉब्लम्स के सॉल्यूशन

बच्चों को अपनी प्रॉब्लम्स का सॉल्यूशन आप खुद ही ढूंढने दें। इससे वह भविष्य में किसी भी तरह के काम को आसानी से कर पाएंगे। हां एक बार इस काम को करने में उन्हें थोड़ी मुश्किल हो सकती है लेकिन धीरे-धीरे वह सीख जाएंगे। यदि बच्चों को जीवन में किसी भी तरह की कोई परेशानी होती है तो वह खुद समस्या का समाधान कर पाएंगे।

जरुर दें जिम्मेदारी

बच्चों को जिम्मेदारी भी जरुर दें। इससे वह भविष्य में जिम्मेदार बन सकेंगे। आप चाहें तो अलमारी या फिर गाड़ी की चाबी उन्हें दे सकते हैं। इसके अलावा यदि आप बच्चे के साथ मार्केट जा रहे हैं तो उन्हें कुछ पैसे रखने के लिए दे सकते हैं। इससे उन्हें जिम्मेदारी का भी पता चलेगा और उनके अंदर चीजों को सेहज कर रखने की आदत भी पड़ेगी।

पेरेंट्स भी अपनाएं ये आदतें

बच्चे पेरेंट्स से चीजें बहुत ही आसानी से सिखते हैं ऐसे में यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे भीड़ से हटकर चलें और आप उन्हें एक उज्जवल भविष्य दे सकें तो इन सभी आदतों को आप खुद भी अपनाएं।

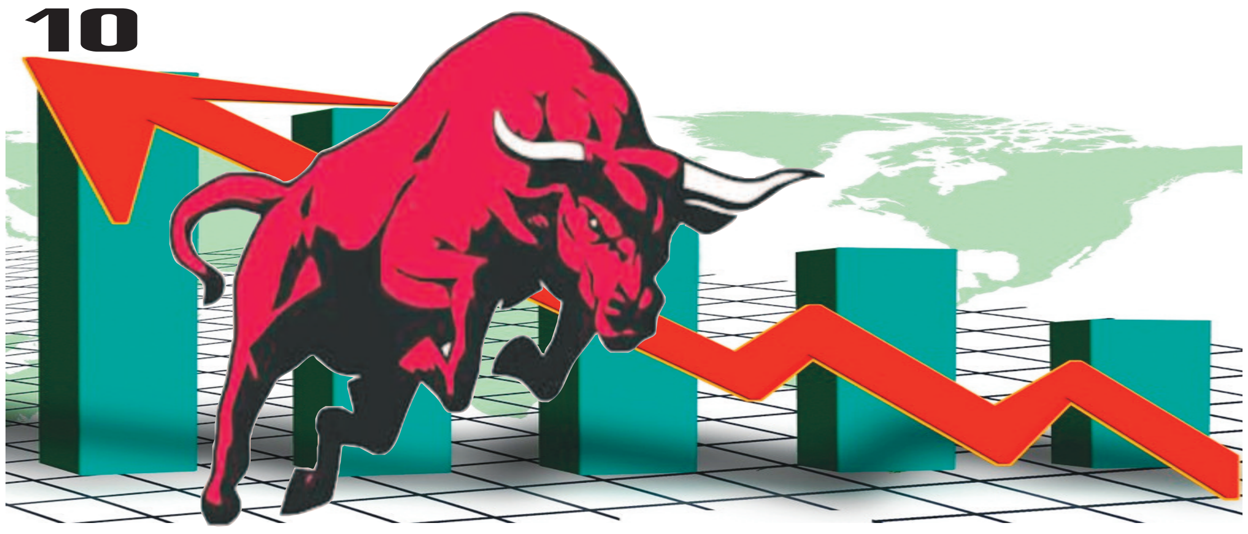

बेमौसम बारिश की मार से आसमान पर पहुंचे टमाटर और अदरक के दाम, दोगुनी हुई कीमतें

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। देश में इस समय महंगाई के दायरे में ऐसी वस्तु आ गई है जिसके बिना भारतीय रसोई में अक्सर खाना या पकवान बन नहीं पाते हैं। ये तेजी टमाटर के दाम में आई है और पिछले 15 दिनों में इसके रेट दोगुने हो गए हैं। उत्तर भारत में बेमौसम बारिश से टमाटर की फसल पर तो असर पड़ा ही है, वहीं अदरक के दाम में भी लगभग डबल इजाफा देखा गया है और इसके रेट आसमान पर जा पहुंचे हैं।

टमाटर के दाम कहां जा पहुंचे

पिछले 15 दिनों में ही टमाटर के दाम दोगुने हो गए हैं और इसके रेट 40 रुपये से सीधा 80 रुपये किलो हो गए हैं। ये दाम रिटेल बाजार के लिए दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली की आजादपुर मंडी में इस समय टमाटर की आमद कम हो गई है और इसका सबसे बड़ा कारण बेमौसम की बारिश है जिसके चलते टमाटर की फसलों

को बेहद नुकसान पहुंचा है।

क्यों बढ़ रही हैं टमाटर की कीमतें

इकनॉमिक टाइम्स में छपी रिपोर्ट के मुताबिक आजादपुर मंडी के टोमैटो एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कौशिक का कहना है कि टमाटर की कीमतों में आने वाले कुछ समय तक तेजी बनी रहेगी जब तक नई फसल नहीं आ जाती है। वहीं दक्षिण भारत से टमाटर के लिए भारी मांग आ रही है जिसके चलते भी टमाटर के दाम नीचे नहीं आ पा रहे हैं। टमाटर की मांग ज्यादा है और इसकी सप्लाई में कमी है जिसके चलते सब्जी विक्रेता ऊंचे दामों पर टमाटर की बिक्री कर रहे हैं। इस समय टमाटर की सप्लाई केवल हरियाणा और उत्तर प्रदेश से हो पा रही है।

क्यों बढ़ रहे हैं अदरक के दाम

उधर अदरक के दाम भी उछाल पर हैं जो अदरक पहले 30 रुपये का 100 ग्राम मिलता था वो रेट अब 50-80 रुपये प्रति 100 ग्राम तक चले गए हैं। इसके पीछे कारण बताया जा रहा है कि पिछले साल किसानों ने अदरक की फसल नुकसान पर बेची थी और इस साल वो इसका ख्याल रखते हुए कम संख्या में अदरक की सप्लाई सब्जी मंडियों में कर रहे हैं।

अब जब अदरक के दाम बाजार में चढ़ चुके हैं तो वो इसे बाजार में ऊंची कीमत पर बेचने के लिए ऑफलोड कर रहे हैं। गौरतलब है कि देश में अदरक का सालाना उत्पादन 2.12 लाख मीट्रिक टन का है और पिछले साल इसकी कीमतें काफी नीचे रही थीं जिसके चलते अदरक किसानों को घाटे पर अपना उत्पाद बेचना पड़ा था। इस साल ज्यादा दामों पर अदरक बेचकर किसान अपने नुकसान की भरपाई करना चाहते हैं जिसका असर अदरक की कीमतों के बढ़ने के रूप में सामने आ रहा है।

सरकारी-बैंकों का मुनाफा पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए पार:महंगे लोन से आय बढ़ने और फिनटेक के चलते खर्च घटने से बढ़ा प्रॉफिट

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। मार्च में खत्म वित्त वर्ष में सरकारी बैंकों का कुल मुनाफा पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा 1,04,649 करोड़ हो गया। 2017-18 में इन बैंकों को 85 हजार करोड़ का घाटा हुआ था। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के सीनियर डायरेक्टर अरुण कुमार अय्यर ने कहा, 'बैंकों ने फिनटेक कंपनियों को बिजनेस पार्टनर बनाया। इससे डिपॉजिट, निकासी और फंड ट्रांसफर जैसे काम बैंक से बाहर होने लगे। यदि ये सारे ट्रांजेक्शन बैंक ब्रांच या एटीएम के जरिये होते तो बैंकों का खर्च बढ़ता।' इंडियन ओवरसीज बैंक के पूर्व सीएमडी एम नरेंद्र ने बताया कि फिनटेक ने बैंकों के छोटे लोन पर खर्च बचा दिए। ये नए खाते खोलने में भी मददगार साबित हुए।

लोन पर डिफॉल्ट कम हुए

यूको बैंक के रिटायर्ड ईडी अजय व्यास कहते हैं, 'फिनटेक के बेहतर रिस्क एनालिसिस से लोन डिफॉल्ट और खर्च घटे हैं। मसलन, 2017-18 में सबसे बड़े बैंक एसबीआई की आय के मुकाबले खर्च का अनुपात 50.18% था। अभी ये घटकर 35.58% पर आ गया है।

यूपीआई ट्रांजेक्शंस से बचत

2022-23 में 83.71 अरब लेनदेन यूपीआई के जरिये हुए। तीन साल में ये 4 गुना बढ़े हैं। ब्रांच में हर लेनदेन पर 24 रुपए, एटीएम ट्रांजेक्शन पर 15-18 रुपए और पीओएस पर हर कार्ड स्वैप का खर्च 3-5 रुपए बैठता है। फिनटेक के जरिये ट्रांजेक्शन से ये खर्च बच रहे हैं।

फिनटेक ने बढ़ाया कवरेज

पेनियरबॉय फिनटेक के सीईओ और एमडी आनंद कुमार बजाज कहते हैं कि 7.25 लाख गांवों के लिए सिर्फ 25 हजार बैंक ब्रांच हैं। फिनटेक ने गांवों को फाइनेंशियल सर्विसेज से जोड़ा। ऐसे प्लेटफॉर्म से लेनदेन का 50% बैंकों का जाता है। ये न लोन देते और न ही डिपॉजिट लेते हैं।

एलईडी लाइटिंग बनाने वाली कंपनी का खुल गया आईपीओ

जानें जीएमपी से लेकर अन्य डिटेल

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। आईपीओ यानी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग में पैसे निवेश करने वालों के लिए सुनहरा मौका है। नोएडा की

एलईडी लाइटिंग बनाने वाली कंपनी आईकेआईओ लाइटिंग लिमिटेड का आईपीओ आज से खुल गया है। इस आईपीओ में निवेशक 6 जून से लेकर 8 जून के बीच पैसे लगा सकते हैं। आईपीओ का साइज 607 करोड़ रुपये का है। इस आईपीओ में 350 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर जारी किए गए हैं और वहीं 90 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचे जाएंगे।

आईपीओ का क्या है प्राइस बैंड?

आईकेआईओ लाइटिंग आईपीओ का प्राइस बैंड 270 रुपये से 285 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। वहीं इस आईपीओ में कंपनी के प्रमोटर हरदीप सिंह और सुमित सिंद कौर ऑफर फॉर सेल के जरिए 60 लाख और 30 लाख इक्विटी शेयर बेचेंगे। एंकर निवेशकों के जरिए कंपनी ने पहले ही 182 करोड़ रुपये इकट्ठा कर लिया है। एंकर निवेशकों के लिए आईपीओ 5 जून, 2023 को खुल गया था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में दी गई जानकारी के मुताबिक कंपनी ने 16 फंड्स के एंकर निवेशकों को कुल 63 184 लाख इक्विटी शेयर 285 रुपये के बेस प्राइस के हिसाब से जारी किया है।

क्या है जीएमपी प्राइस?

मंगलवार को आईकेआईओ लाइटिंग आईपीओ के जीएमपी प्राइस में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आज इस आईपीओ का जीएमपी प्राइस 70 रुपये से बढ़कर 90 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया है। ऐसे में ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 90 रुपये प्रीमियम पर है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक लिस्टिंग के दिन तक कंपनी का शेयर 375 रुपये प्रति शेयर तक पहुंच जाएगा। इस आईपीओ में पैसे लगाने के लिए आपको कम से कम 52 शेयर पर बोली लगानी होगी। ऐसे में 270 से 285 रुपये प्राइस बैंड में आपको कम से कम बोली लगाने के लिए 14,820 रुपये खर्च करने होंगे। रिटेल निवेश अधिकतम 13 लॉट की बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में 50 फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स, 15 फीसदी हिस्सा नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स और 35 फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व किया गया है।

सोना और चांदी दोनों हुए महंगे

फटाफट चेक करें आपके शहर में 10 ग्राम गोल्ड का रेट

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं और ग्लोबल बाजार में गोल्ड-सिल्वर महंगे होकर मिल रहे हैं। इसका असर भारतीय कमोडिटी बाजार के ऊपर भी देखा जा रहा है। सोना और चांदी के दाम आज अच्छी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं और खासकर चांदी तो जोरदार उछाल दिखा रही है। इंडस्ट्रियल मांग में बढ़ोतरी के कारण भी सोना और चांदी जैसी कीमती मेटल्स के दाम में ये उछाल देखी जा रही है।

कैसे हैं एमसीएक्स पर आज सोने के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोने के दाम देखें तो ये मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। सोना आज एमसीएक्स पर 82 रुपये या

0.14 फीसदी की मजबूती के साथ 59930 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है और इसके ये दाम अगस्त वायदा के लिए हैं। सोने के ऊपरी लेवल को देखें तो ये 59949 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गया था और नीचे की तरफ सोने के दाम 59813 रुपये तक गए थे।

कैसे हैं एमसीएक्स पर आज चांदी के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी आज 318 रुपये या 0.44 फीसदी की उछाल के साथ कारोबार कर रही है। चांदी आज 72190 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार कर रही है। चांदी में नीचे की तरफ देखा जाए तो 71951 रुपये के लो लेवल देखे गए थे और ये ऊपर में 72216 रुपये प्रति किलो तक गई थी। चांदी के ये दाम इसके जुलाई वायदा के लिए हैं।

ग्लोबल बाजार में सोने और चांदी के दाम

ग्लोबल बाजार में गोल्ड के रेट देखें तो आज ये उछाल के साथ ही बना हुआ है। कॉमेक्स पर सोना अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 2.20 डॉलर या 0.11 फीसदी की उछाल के साथ 1,976.50 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है। इसके अलावा चांदी भी आज मजबूती के साथ हरे निशान में ही बनी हुई है।

कॉमेक्स पर चांदी 0.075 डॉलर या 0.32 फीसदी की उछाल के साथ 23.710 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है।

विप्रो बोर्ड ने 12,000 करोड़ रुपये के शेयर बायबैक की दी मंजूरी

प्रति शेयर का इतना होगा भाव

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। आईटी दिग्गज कंपनी विप्रो के डायरेक्टर बोर्ड ने सोमवार को 269,662,921 तक के इक्विटी शेयर बायबैक की मंजूरी दे दी है, जो कुल

पेड अप इक्विटी का 4.91 फीसदी है। इन शेयरों की कीमत 12,000 करोड़ रुपये है। बोर्ड ने शेयरों का बायबैक प्राइस 445 रुपये प्रति शेयर रखा है। एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया है कि 27 अप्रैल 2023 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया में विप्रो के शेयरों के क्लोज प्राइस पर 19 प्रतिशत का प्रीमियम है। यह विप्रो के सभी शेयरहोल्डर्स के लिए उपलब्ध होगा और बायबैक टेंडर ऑफर रूट के तहत आयोजित किया जाएगा। बायबैक जुलाई 2023 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

कितनी है शेयर बायबैक की साइज

बायबैक की साइज 31 मार्च 2023 को लेटेस्ट ऑडिटेड स्टैंडअलोन और बैलेंस शीट के मुताबिक, कंपनी के पूरे तरह से पेड इक्विटी शेयर पूंजी और फ्री स्टॉक का क्रमश: 20.95 प्रतिशत और 17.86 प्रतिशत है। कंपनी को उम्मीद है कि इस शेयर बायबैक से शेयरहोल्डर्स रिटर्न में सुधार करने में मदद होगी।

क्यों आता है शेयर बायबैक

कंपनी शेयर बायबैक आने वाले सालों में अपने राजस्व और आय में बढ़ोतरी के मद्देनजर लेकर आती है। इससे कंपनी के शेयरहोल्डरों के रिटर्न में सुधार होने की उम्मीद रहती है और कंपनी को मुनाफा भी होने की उम्मीद रहती है।

फाइलिंग के अनुसार, मार्च 2023 तिमाही के लिए राजस्व 23,190.3 करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 11.17 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इंफोसिस जैसे दिग्गजों के साथ आईटी सेवा क्षेत्र की बेंगलुरु मुख्यालय वाली विप्रो ने मार्च तिमाही में 3,074.5 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 3,087.3 करोड़ रुपये था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	वृष	में
चंद्र-	मकर	में
मंगल	कर्क	में
बुध-	मेष	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	कर्क	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मेष--	02-34	बजे
वृष--	04-18	बजे
मिथुन..	06-18	बजे
कर्क....	08-32	बजे
सिंह....	10-43	बजे
कन्या..	12-49	बजे
तुला....	14-55	बजे
वृश्चिक.	17-05	बजे
धनु.....	19-18	बजे
मकर..	21-24	बजे
कुंभ....	23-15	बजे
मीन ..	00-53	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 05-44
सूर्य अस्त- 18-45
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - 21 -50 तक उपरान्त पंचमी
मास - आषाढ कृष्ण पक्ष, बुधवार June 07
नक्षत्र - उत्तराषाढा - 21- 02 - तक उपरान्त श्रवण
योग - ब्रह्मा - 22 - 22 - तक उप - ऐन्द्र
करण- बव - 11 -20 - तक उप- बालव
विशेष:- चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार - चंद्रोदय- 22-19

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
12:15 से 13:53 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:44 - 07:20	शुभ	उत्पात	18:45 - 20:10	अशुभ
अमृत	07:20 - 08:59	शुभ	शुभ	20:10 - 21:31	शुभ
काल	08:59 - 10:37	अशुभ	अमृत	21:31 - 22:53	शुभ
शुभ.	10:37 - 12:15	शुभ	चंचल	22:53 - 00:15	शुभ
रोग	12:15 - 13:53	अशुभ	रोग	00:15 - 01:37	अशुभ
उत्पात	13:53 - 15:31	अशुभ	काल	01:37 - 02:59	अशुभ
चंचल	15:31 - 17:10	शुभ	लाभ	02:59 - 04:20	शुभ
लाभ	17:10 - 18:45	शुभ	उत्पात	04:20 - 05:44	अशुभ

बिना डेबिट कार्ड के भी एटीएम से यूपीआई के जरिये निकाल सकेंगे पैसे, बैंक ऑफ बड़ौदा ने शुरू की सुविधा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। बदलते वक्त के साथ ही देश में कई बड़े बैंकों ने बैंकिंग के तरीकों में बड़े बदलाव किए हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े बैंक यानी बैंक ऑफ बड़ौदा ने ग्राहकों के लिए इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विड्रॉल आईसीसीडब्ल्यू की फैसिलिटी शुरू कर दी है। इसके जरिए अब ग्राहक बिना डेबिट या एटीएम कार्ड के भी केवल यूपीआई के जरिए एटीएम से कैश विड्रॉल कर सकते हैं। ध्यान देने वाली बात ये है कि इस तरह की फैसिलिटी देने वाला बैंक ऑफ बड़ौदा पब्लिक सेक्टर का पहला बैंक है।बैंक ऑफ बड़ौदा ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आईसीसीडब्ल्यू के जरिए ग्राहक भीम यूपीआई या अन्य यूपीआई एप्लीकेशन के जरिए दूसरे बैंकों के ग्राहक भी बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम से कैश विड्रॉल कर पाएंगे। इसके लिए, उन्हें एटीएम या डेबिट कार्ड की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ डिजिटल ऑफिसर अखिल हांडा ने आईसीसीडब्ल्यू फैसिलिटी के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि बीओबी की इस नई सुविधा से ग्राहकों को कैश विड्रॉल के लिए कार्ड के इस्तेमाल से आजादी मिलने जा रही है। इस सुविधा के जरिए ग्राहक एक दिन में बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम से कुल दो बार पैसे निकाल पाएंगे। वहीं बैंक ने विड्रॉल की लिमिट 5,000 रुपये रखी है। ध्यान देने वाली बात ये है कि बैंक के देशभर में 11,000 से अधिक एटीएम हैं।

कर्मचारियों की सैलरी में होगी हजारों रुपये की बढ़ोतरी? जल्द मिल सकती है ये खुशखबरी

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। सातवें वेतन आयोग के तहत केंद्र सरकार आने वाले कुछ दिनों में बड़ी खुशखबरी दे सकती है। अगर सरकार फैसला लेती है तो कर्मचारियों की सैलरी और पेंशनर्स के पेंशन में हजारों रुपये की बढ़ोतरी होगी। एआईसीपीआई को आंकड़ों के आने से ऐसा माना जा रहा है कि कर्मचारियों को महंगाई भत्ते में 3 से 4 फीसदी की बढ़ोतरी मिल सकती है। अगर कर्मचारियों के लिए डीए में 4 फीसदी की बढ़ोतरी की जाती है तो इन्हें महंगाई भत्ता 46 फीसदी के हिसाब से मिलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि जुलाई में बढ़ने वाले डीए की घोषणा सितंबर से अक्टूबर में कभी भी की जा सकती है। सरकार के इस फैसले के बाद कर्मचारियों का महंगाई भत्ता सालाना आधार पर 1

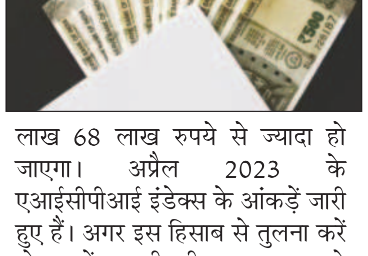

लाख 68 लाख रुपये से ज्यादा हो जाएगा। अप्रैल 2023 के एआईसीपीआई इंडेक्स के आंकड़े जारी हुए हैं। अगर इस हिसाब से तुलना करें तो इसमें 4 फीसदी का इजाफा हो सकता है। ऐसे में डीए 42 फीसदी से बढ़कर 46 फीसदी हो जाएगा। वहीं मई और जून के आंकड़ों में तेजी नहीं आती है तो भी महंगाई भत्ते का स्कोर 45.60 से ज्यादा होगा। इसका मतलब 46 फीसदी डीए बढ़कर हो जाएगा। केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी का एलान जुलाई से लेकर अक्टूबर के दौरान कभी भी हो सकता है। 46 फीसदी महंगाई भत्ता होने के बाद पे बैंड 5400 की सैलरी 30,550 रुपये पर देखा जाए, तो कुल सालाना महंगाई भत्ता एक लाख 68 हजार रुपये से ज्यादा हो जाएगा। अभी इस पे बैंड पर कुल महंगाई भत्ता 1,53,972 रुपये है। इसका मतलब है कि कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 14,664 रुपये की बढ़ोतरी होगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार साल में दो बार महंगाई भत्ते में संशोधन करता है। इस बार जनवरी के दौरान महंगाई भत्ते में इजाफा किया जा चुका है और अभी जुलाई में संशोधन करना बाकी है, जिसका एलान सरकार जल्द कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि महंगाई भत्ते के साथ ही केंद्र सरकार बेसिक सैलरी में बढ़ोतरी का भी तोहफा दे सकती है।

घरेलू शेयर बाजार ने बढ़त गंवाई, सेंसेक्स और निफ्टी उतार-चढ़ाव के साथ सपाट बंद हुआ

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। उतार-चढ़ाव के बाद घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को सपाट बंद हुआ। इस दौरान आईटी सेक्टर के शेयरों में कमजोरी दिखी। आईटी सेक्टर के शेयर 1.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 5.41 (0.01%) अंकों की बढ़त के साथ 62,792.88 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला निफ्टी इंडेक्स 5.15 (0.03%) अंक उछलकर 18,599.00 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के हेड ऑफ रिसर्च विनोद नायर के अनुसार आईटी सेक्टर में बिकवाली के दबाव से घरेलू बाजार में मुनाफावसूली देखने को मिली। खर्च में और गिरावट की आशंका के कारण आईटी शेयरों में गिरावट देखी गई। हालांकि ऑटो और बैंकों में तेजी से नुकसान की भरपाई में मदद मिली। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद रिजर्व बैंक की वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमान पर टिप्पणी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि आम सहमति है कि ब्याज दरों में ठहराव जारी रहेगा।

बिजनेस के लिहाज से मई बहुत अच्छा, 17,000 नई कंपनियों वजूद में आईं

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। केंद्र की मोदी सरकार देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए पिछले कुछ सालों से कई कदम उठाए हैं। अब इसका असर भी दिखने लगा है। लाइव मिंट में छपी खबर के मुताबिक मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ने कहा है कि मई के महीने में देश में 17,000 से अधिक कंपनियों की स्थापना की गई है। ऐसे में साल की शुरुआत से लेकर अब तक कुल कंपनियों की संख्या 33,600 हो गई है। मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स की रिपोर्ट के मुताबिक मई में स्थापित हुई कुल कंपनियों की पेड अप कैपिटल 722 करोड़ रुपये है। ध्यान देने वाली बात ये है कि पेड राशि वह राशि होती है जिसके लिए शेयरधारकों को शेयर जारी किए जाते हैं और इसका भुगतान भी शेयर होल्डर ही करते हैं। वहीं इन कंपनियों की कुल ऑथराइज्ड कैपिटल की वैल्यू 2,611 करोड़ रुपये है। स्थापित कंपनियों में 900 कंपनियां कृषि क्षेत्र से संबंधित हैं। वहीं बिजनेस सर्विस से संबंधित कंपनियों की संख्या 2,480 है। वहीं कुल 2,600 कंपनियां मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से संबंधित हैं। रियल एस्टेट, रेंट, कंस्ट्रक्शन, टेंडिंग, फाइनेंस, स्टोरेज और कम्युनिकेशन की भी कई कंपनियों की स्थापना मई में हुई है।अप्रैल के महीने में कुल 16,000 कंपनियों की स्थापना की गई है। ध्यान देने वाली बात ये है कि नई कंपनियों की स्थापना से देश में नौकरियों

की संख्या बढ़ेगी। जहां नई कंपनियों की स्थापना एक तरह अच्छा संकेत है, वहीं दूसरी तरफ इन कंपनियों के लिए चुनौतियां भी कम नहीं है। स्टार्टअप कंपनियां पिछले लंबे वक्त से फंडिंग की कमी से जूझ रही है। ऐसे वैश्विक मंदी की आहटों के बीच इन कंपनियों को बिजनेस बढ़ाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं। आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा। कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं। लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं। उन्हें पहचानने की कोशिश करें। आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी। किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा ।अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें। आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज बोलने में सावधानी रखें। आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है। बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें। किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें। किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा। कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपके करियर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेगी। आय में भी वृद्धि की संभावना है। आपको अपने करियर को आगे ले जाने के लिए समर्पण और ध्यान को बढ़ाने की जरूरत है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी। आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं। भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए। आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे। पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं। आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें। आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे। अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें और चिंतामुक्त हो जाएँ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं। अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है। आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं। आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है। आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं। इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे। इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं। आप आज अपनी परेशानी के चलते कुछ ऐसा कह या कर सकते हैं जिसके लिए आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं। आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं। इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा। आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
आप कुछ समय से अपनी विलम्ब परियोजनाओं के लिए धन संचित कर रहे थे और अब अपनी योजनाओ के क्रियान्वयन का ये सही समय है। जब आप कुछ वस्तु खरीदने जायेंगे तो हो सकता है की आप कुछ बड़ी एवं सुव्यस्थित चीज को देखकर उसे खरीदने की सोचे परन्तु आपको अपने बजट के भीतर रहकर ही काम करना है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी। वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है। आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

क्या है खाप, जिसकी धमकी के बाद बृजभूषण पर एक्शन

600 साल पहले शुरुआत हुई, आज भी उसका दबदबा कायम

नई दिल्ली, 6 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। गृहमंत्री अमित शाह ने 3 जून की रात पहलवानों से मुलाकात की, जो पिछले डेढ़ महीने से प्रदर्शन कर रहे हैं। गृहमंत्री से यह मुलाकात खाप पंचायतों की तरफ से केंद्र को 9 जून तक का अल्टीमेटम देने के बाद हुई। मीटिंग के बाद बजरंग पूनिया ने रविवार को सोनीपत के गांव मुंडलाना में हो रही सर्व समाज की महापंचायत से निवेदन किया कि फिलहाल कोई बड़ा फैसला न लें। इसके बाद 5 जून को दिल्ली पुलिस की टीम ने बृजभूषण के लखनऊ और गोंडा स्थित घर पर छापेमारी की। उनके 15 कर्मचारियों से पूछताछ की गई है। अब इस छापेमारी को बृजभूषण पर एक्शन के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसे में यह जानना आवश्यक है कि आखिर खाप होती क्या है, ये करती क्या है और विवादों में रहने के बावजूद इसका इतना दबदबा क्यों है?

एक गोत्र या बिरादरी के सदस्यों का समूह

कनाडा में प्रोफेसर रहे एमसी प्रधान 'द जर्नल ऑफ एशियन स्टडीज' किताब के पेज नंबर 664 में खाप के बारे में बताते हैं। 'खाप' एक गोत्र या जाति बिरादरी के सदस्यों का समूह होता है। इनमें एक क्षेत्र या कुछ गांव के उस जाति से जुड़े लोग शामिल होते हैं। उस जाति के बुजुर्ग और दबंग लोग इन खाप का नेतृत्व करते हैं। इन खापों के प्रधान एक परिवार या वंश के ही लोग होते हैं। जो शख्स इस समय किसी खाप का प्रधान है आने वाले समय में उसका बेटा उस खाप का प्रधान बनता है। जब किसी मुद्दे पर सार्वजनिक फैसला लेने के लिए किसी खाप के प्रधान सभा बुलाते हैं तो इसे खाप पंचायत कहते हैं। खाप प्रधान को चुनने के लिए कोई तय स्ट्रक्चर या नियम नहीं होते हैं। कई बार खाप प्रधान के पद पर एक ही परिवार या वंश के दो या ज्यादा लोग भी दावा करते हैं।

करीब 600 साल पहले शुरुआत

पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ की सीनियर रिसर्चर रितिका ठाकुर के मुताबिक खाप की शुरुआत 14वीं सदी के दौरान हुई थी। इसके अलावा कानूनी कागजों में खाप शब्द का प्रयोग पहली बार 1890-91 में जोधपुर की जनगणना रिपोर्ट में किया गया था, जो धर्म और जाति पर आधारित थी। कुछ एक्सपर्ट मानते हैं कि 'खाप' शब्द संभवतः 'शक' भाषा के खतप से लिया गया है, जिसका अर्थ है एक विशेष कबीले द्वारा बसा हुआ क्षेत्र।

सबसे पहले खाप का नाम क्या था, ये हमारे रिसर्च में पता नहीं चला। हालांकि कुछ रिसर्च पेपर में इसका जिक्र है कि पहली खाप से 84 गांवों के लोग जुड़े थे। 1950 में पश्चिमी यूपी के मुजफ्फरनगर जिले के सोरेम में हुई खाप पंचायत का जिक्र कई रिसर्च पेपर में मिलता है। आजादी के बाद हुई इस सर्व खाप पंचायत के प्रधान बीनरा निवास गांव के चौधरी जवान सिंह गुर्जर थे। इस खाप पंचायत में पुनियाला गांव के ठाकुर यशपाल सिंह उप-प्रधान थे, जबकि सोरेम गांव के चौधरी काबुल सिंह इसके मंत्री थे। जिन तीन लोगों के नेतृत्व में इस पंचायत का आयोजन हुआ उनमें चौधरी काबुल सिंह एकमात्र जाट थे। हालांकि, पिछले कुछ सालों में जाटों का दबदबा खाप पंचायतों में बढ़ा है, इसीलिए कई बार खाप पंचायतों को सीधे जाटों से जोड़ दिया जाता है।

खाप मुख्य रूप से तीन काम करते हैं

1. पारिवारिक और गांव के विवादों को सुलझाना।

2. समाज के लोगों के बीच आपसी भाईचारे और विश्वास को बनाए रखना।

3. अपने क्षेत्र और लोगों को किसी भी बाहरी हमले से बचाना।

एमसी प्रधान के बताए तीन कामों में से आखिरी काम खाप पंचायतें आजादी से पहले करती थी, अब ये काम न के बराबर रह गया है। आज खापों का मुख्य रूप से काम आपसी विवादों को सुलझाना और यह सुनिश्चित करना है कि उनके क्षेत्र में सामाजिक और धार्मिक प्रथा सही से लागू हो।

देश में इस वक्त 300 से ज्यादा खाप एक्टिव हैं

हरियाणा के झज्जर जिला निवासी धनकड़ खाप के प्रधान ओम प्रकाश धनकड़ का कहना है कि देश में इस समय करीब 300 खाप हैं। इनमें से ज्यादातर खाप नॉर्थ इंडिया के हैं। ये खाप मुख्य रूप से देश के 5 राज्यों हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और उत्तराखंड में एक्टिव हैं।

धनकड़ का कहना है कि गोत्र पर अधारित गठवाल खाप, दलाल खाप, पुनिया खाप, सांगवान खाप, दहिया खाप आदि अपने गांव और आसपास के मामले को खुद ही सुलझाते हैं। इन खापों का 100 से ज्यादा गांवों में असर है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर खाप पंचायत जाट इलाके में एक्टिव हैं। जाटों के अलावा गुर्जर, मुस्लिम और राजपूत समुदाय के लोगों के भी अपने खाप होते हैं। हरियाणा, पश्चिमी यूपी समेत देश के 5 राज्यों में खाप समुदाय का काफी ज्यादा असर है। इसकी 2 मुख्य वजहें हैं-

समुदाय और समाज के स्तर पर होने वाले पारिवारिक, जगह-जमीन और दूसरे विवादों को खाप सही समय पर सुलझा देती है। इससे विवाद थाने और कोर्ट नहीं जाता है। खाप के फैसले को मानने के लिए सामाजिक दबाव होता है। समाज और अपने समुदाय में रहने के लिए लोगों को खाप के फैसले को मानने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

खाप प्रधान ज्यादातर मामलों में सोशल बायकॉट, आर्थिक जुर्माना व अन्य तरह की जुर्माना लगाती है। हालांकि खाप पर कई बार दूसरे जाति और धर्म में शादी करने पर विवादित फैसला सुनाने के आरोप भी लगते हैं। इसी वजह से खाप के विरोधी उसे 'कंगारू कोर्ट' भी कहते हैं। हालांकि खाप नेता इस तरह के आरोपों को गलत बताते हैं। खाप नेता अब हिंदू मैरिज एक्ट में बदलाव की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि वो अंतरजातीय विवाह के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन एक गोत्र और एक गांव में शादी करने पर रोक लगनी चाहिए।

खाप पंचायतों के विवादित फैसले

जुलाई 2010 में हरियाणा की सर्व खाप जाट पंचायत ने कहा कि लड़कियों की शादी के लिए उनके बालिग होने का इंतजार नहीं करना है। उनकी शादी अब 15 साल में ही कर देनी है। रेप की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश जारी किया गया था।

लड़कियों को जींस पहनने से मना किया

अगस्त 2014 में मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में हुई एक खाप पंचायत ने लड़कियों के जींस पहनने, उनके फोन और इंटरनेट यूज करने पर बैन लगाया था। कुछ लड़कियों के घर से भागने के बाद समाधान के रूप में यह ऐलान किया गया था।

भाई की सजा बहनों को दे दी

अगस्त 2015 में बागपत में एक खाप पंचायत ने दो बहनों के साथ रेप करने और उन्हें निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने का आदेश जारी किया था। उन्हें उनके भाई के अपराध की सजा दी जानी थी। उनका भाई एक ऊंची जाति की महिला के साथ भाग गया था। खाप पंचायत के इस आदेश के बाद ब्रिटिश संसद तक में मांग उठी कि आरोपी की 23 और 15 साल की बहनों को पर्याप्त सुरक्षा दी जाए।

परंपराओं में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं

फरवरी 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने खाप से जुड़े एक मामले में कहा था कि दो रजामंद वयस्कों को अपनी मर्जी से शादी करने का अधिकार है। खाप पंचायत किसी वयस्क को अंतर्जातीय विवाह करने से रोक नहीं सकती।

इससे नाराज होकर नरेश टिकैत ने कहा- अगर हमारी परंपराओं में हस्तक्षेप किया गया तो उसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इतना ही नहीं, अगर इस तरह के आदेश पारित होते हैं तो हम न तो लड़कियां पैदा करेंगे और न ही लड़कियों को पैदा होने देंगे।

बेटी को जमीन देने पर समाज से बहिष्कार किया

अगस्त 2021 में राजस्थान के भीलवाड़ा में एक खाप पंचायत ने बुजुर्ग महिला पर 40 लाख का जुर्माना लगाकर उसे समाज से बहिष्कृत कर दिया। बुजुर्ग महिला की गलती ये थी कि वह महिला अपनी तीन बेटियों के नाम जमीन करना चाहती थी, लेकिन महिला के ससुराल वाले यह नहीं चाहते थे।

खाप पंचायतों को ऐसे फैसलों की ताकत कहां से मिलती है?

खाप को असली ताकत उससे जुड़े लोगों और उनके बीच खाप की सर्वमान्यता से मिलती है। लोगों को बुलाकर जब खाप कोई फैसला लेती है तो लोकल स्तर पर प्रशासन और सरकार भी अलर्ट हो जाती है। किसान आंदोलन को सफल बनाने में खापों ने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इसके कारण केंद्र सरकार ने जो तीन नए कृषि कानून बनाए थे, उन्हें वापस ले लिया। उत्तर भारत के 5 राज्यों की राजनीति को खाप सीधे प्रभावित कर सकती है। यही वजह है कि हर राजनीतिक दल खाप प्रधानों से बेहतर रिश्ता बनाए रखना चाहते हैं। हरियाणा के दादरी विधानसभा क्षेत्र के सांगवान खाप के प्रधान सोमवीर सांगवान हैं। वह इस समय दादरी के निर्दलीय विधायक भी हैं। ऐसा माना जाता है कि खापों की ताकत पर ही सांगवान को चुनाव में जीत मिली थी।

छत्तीसगढ़ के पहले प्रोजेरिया पीड़ित का अलविदा

शैलेंद्र ध्रुव के निधन पर सीएम भूपेश ने जताया दुख, 2021 में बने थे एक दिन के कलेक्टर

गरियाबंद, 6 जून (एजेंसियां)। गरियाबंद जिले में लाइलाज बीमारी प्रोजेरिया से जूझ रहे 18 साल के शैलेंद्र ध्रुव का सोमवार रात निधन हो गया है। शैलेंद्र की इच्छा पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अक्टूबर 2021 में उसे एक दिन का कलेक्टर बनाया था। उस वक्त 16 साल का शैलेंद्र 11वीं कक्षा का छात्र था। शैलेंद्र मेडकी डबरी का रहने वाला था।

जानकारी के मुताबिक, एक दिन के कलेक्टर रहे शैलेंद्र ध्रुव की तबीयत सोमवार रात 9 बजे के करीब बिगड़ी। उसे सीने में तेज दर्द होने लगा। उसके परिजन उसे रसेला के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां शैलेंद्र की हालत बिगड़ती चली गई। उसने रात 10.30 बजे आखिरी सांस ली।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शैलेंद्र के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट किया कि 'सुबह दुखद सूचना मिली। शैलेंद्र ध्रुव अब हमारे बीच नहीं रहे। गरियाबंद के छुरा के ग्राम मेडकी डबरी के रहने वाले शैलेंद्र प्रोजेरिया बीमारी से ग्रसित थे। हमने उसकी एक दिन का कलेक्टर बनने की इच्छा तो पूरी कर दी थी, लेकिन ईश्वर की कुछ और इच्छा थी। भगवान उसका ख्याल रखें, घर वालों को हिम्मत मिले। ओम शांतिः"।

अक्टूबर 2021 में प्रोजेरिया से पीड़ित शैलेंद्र ध्रुव को एक दिन के लिए कलेक्टर बनाया गया था। डिप्टी कलेक्टर रुचि शर्मा शैलेंद्र को उनके घर लेने पहुंची थीं। वहीं कलेक्टर निलेश क्षीरसागर ने सारे प्रोटोकॉल का पालन किया था। खास बात ये है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एसपी कॉन्फ्रेंस में शैलेंद्र ध्रुव को अपनी बगल में बैठाया था और सारे उच्च अधिकारियों से उसकी मुलाकात भी कराई थी।

शैलेंद्र बचपन से कलेक्टर बनने का सपना देखता था, इसे प्रशासन ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आदेश पर पूरा किया था। 2021 में जैसे ही शैलेंद्र कलेक्टर ऑफिस पहुंचा, तो उससे मिलने कलेक्टर निलेश क्षीरसागर खुद कार तक आए और उसे शैडो कलेक्टर की जिम्मेदारी दी थी। इसके बाद वो मुख्यमंत्री से मिलने रायपुर पहुंचा था।

शैलेंद्र इस गंभीर बीमारी के चलते बॉलीवुड फिल्म पा के किरदार औरो की तरह दिखता था। फिल्म में यह किरदार अमिताभ बच्चन ने निभाया था।

गार्ड ऑफ ऑनर में दिया गया था स्थान

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर में आईजी-एसपी कॉन्फ्रेंस के दौरान ही शैलेंद्र से मुलाकात की थी। उन्होंने शैलेंद्र को अपने पास की कुर्सी पर बिठाया था। एसपी कॉन्फ्रेंस के बाद पुलिस बल द्वारा मुख्यमंत्री को दिए जाने वाले 'गार्ड ऑफ ऑनर' में भी शैलेन्द्र को भी स्थान दिया गया था। मुख्यमंत्री ने शैलेंद्र का परिचय मंत्रियों और अधिकारियों से भी कराया और गरियाबंद एसपी से कहा था कि वे शैलेंद्र को अपने दफ्तर में भी बुलाएं।

राज्य का पहला प्रोजेरिया पीड़ित

शैलेंद्र राज्य का पहला प्रोजेरिया पीड़ित था। उसकी बीमारी का पता 4 साल पहले चला था। बीमारी के कारण उसकी शारीरिक कोशिकाओं का अधिक विकास हो चुका था, जिसके चलते वह 80 साल के बुजुर्ग जैसा नजर आता था।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रांची, 6 जून (एजेंसियां)। झारखंड में अभी मौसम का मिजाज और गर्म होगा। धूप तेज होगी, तापमान बढ़ेगा और राज्य के कई हिस्सों में लू चलेगी। मौसम विभान विभाग नेअलर्ट जारी किया है। इस मौसम में सावधान रहने, बेवजह धूप में बाहर ना निकलने और बढ़ते तापमान में खुद को सुरक्षित रहने की अपील की है। झारखंड के जिन इलाकों में तापमान बढ़ रहा है उनमें उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज जैसे इलाके हैं जहां तापमान में वृद्धि हो रही है। इन इलाकों में लू चल रही देवघर में अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री के आंकड़े को पार कर रहा है। वही दूसे जगहों की बात करें तो, गढ़वा में 40.7, गिरिडीह में 40.2, गोड्डा में 43.4, पाकुड़ में 41.7, साहिबगंज में 40.3, पूर्वी सिंहभूम में 41.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अभी स्पष्ट तौर पर चेतावनी दी है कि तापमान के बढ़ने से गर्म हवा और लू का खतरा बढ़ रहा है।

राज्य के उत्तर-पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व इलाकों के लिए लू की चेतावनी है। अगले 4 दिनों तक राज्य में मौसम शुष्क रहने की संभावना जाहिर की गयी है।

जंगल में मिली युवती की लहूलुहान लाश

पत्थर से सिर कुचलकर हत्या, मामा के घर से 3 दिन पहले निकली थी, 3 संदिग्ध हिरासत में

बलरामपुर-रामानुजगंज, 6 जून (एजेंसियां)। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 3 दिन से लापता युवती की लहूलुहान लाश जंगल में मिली है। ग्राम पंचायत अमरपुर के आमादारा पाठ के जंगल में युवती की लाश मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव का सिर और गर्दन बुरी तरह से कुचला हुआ है। पुलिस ने इस मामले में 3 संदिग्धों को भी हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। मामला कुसमी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भुलसीकला के तेतरटोली की रहने वाली 20 वर्षीया सरस्वती कुमारी अपनी मां और पिता रामेश्वर गोंड़ के साथ अंबिकापुर में रहती थी। कुछ दिन पहले युवती भुलसीकला के तेतर टोली गांव में अपने मामा संजय गोंड़ के यहां आई थी। 2 जून को वह घर से तैयार होकर निकली थी, लेकिन फिर वापस नहीं लौटी। जब काफी देर हो गई, तो मामा ने उसे कॉल किया, मगर सरस्वती का मोबाइल लगातार स्विच ऑफ बता रहा था।

परेशान मामा संजय गोंड़ ने युवती के माता-पिता को इस बात की जानकारी दी। वहीं वे अन्य लोगों के साथ आसपास के गांव में भी भांजी की तलाश में जुटे हुए थे। इस बीच सोमवार को युवती की खून से लथपथ लाश ग्राम पंचायत अमरपुर के आमादारा पाठ के जंगल के पगडंडीनुमा रास्ते में पड़ी मिली। इसकी सूचना मिलने पर कुसमी थाना प्रभारी सुनील केरकेट्टा, एसआई कोमल तिग्गा सहित अन्य पुलिसकर्मी डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंचे। युवती के सिर पर पत्थर पटककर उसकी हत्या की गई है। गर्दन को भी पत्थर से कुचला गया है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। परिजनों का बयान दर्ज किया गया है। पुलिस को प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका है। पुलिस ने 3 संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने आमादारा के 2 और भुलसीकला के एक युवक को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया है। पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा करने की बात कही है।

जशपुर में 2 महीने पहले महिला टीचर की लाश मिली थी। वहीं उसकी कार 3 किलोमीटर दूर मिली। महिला 3 दिन पहले घर से परीक्षाओं की कॉपी जांचने के लिए निकली थी। मगर उसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला। अब उसका शव मिला है।

बिलासपुर में दो महीने पहले के एक छात्रा की लाश मिली थी। खूंटाघाट डैम में सुबह आसपास मौजूद लोगों ने लाश को तैरते देखा था। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि युवती 3 दिनों से गायब थी। घरवाले भी युवती की तलाश में थे। मगर कुछ पता नहीं चला। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का था।

कांकेर जिले में 4 महीने पहले एक युवक ने महिला की हत्या कर दी थी। उसने महिला पर अवैध संबंध बनाने दबाव बनाया था। मगर महिला नहीं मानी। इसी वजह से युवक ने पहले तो उससे विवाद किया। फिर पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। वारदात के पहले दोनों ने साथ में ही शराब भी पी थी।

बेटे ने पिता को उतारा मौत के घाट

पलामू, 6 जून (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में एक युवक ने अपने ही पिता की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने जमीन विवाद में अपने 70-वर्षीय पिता पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले के बाद मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव राजधानी रांची से करीब 200 किलोमीटर दूर छतरपुर-उदयगढ़ मार्ग के किनारे निर्माणाधीन मकान से बरामद किया गया।

बुजुर्ग की पहचान नारायण यादव और आरोपी की पहचान बिंदेश्वर के रूप में हुई है। नारायण यादव के तीन बेटे हैं, जिनमें बिंदेश्वर सबसे छोटा है। मकान का निर्माण मृतक अपने बड़े बेटे के लिए करा रहा था। छतरपुर पुलिस थाने के प्रभारी शेखर कुमार ने बताया कि प्रथमदृष्टया लगता है कि नारायण यादव नामक व्यक्ति की हत्या उसके बेटे बिंदेश्वर यादव ने रविवार रात को भूमि विवाद की वजह से कर दी। घटना के बाद से आरोपी बेटा फरार है।

पुलिस ने बताया कि एक भूमि के टुकड़े और चार लेन की सड़क परियोजना की जद में आई जमीन के एवज में मिली मुआवजे की राशि को लेकर पिता और पुत्र के बीच विवाद था। तीन दिन पहले भी दोनों के बीच झड़प हुई थी। पुलिस ने मृतक के दो बड़े बेटों उदेश्वर यादव और राजेश्वर यादव की शिकायत पर बिंदेश्वर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

लापता एंकर सलमा का सुराग नहीं

नर कंकाल की सूचना पर पहुंची पुलिस तो बन चुका था फोरलेन, अब आसपास कर रहे खोदाई

कोरबा, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में 'दृश्यम' मूवी जैसी हत्या की कहानी सामने आ रही है। एक लोकल न्यूज चैनल में काम करने वाली एंकर सलमा सुल्ताना लापता हो गई। उसका कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। करीब पांच साल बाद पुलिस को उसका नर कंकाल होने की सूचना मिली। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो वहां फोरलेन रोड बन चुकी थी। मूवी में भी इसी तरह शव दफनाए जाने के बाद थाने का निर्माण हो जाता है। फिलहाल फोरलेन के आसपास खोदाई करने के साथ ही स्क्रीनिंग कर नर कंकाल का पता लगाया जा रहा है।

संदिग्ध के हिरासत में आने पर पुलिस पहुंची फोरलेन

दरअसल, साल 2018 में कुसमुंडा क्षेत्र की रहने वाली और ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक टीवी चैनल में काम करने वाली एंकर सलमा सुल्ताना अचानक से लापता हो गई। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके बाद जांच शुरू की गई, लेकिन सलमा का कुछ पता नहीं चला। इसके बाद जांच ठंडे बस्ते में चली गई। अब जिले में नए एसपी आए और उन्होंने गुमशुदा लोगों की पुरानी फाइलें खोलने के आदेश दिए। इस बीच पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया तो सलमा के शव को कोहड़िया क्षेत्र में दफनाए जाने की सूचना दी।

पीडब्ल्यूडी से मांगा पुराना नक्शा, डायग्राम

पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन वहां पर फोरलेन सड़क बन चुकी है। ऐसे में पुलिस को नरकंकाल तलाश करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए रायपुर से विशेष टीम बुलाई गई है। जो करीब चार दिन से सड़क के आसपास जेसीबी से खोदाई कर नर कंकाल का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही जमीन की स्क्रीनिंग भी की जा रही है। हालांकि अब तक कुछ हाथ नहीं आया है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने अब पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों से पुराना नक्शा और रोड का डायग्राम मांगा है।

नक्सली दिनेश गोप की रिमांड खत्म, भेजा गया जेल

पूछताछ में नक्सली ने किए कई बड़े खुलासे, बताया कैसे होती थी उगाही, कहां छिपा रखा था हथियार

रांची, 6 जून (एजेंसियां)। गिरफ्तार पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप 22 मई से एनआईए की हिरासत में था। दिनेश गोप ने इस दौरान कई बड़े खुलासे किए हैं। गुमला और खूंटी इलाके में उसने कई अपने पुराने ठिकाने की जानकारी दी। उसने गुमला जिले में गोलियां छिपा रखी थी और खूंटी में एक जीप को जमीन के अंदर गाड़ रखा था। इसके अलावा भी पूछताछ में उसने कई अहम जानकारियां दी है।

कई अहम मामलों में हुई पूछताछ

टेरर फंडिंग से जुड़े मामले में भी उससे पूछताछ की गयी है। पीएलएफआई कैसे आर्थिक तौर पर खुद को मजबूत करता था इसकी भी जानकारी मांगी गयी। मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एनआईए के विशेष न्यायाधीश एमके वर्मा की अदालत में दिनेश गोप को पेश किया। उसे न्यायिक हिरासत में लेते हुए बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार भेज दिया गया। एनआईए ने गिरफ्तारी के बाद दिनेश गोप को पूछताछ के लिए पहली बार 22 मई को आठ दिनों की पुलिस रिमांड पर लिया था। इसके बाद 1 जून से 6 जून के दिन के 10 बजे तक पूछताछ की गयी।

जरूरत पड़ी तो फिर रिमांड में लेगी पुलिस

अब रिमांड की अवधि खत्म हुई जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया है। जरूरत पड़ने पर फिर से दिनेश गोप को एनआईए पुलिस रिमांड पर ले सकती है। पुलिस रिमांड के दौरान उसकी निशानदेही पर कईयों स्थानों से भारी संख्या में हथियारों का जखीरा बरामद किया गया है। एनआईए ने दिनेश गोप को 21 मई को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। एनआईए टीम ने उसे दो दिन के ट्रांजिट रिमांड पर लेकर 21 मई की शाम रांची पहुंची थी। 22 मई को अदालत में पेश किया गया। उसके बाद उससे लगातार पूछताछ की गयी जिसमें उसने कई अहम जानकारियां दी।

भूपेश बघेल ने 2023 चुनाव में किया जीत का दावा

रायपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 2023 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इशारों-इशारों में कांग्रेस की जीत का दावा कर दिए। उन्होंने कहा, भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को कर्नाटक में चुनाव लड़ते देखा है हमने, बस यही हश्र छत्तीसगढ़ में भी होने वाला है। दरअसल प्रदेश में केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता पहुंच रहे हैं। चुनावों में भाजपा की ओर से फोकस भी केंद्र की ओर है।

कोंडागांव पहुंचकर भूपेश बघेल ने 213 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी है। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को महुआ फूल से तौला। इसी कार्यक्रम से सीएम ने डॉक्टर तुमचो दुआर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कोंडागांव रवाना होने से पहले भूपेश बघेल ने कहा, भाजपा में सिर्फ ऐक्सपैरिमैंट चल रहा है। मुझे तो लगता है कि चुनाव से पहले प्रभारी न बदल दिए जाएं। क्योंकि दुग्गाबती (डी पुरंदेश्वरी पूर्व भाजपा प्रदेश प्रभारी) जी बदल गईं, जामवाल आए मगर उन्हें किनारे रखा। नितिन नबीन भी हासिये पर हैं। इसी तरह की स्थिति सीनियर लीडर ओम माथुर की है। क्योंकि माथुर भाजपा के सभी नेताओं को एक मंच पर नहीं ला पा रहे हैं। अकेले बिना स्थानीय नेताओं के बस्तर घूम रहे हैं।

रमन सिंह को बेदखल किया

रमन सिंह को लेकर भूपेश बघेल ने कहा- वो कमांडो घेरे से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। वो कार्यकर्ता से दूर हो गए। पब्लिक से दूर हो गए। लेकिन कमांडो घेरा बना हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री होने के बाद भी वर्तमान मुख्यमंत्री से ज्यादा सुरक्षा घेरे में हैं। 15 साल के मुख्यमंत्री को भी पार्टी ने बेदखल कर दिया है। साय को भाजपा ने बदल दिया।

द्रौपदी मुर्मू को मिला सूरीनाम का सर्वोच्च नागरिक अवॉर्ड

ये पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय बनीं

प्रेसिडेंट चंद्रिकाप्रसाद संतोखी ने किया सम्मानित

पारामरिबो, 6 जून (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सूरीनाम के सर्वोच्च नागरिक अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। रिपब्लिक ऑफ सूरीनाम के प्रेसिडेंट चंद्रिका प्रसाद संतोखी ने सोमवार को उन्हें 'द ग्रैंड ऑर्डर ऑफ द चेन ऑफ यलो स्टार' अवॉर्ड दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ये अवॉर्ड पाने वाली पहली भारतीय बन गई हैं।

अवॉर्ड पाने के बाद मुर्मू ने कहा, 'मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह न सिर्फ मेरे लिए बल्कि भारत के 140 करोड़ लोगों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।'

दोनों देशों के बीच 4 एमओयू साइन हुए

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को प्रेसिडेंट पैलेस में संतोखी से मुलाकात की। दोनों के बीच डेलिगेशन लेवल की बातचीत भी हुई। इसके बाद दोनों देशों के बीच 4 मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग (एमओयू) भी साइन हुए। ये एमओयू हेल्थ, कृषि और कैपेसिटी बिल्डिंग के फील्ड में किए गए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू रविवार को सूरीनाम पहुंची थीं। राजधानी पारामरिबो के जोहान एडॉल्फ पेंगेल एयरपोर्ट पर प्रेसिडेंट चंद्रिका संतोखी ने पूरी राजकीय सम्मान के साथ उनका स्वागत किया था।

मुर्मू बोलीं- दोनों देशों के बीच व्यापार क्षमता से कम

मुर्मू ने कहा कि भारत की तरह सूरीनाम में भी कई जाति, धर्मों और भाषाएं बोलने वाले लोग रहते हैं। भारत और सूरीनाम की दोस्ती ऐतिहासिक और कल्चरल रिलेशंस पर बनी है। हालांकि, दोनों देशों के बीच व्यापार क्षमता से काफी कम है। द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने के लिए सहयोग बढ़ाने की जरूरत है। रक्षा, आयुर्वेद और फार्मा क्षेत्र में सहयोग और बढ़ाया जा सकता है।

भारत तकनीकी सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत तकनीकी सहयोग बढ़ाने और सूरीनाम के ह्यूमन रिसोर्स के स्किल डवलेपमेंट के लिए प्रतिबद्ध है। भारत क्विक इंपैक्ट प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देकर सूरीनाम के सामाजिक-आर्थिक विकास में भागीदार बनने के लिए तैयार है। उन्होंने सूरीनाम द्वारा इंडिया-यूएनडीपी फंड के तहत बनाए गए 'अर्ली फ्लड वार्निंग सिस्टम' के अप्रूव होने पर भी खुशी जताई।

श्रीलंका में इसी वर्ष होगा राष्ट्रपति चुनाव

क्या संविधान संशोधन के लिए तैयार होंगे विक्रमसिंघे?

कोलंबो, 6 जून (एजेंसियां)। खबर है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे खुद के लिए जनादेश हासिल करने के मकसद से इसी वर्ष राष्ट्रपति चुनाव कराने की तैयारी कर रहे हैं। विक्रमसिंघे पिछले साल एक खास परिस्थिति में राष्ट्रपति बने थे। उनकी अकसर यह आलोचना होती रहती है कि बिना जनता से निर्वाचित हुए वे सारी सत्ता को अपने हाथ में लेते चले गए हैं। खबरों के मुताबिक अब विक्रमसिंघे ने इस आलोचना से उबरने का मन बना लिया है। यह खबर श्रीलंका के सियासी हलकों में काफी चर्चित है। कुछ हलकों से यह भी कहा गया है कि श्रीलंका के संविधान में समय से पहले चुनाव का प्रावधान नहीं है। इसलिए अगर विक्रमसिंघे सचमुच जल्द चुनाव कराना चाहते हैं, तो उन्हें इसके लिए पहले संविधान में संशोधन करना होगा। राष्ट्रपति का मौजूदा कार्यकाल 2024 के नवंबर तक है। जाने-माने वकील गेहान गुनातिलके ने वेबसाइट इकॉनमीनेक्स्ट.कॉम ने कहा कि संविधान संशोधन के बिना तय समय से पहले चुनाव कराना संभव नहीं है। संविधान संशोधन को पारित कराने के लिए संसद में दो तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। इसके बाद भी पारित बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान संशोधन को वैध ठहराया, तभी जाकर इस वर्ष चुनाव कराना संभव हो सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैध ठहरा दिया, तो फिर राष्ट्रपति के पास एकमात्र रास्ता इस संशोधन बिल पर जनमत संग्रह कराने का बचेगा।

यूक्रेन का सबसे बड़ा बांध 'काखोवका' जंग में तबाह

बाढ़ से 80 गांव डूबने का खतरा, रूस-यूक्रेन ने एक-दूसरे पर लगाए आरोप

कीव, 6 जून (एजेंसियां)। जंग के बीच मंगलवार को यूक्रेन का सबसे बड़ा डैम यानी बांध तबाह हो गया। बांध का नाम काखोवका है जो उत्तरी यूक्रेन में था। रूस-यूक्रेन ने एक-दूसरे पर इसे तबाह करने के आरोप लगाए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बांध पर अटैक के बाद निकला पानी जंग के मैदान तक पहुंच गया।

बाढ़ के डर से आस पास के गांवों को खाली कराया जा रहा है। खरसोन को अलर्ट पर रखा गया है। वहीं रूसी न्यूज एजेंसी के मुताबिक 80 गांवों को बाढ़ का खतरा है। यूक्रेन में ये बांध सोवियत संघ के शासन के दौरान 1956 में बनाया गया था। नाइपर नदी पर बना ये बांध 30 मीटर लंबा है और 3.2 किलोमीटर के इलाके में फैला हुआ है।

जेलेंस्की ने बुलाई इमरजेंसी बैठक

यूक्रेन के उत्तरी कमांड के सैन्य अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि काखोवका बांध पर रूस ने हमला किया है। वहीं, जेलेंस्की ने इसे लेकर एक इमेरजेंसी बैठक बुलाई है। जबकि बांध रूस के कब्जे वाले इलाके में है और रूसी सेना ने यूक्रेनी हमले में इसके तबाह होने की बात कही है।काखोवका बांध से ही क्रीमिया और जापरोजिया न्यूक्लियर प्लांट में पानी की आपूर्ति की जाती है।

इंटरनेशनल कोर्ट में आमने-सामने होंगे रूस-यूक्रेन

आज इटंरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में भी रूस और यूक्रेन आमने-सामने होंगे। यूक्रेन का आरोप है कि रूस सालों से यूक्रेनी अलगाववादियों का समर्थन कर रहा है। जिससे यूक्रेन में हमले हो रहे हैं। इस पूरे मामले में द हेग में दोनों देश अपने पक्ष में दलील देंगे। इस केस को यूक्रेन ने जंग से 5 साल पहले दर्ज कराया था। 2022 में हमले के बाद यूक्रेन ने रूस खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में कई और मामले भी दर्ज कराए हैं।

17 मार्च को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने यूक्रेन में वॉर क्राइम के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। कोर्ट ने कहा था कि पुतिन यूक्रेनी बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के अपराध के लिए जिम्मेदार हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने इस पर रिएक्शन देते हुए कहा कि यह तो महज एक शुरुआत है। आईसीसी ने कहा कि उसके पास यह मानने के लिए उचित आधार है कि उन्होंने न सिर्फ इन अपराधों को अंजाम दिया, बल्कि इसमें दूसरों की भी मदद की। कोर्ट ने यह भी कहा था कि रूसी राष्ट्रपति बच्चों को निर्वासित करने वाले अन्य लोगों को रोकने के लिए अपने अधिकारों का प्रयोग करने में नाकाम रहे।

चीन का दावा-भारत हमारे हथियारों का मुकाबला नहीं कर सकता

सेना का मॉडर्नाइजेशन नहीं किया, मैन्यूफैक्चरिंग में भी पीछे

बीजिंग, 6 जून (एजेंसियां)। चीन ने सिंगापुर में हुए एशिया के सबसे बड़े सिक्योरिटी डायलॉग में कहा है कि उन्हें भारत से सुरक्षा का कोई खतरा नहीं है। चीनी सेना के डेलिगेट्स ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि उनके मुकाबले भारत ने सेना को मॉडर्नाइज नहीं किया है यानी समय के मुताबिक बेहतर नहीं बनाया है। इसके चलते भारत उन्हें चुनौती नहीं दे सकता है।

अधिकारियों ने कहा- चीन की डिफेंस इंडस्ट्री और मैन्यूफैक्चरिंग के मुकाबले में भारत अभी काफी पीछे है। हमारे जितना बेहतर बनने में उनको कई दशक लग जाएंगे।

चीनी अधिकारियों का सवाल- क्या भारत ने खुद कोई हथियार बनाया है?

चीनी सेना की अकेडमी ऑफ मिलिट्री साइंस के सिनियर कर्नल झाओ शियाओझुओ ने कहा- आप भारतीय सेना के मिलिट्री सिस्टम को देखें तो उसमें शायद ही कोई टैंक, एयक्राफ्ट या युद्धपोत खुद से बनाया हुआ है। वहीं, एक दूसरे अधिकारी सीनियर कर्नल झांग ची ने कहा- भारत ने सुपर पावर बनने के लिए अपनी सेना को मॉडर्नाइज करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, लेकिन फिर भी इसका असर चीन-भारत के रिश्तों पर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने इंडो-पैसिफिक में चीन को काउंटर करने के लिए बनाए गए क्वाड पर भी प्रतिक्रिया दी। कहा- इससे ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों में दोनों देशों के बीच के संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

चीन ने ताइवान और साउथ चाइना सी में अमेरिका से बढ़ते विवादों के बीच अपने डिफेंस बजट में 2022 में 4.2% की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद चीन डिफेंस बजट पर खर्च के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है। चीन का बजट भारत से लगभग 4 गुना ज्यादा है। भारत ने अपने डिफेंस पर 2022 में 6 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि चीन ने 23 लाख करोड़ रुपए का खर्चा किया था।

चीन के फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर में कई बड़ी दरारें आई हैं। इसका खुलासा सैटेलाइट इमेज में हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन्हें चीन ने खुद बनाया था। ये एयक्राफ्ट कैरियर चीन के ब्लू वॉटर नेवी बनने के मिशन का हिस्सा है। ब्लू वॉटर नेवी उस नौसेना को कहा जाता है जो बहुत बड़े समुद्री क्षेत्र में खुद को प्रोजेक्ट करने की क्षमता रखती हैं। सीधे शब्दों में कहें तो यह एक ऐसी नौसेना है जो दुनिया के विशाल, गहरे महासागरों में जा सकती हैं। 2035 तक चीन की 6 और एयरक्राफ्ट कैरियर बनाने की योजना है। हालांकि, पहले से बनाए गए कैरियर में दरारें आने से इन पर सवाल उठ रहे हैं।

ईरान ने किया हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल बनाने का दावा

ये स्पीड ऑफ साउंड से 5 गुना तेज, अमेरिकी एंटी-मिसाइल सिस्टम को भेदने में सक्षम

तहरान, 6 जून (एजेंसियां)। ईरान ने पहली हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल बनाने का दावा किया है। इस मिसाइल का नाम फतह रखा गया है। ईरान के स्टेट मीडिया आईआरएनए ने मंगलवार को इसकी तस्वीरें भी जारी कीं। इस मिसाइल की रेंज 1,400 किमी बताई जा रही है। आईआरएनए के मुताबिक, इसकी स्पीड 15 हजार किमी/घंटा है, जो स्पीड ऑफ साउंड से पांच गुना ज्यादा है।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के सामने रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने ये मिसाइल पेश की। ईरान का दावा है कि फतह मिसाइल अमेरिका के सबसे एडवांस्ड एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम सहित इजराइल के आयरन डोम को भी पार कर हमला करने में सक्षम है। अमेरिका और यूरोप के विरोध के बावजूद ईरान ने कहा है कि वह अपने मिसाइल कार्यक्रम को और विकसित करेगा।

पिछले साल भी ईरान के कमांडर ने किया था दावा

वहीं, पश्चिमी देशों के मिलिट्री एक्सपर्ट्स ने कहा है कि ईरान हमेशा अपनी मिसाइल की क्षमताओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करता है। ईरान ने इस बार भी अपनी मिसाइल के गुणों को लेकर कोई सबूत पेश नहीं किया है। इससे पहले पिछले साल नवंबर में

भी ईरान के रिवॉल्युशनरी गार्ड के कमांडर आमिर अली हाजीजादेह ने हाइपरसोनिक मिसाइल बनाने का दावा किया था। हाजीजादेह ने कहा था कि उनकी मिसाइल को रोकना किसी के लिए नाममुकिन होगा। ये हर एंटी-डिफेंस सिस्टम को तबाह करने में सक्षम है।

2 हजार की रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइल बनाई

ईरान ने 25 मई को 2 हजार किमी की रेंज वाली एक बैलिस्टिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग की थी। ईरान ने कहा था कि उनकी ये मिसाइल मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिका और इजराइल के बेस तक पहुंचने में सक्षम है। आईआरएनए के मुताबिक, इस मिसाइल को फारस की खाड़ी में गश्त करने वाले युद्धपोतों और पनडुब्बियों पर तैनात किया गया है। यह बैलिस्टिक मिसाइल अमेरिका के टॉमहॉक से भी ज्यादा दूरी तक मार करने में सक्षम है।

ईरान पहाड़ों के नीचे बना रहा परमाणु हथियार

इससे कुछ दिन पहले न्यूज एजेंसी एपी की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ईरान अपनी न्यूक्लियर फैसिलिटी को इजराइल और अमेरिका के हमले से बचाने की पूरी कोशिश कर रहा है। वो अब पहाड़ी इलाके में जमीन के नीचे परमाणु हथियार बना रहा है। इसकी सैटेलाइट तस्वीरें भी सामने आई थीं। ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए उसकी न्यूक्लियर फैसिलिटी पर कई बार हमले हुए हैं। नातांज न्यूक्लियर साइट पर स्टक्सनेट वायरस से हमला किया गया था। यह इजराइल और अमेरिका में बना वायरस था।

2010 में ईरान पर लगी थीं पाबंदियां

दरअसल, ईरान करीब 22 साल से एटमी ताकत हासिल करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका समेत पश्चिमी देश, इजराइल और अरब वर्ल्ड को लगता है कि अगर ईरान ने न्यूक्लियर हथियार बना लिए तो इससे दुनिया को खतरा पैदा हो जाएगा। 2010 में ईरान को रोकने के लिए यूएन सिक्योरिटी काउंसिल, यूरोपीय यूनियन और अमेरिका ने पाबंदियां लगाई थीं। इनमें से ज्यादातर अब भी जारी हैं। 2015 में ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए एक डील की गई थी। इसमें ईरान, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, जर्मनी, रूस और अमेरिका शामिल थे। इस डील में तय किया गया था कि ईरान समय-समय पर अपने न्यूक्लियर रिएक्टर्स की जांच यूएन से कराएगा और अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को और आगे नहीं बढ़ाएगा। हालांकि 2018 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस समझौते से अमेरिका को बाहर कर दिया था।

अमेरिका ने कहा- भारत में वाइब्रेंट डेमोक्रेसी

प्रेस ब्रीफिंग में लोकतंत्र के सवाल पर व्हाइट हाउस का जवाब-दिल्ली जाकर खुद देख लें

वॉशिंगटन, 6 जून (एजेंसियां)। राहुल गांधी के अमेरिका दौरे के बाद भारत के लोकतंत्र को लेकर एक सवाल पर अमेरिका की तरफ से बड़ा बयान सामने आया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा- भारत एक ऐसा लोकतांत्रिक देश है जो लगातार विकास कर रहा है। जो भी नई दिल्ली जाता है वो इसे देख और महसूस कर सकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के वक्त हम लोकतंत्र के संस्थानों की ताकत पर भी चर्चा करेंगे।

किर्बी ने कहा- भारत कई स्तरों पर अमेरिका का मजबूत साझेदार है। वो क्वॉड का मेंबर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में हमारा खास दोस्त है। शांगरी-ला डायलॉग में रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भारत के साथ अतिरिक्त रक्षा सहयोग की घोषणा की है। अमेरिका के भारत के साथ रिश्ते कई स्तरों पर मायने रखते हैं। राष्ट्रपति बाइडेन पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के वक्त कई अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हमारा लक्ष्य इस पार्टनरशिप को और आगे ले जाना है।

पीएम मोदी के दौरे का मकसद दोनों देशों के रिश्तों को आगे बढ़ाना

व्हाइट हाउस प्रवक्ता ने कहा-

हम किसी भी मुद्दे पर बात करने में कतराते नहीं हैं और आप अपने दोस्तों के साथ ही ऐसा कर सकते हैं। हालांकि, पीएम मोदी की इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच दोस्ती और भागीदारी को और आगे बढ़ाना है।

व्हाइट हाउस बोला- चीन के रवैये से किसी को चोट लग सकती है

साउथ चाइना सी में अमेरिका की चीनी युद्धपोत से टकराव को लेकर व्हाइट हाउस ने कहा- ताइवान स्ट्रेट में आक्रामकता के लिए चीन की सेना जिम्मेदार है। चीन को ऐसी लापरवाही से बचना चाहिए। इसकी वजह से कई बार गलती हो जाती है और जिससे किसी को चोट भी पहुंच सकती है। अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में इस तरह के इंटरसेप्शन्स होते रहते हैं। हम भी ये करते हैं लेकिन ये पूरी तरह से प्रोफेशनल होता है और तब किया जाता है जब इसकी बहुत ज्यादा जरूरत हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 24 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच 350 फाइटर जेट इंजनों के भारत में निर्माण का बड़ा रणनीतिक सौदा हो सकता है। इसके अलावा, 22 हजार करोड़ रुपए की 30 एमक्यू-9 बी आर्म्ड ड्रोन खरीदने की डील भी होने की संभावना है।

इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन व्हाइट हाउस में पीएम मोदी के लिए स्टेट डिनर भी होस्ट करेंगे। दौरे के तहत पीएम मोदी 22 जून को दूसरी बार अमेरिकी संसद (कांग्रेस) को भी संबोधित करेंगे। इससे पहले उन्होंने 2016 में भी कांग्रेस को एड्रेस किया था। पीएम मोदी ऐसा करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री होंगे। पीएम मोदी के अमेरिका दौरे से पहले 4 जून को अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। उन्हें तीनों सेनाओं की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राजनाथ सिंह ने लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद बताया कि दोनों देशों में डिफेंस क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। लॉयड ऑस्टिन ने बताया कि दोनों देशों के बीच डिफेंस पार्टनरशिप को मजबूत करने के लिए एक नई पहल की जा रही है। इसे इनदस-एक्स कहा गया है। इसकी शुरुआत पीएम मोदी अमेरिका दौरे के वक्त करेंगे।

शाही इतिहास के 100 सालों में पहली बार हाईकोर्ट में पेश हुए प्रिंस हैरी

लंदन, 6 जून (एजेंसियां)। ब्रिटिश शाही इतिहास के 100 सालों में पहली बार प्रिंस हैरी गवाही के लिए हाईकोर्ट में पेश हुए हैं। ब्रिटिश समाचार पत्र डेली मिरर पर लगे आरोपों के मामलों में गवाही देने प्रिंस सोमवार को लंदन हाईकोर्ट आए थे। डेली मिरर के पत्रकारों पर आरोप है कि वे फोन हैकिंग सहित कई गैरकानूनी कामों में लिप्त है। ससेक्स के राजकुमार अपने पत्नी मेघन मार्कले और दो बच्चों के साथ अब राजघराने में न रहकर अमेरिका में रह रहे हैं। एमजीएन की जासूसी और धोखे के कारण उनके निजी जीवन पर काफी फर्क पड़ा है। एमजीएन पर आरोप है कि डेली मिरर, संडे मिरर और संडे अपील फोन हैकिंग और धोखाधड़ी काम कर रहे हैं। एमजीएन 1996 से 2010 तक निजी जासूस से निजी जिंदगी की जानकारियां एकत्रित करता था। एमजीएन ने विवादों पर कहा कि मामला कोर्ट में लाने में देरी हुई है। आरोपी पक्ष के वकील मामले में प्रिंस से सवाल पूछ सकते हैं। राजकुमार के वकील ने बताया कि सुनवाई शुरू होते ही पत्रकारों ने राजकुमारी डायना हैरी की स्वर्गवासी मां की आवाजें सुनीं। हैरी का कहना है कि 140 स्टोरीज जो एमजीएन द्वारा छापी गई थीं, फोन-हैकिंग या अन्य गैरकानूनी कृत्य का परिणाम थीं।

पीटीआई नेता महमूद कुरैशी होगें रिहा

पूर्व पीएम इमरान खान को लाहौर हाईकोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

इस्लामाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान इन दिनों अब तक सबसे बड़ा राजनीतिक संकट झेल रहा है। मुख्य विपक्षी पार्टी पीटीआई के नेताओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। साथ ही गिरफ्तारी और कार्रवाई से बचने के लिए बड़े और करीबी नेता इमरान खान का साथ छोड़ रहे हैं। वहीं पाकिस्तान की एक अदालत ने मंगलवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी की तत्काल रिहाई का आदेश दिया है। कुरैशी को 9 मई को हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद गिरफ्तार किया गया था।

महमूद कुरैशी को इमरान खान का खास माना जाता है और जब इमरान की सरकार थी तो उन्होंने 2018 से 2022 तक पाकिस्तान के विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया था। वह नौ मई को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद गिरफ्तार किए गए पीटीआई के शीर्ष नेताओं में शामिल थे। वह कई बार छूटे भी थे लेकिन इस बीच उन्हें कई बार गिरफ्तार किया गया।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कुरैशी की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को लाहौर हाईकोर्ट की रावलपिंडी पीठ ने आदेश दिया कि कुरैशी को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के अध्यादेश (एमपीओ) के तहत अब और गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए। सुनवाई की अध्यक्षता करने वाले न्यायमूर्ति चौधरी अब्दुल अजीज ने भी रावलपिंडी के डिप्टी कमिश्नर के एमपीओ के आदेशों को अवैध घोषित किया और अधिकारियों को कुरैशी को जमानत बांड जमा करने के लिए कहे बिना तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस अधिकारी से पूछा कि क्या कुरैशी ने कोई भाषण दिया था या किसी विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। अदालत ने पुलिस अधिकारी को पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के खिलाफ सबूत पेश करने का निर्देश दिया और कहा कि कोई भी राजनीतिक नेता राजनीतिक सभा में अपने शब्दों को नियंत्रित नहीं कर सकता है। अधिकारी ने सबूत जमा करने के लिए दो दिन का समय मांगा। हालांकि, अदालत ने उन्हें सरकार से निर्देश लेने के एक घंटे के भीतर अदालत को अपडेट करने का निर्देश दिया। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई एक घंटे के लिए स्थगित कर दी। वहीं महमूद कुरैशी के बेटे जैन कुरैशी ने कहा कि उनके पिता ने केवल सिद्धांतों की राजनीति की है लालच की नहीं।

युवाओं को मुस्कुराने की ट्रेनिंग

टोक्यो, 6 जून (एजेंसियां)। कोविड-19 ने दुनिया में लाखों लोगों की जान ली। इसके अलावा कई दूसरी तरह के अनगिनत नुकसान भी हुए। जापान में तो अजीब तरह का मामला सामने आया है। यहां के लोग और खासकर यंग जेनरेशन ठीक तरह से मुस्कुराना भी भूल गई।

अब यहां स्पेशल क्लासेज के जरिए लोगों को सही तरह से मुस्कुराना सिखाया जा रहा है, लेकिन ये मुफ्त में नहीं है, बल्कि इसके लिए हजारों रुपए चुकाने पड़ रहे हैं। हमेशा मास्क लगाए रहने की वजह से जापानी ठीक से मुस्कुराना भूल गए थे। ट्रेनिंग में इन्हें हॉलीवुड स्टाइल की स्माइल सिखाई जा रही है।

हर चेहरे के सामने आईना

सही तरीके से स्माइल सीख रहे युवाओं पर 'जापान टाइम्स' ने एक रिपोर्ट पब्लिश की है। इसके मुताबिक टोक्यो आर्ट स्कूल के कई स्टूडेंट्स हाथों में आईना यानी मिरर लेकर मुस्कुराहट सुधारने की प्रैक्टिस कर रहे हैं। मुंह के दोनों तरफ के हिस्सों को चौड़ा करने के लिए 'माउथ स्ट्रेचिंग' एक्सरसाइज चल रही है। इनके साथ एक ट्रेनर भी मौजूद रहता है।

ट्रेनर का नाम कवानो है और वो मुस्कुराने का हुनर सिखाने के लिए तगड़ी फीस वसूल करती हैं। इसके बावजूद कवानो के स्टूडेंट्स की तादाद बढ़ती जा रही है। इनमें सिर्फ यंग जेनरेशन शामिल नहीं है, कुछ बुजुर्ग भी इन क्लासेज में आ रहे हैं।

19 हजार किसानों की जमीन कुर्क: कर्ज नहीं चुका पाए ; भाजपा बोली- झूठ सामने आया, मुद्दा बनाएंगे

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। बैंकों का कर्ज नहीं चुका पाने के कारण चार साल में राजस्थान के 19 हजार से ज्यादा किसानों की जमीनें कुर्क कर ली गई हैं। ये विपक्षी पार्टी या किसी नेता का आरोप नहीं है। विधानसभा में खुद सरकार ने ये बात स्वीकार की है।

विधानसभा की ओर से एक दिन पहले विधायक नरपत सिंह राजवी को दिए गए एक सवाल के जवाब में यह खुलासा हुआ है कि राजस्व विभाग और राजस्व मंडल के आंकड़ों के अनुसार 19 हजार 422 किसानों की जमीनें कुर्क की गई हैं।

ये जवाब चौंकाने वाला इसलिए है कि क्योंकि राजस्थान में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए 51 छोड़ी-बड़ी योजनाएं चलाई जा रही हैं। राजस्थान इकलौता राज्य है, जहां पिछले दो साल से अलग कृषि बजट पेश किया जा रहा है।

किसान आयोग, राज्य बीज निगम, राजस्थान कृषि विपणन बोर्ड जैसी संस्थाएं भी संचालित हैं। इनमें सरकार ने अपने नेताओं को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देकर चैयरमैन बना रखा है। इन सबके बावजूद कर्ज ना चुका पाने के कारण किसानों की जमीनें कुर्क हो रही हैं।

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया से बात की तो उनका कहना था कि किसानों को ग्रामीण सहकारिता समितियों (जीएसएस) के माध्यम से फसलों के लिए कर्ज दिया जाता है। हमारे विभाग से किसानों से संबंधित आंकड़े मांगे जाते हैं, तो हम देते हैं। विधानसभा से जो जवाब मिला है, उसे मैंने अभी तक देखा नहीं है। जल्द ही इस विषय में मुख्यमंत्री गहलोत से बात करेंगे। इधर, विधायक राजवी अब इस जानकारी को अपनी पार्टी भाजपा के प्रदेश व राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजने की तैयारी कर रहे हैं। भाजपा इसे अब प्रदेश भर में राजनीतिक मुद्दा बनाएगी।

विधानसभा में सरकार ने झूठ बोला था, आंकड़ों ने पोल खोल दी : राजवी

विद्याधर नगर से विधायक और पूर्व चिकित्सा मंत्री नरपत सिंह राजवी ने बताया कि वर्ष 2018 के चुनावों में कांग्रेस ने वादा किया था कि सरकार बनने के बाद 10 दिनों में किसानों का सारा कर्ज माफ कर देंगे।

जबकि हकीकत यह है कि जो किसान कर्जा नहीं चुका सके, उनकी खेती की जमीनों को सरकार ने कुर्क करने की कार्रवाई की है। 19,422 किसानों से उनकी जिंदगी का आधार उनकी जमीन को छीन लिया गया है। खुद सरकार के आंकड़ों ने ही सरकार की पोल खोल दी है। अब भी वक्त है कि सरकार उन किसानों की जमीनों का मुआवजा देकर इस पाप का प्रायश्चित कर सकती है।

साथ ही सरकार को तुरंत कार्रवाई कर उन किसानों की जमीनों को बचाना चाहिए, जिन्हें कुर्की का नोटिस मिल चुका है।

बैंकों से बातचीत कर कोई रास्ता निकालना चाहिए। जहां तक संभव हो सरकार को किसानों का कर्जा चुकाना ही चाहिए, वरना राजस्थान में लाखों परिवारों के सामने जीवन का संकट खड़ा हो जाएगा।

कांग्रेस सरकार का दावा: 22 लाख किसानों के कर्ज माफ किए

सरकार ने दिसंबर-2022 में दावा किया था कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार ने बीते चार साल में 22 लाख किसानों के कर्ज माफ किए हैं। राजस्थान में किसानों के खातों में सरकार की तरफ से हर माह एक हजार रुपए जमा भी कराए जाते हैं। सीएम गहलोत कई बार केंद्र सरकार से मांग कर चुके हैं कि वो पहल करके पूरे देश में एक साथ किसानों का कर्जा माफ करे। इस विषय में सीएम गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गत दिनों एक पत्र भी लिखा है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक दिन विधानसभा में कहा था कि किसानों की जमीनों को कुर्क नहीं किया जाएगा। जब विधानसभा में ही झूठ बोल दिया जाए तो फिर क्या शेष बचता है।
-नरपत सिंह राजवी
विधायक

पूनिया ने सीएम को पत्र लिखा था

24 जनवरी-2022 को तत्कालीन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और वर्तमान उप नेता प्रतिपक्ष (विधानसभा) डॉ. सतीश पूनिया ने सीएम गहलोत को एक पत्र लिखकर मांग की थी कि प्रदेश के समस्त किसानों के बैंक लोन माफ किए जाएं। पूनिया ने उस पत्र में एक लाख 35 हजार किसानों के सामने बैंकों का कर्जा ना चुका पाने पर जमीनें कुर्क होने का खतरा मंडराने की चेतावनी भी दी थी।

तब तक विभिन्न बैंकों ने 9000 किसानों की जमीनों को कुर्क करवाने के लिए सरकारी-विधिक कार्रवाई शुरू भी कर दी थी। पूनिया ने लिखा था कि प्रदेश सरकार को अपना वादा निभाना चाहिए। बेवजह गेंद को केंद्र सरकार के पाले में नहीं फेंकना चाहिए।

राहुल गांधी ने किया था कर्ज माफ करने का वादा

कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने 26 नवंबर-2018 को पोकरण (जैसलमेर) में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले हुई एक सभा में यह वादा किया था कि अगर कांग्रेस की राजस्थान में सरकार बनेगी तो 10 दिनों के भीतर किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा। पोकरण के बाद यह वादा राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में हुई विभिन्न सभाओं में भी किया था। दिसंबर-2018 में तीनों राज्यों में कांग्रेस की जीत हुई थी।

केवल सहकारिता बैंकों के कर्जे हुए माफ

प्रदेश में जो भी कर्जमाफी हुई, केवल सहकारिता बैंकों की हुई। इसके एवज में राज्य सरकार द्वारा अब तक 14000-16000 करोड़ रुपए तक का भार वहन किया गया है। किसान कर्ज केवल सहकारिता बैंकों से नहीं बल्कि नेशनल, कॉमर्शियल, नेशनलाइज्ड रूरल बैंकों आदि से भी लेते हैं।

खेती-किसानी के नाम पर जो कर्जा लिया जाता है, अच्छी फसल होने पर वापस चुका दिया जाता है, लेकिन कई बार फसल नहीं हो पाने पर गिरवी रखी जमीन पर खतरा मंडराने लगता है। छोटे किसानों (5-10 बीघा जमीन वाले) को ज्यादा परेशानी होती है और जमीन कुर्क करने की कार्रवाई शुरू हो जाती है।

अलवर, जयपुर व हनुमानगढ़ में सबसे ज्यादा मामले

राजस्व विभाग और राजस्व मंडल के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश भर में 19 हजार 422 किसानों की जमीनें कर्ज नहीं चुका पाने के चलते कुर्क की गई हैं। इनमें सर्वाधिक मामले अलवर, जयपुर और हनुमानगढ़ जिलों के हैं, जहां क्रमशः 4421, 2945 और 1906 किसानों की जमीनें कुर्क की गईं।

जैसलमेर, डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिलों में एक भी किसान की जमीन कुर्क नहीं की गई। जयपुर, श्रीगंगानर, भरतपुर, अलवर, कोटा, टोंक, सीकर, झुंझुनूं, नागौर जिलों में ज्यादा किसानों की जमीनें कुर्क हुई हैं। यह वे जिले हैं, जहां खेती-किसानी बहुत समृद्ध हैं और जमीनों के भाव भी बहुत ऊंचे हैं।

छह महीने लगे जानकारी एकत्रित करने में

विधानसभा सचिवालय को राजस्थान राजस्व मंडल (अजमेर) ने यह जानकारी उपलब्ध करवाई है। मंडल के अतिरिक्त निबंधक (वित्त एवं लेखा) कृष्ण पाल सिंह ने यह जानकारी जुटाई है।

मंडल को पूरे प्रदेश में अब तक हुई किसानों की जमीन कुर्की के मामलों को खोजने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। जब एक के बाद एक जिलों से आंकड़े-तथ्य आना शुरू हुए तो इतनी बड़ी संख्या देखकर मंडल के अधिकारी भी चौंक गए।

65 प्रतिशत आबादी सीधे कृषि कार्यों पर निर्भर हैं

राजस्थान में करीब 8 करोड़ लोग रहते हैं, जिनमें से आयोजना विभाग व वित्त विभाग के आंकड़ों के अनुसार अनुसार लगभग 65 प्रतिशत (करीब 5 करोड़ 20 लाख लोग) सीधे कृषि कार्यों पर निर्भर हैं। ऐसे में 19,422 किसानों से उनकी जमीन छिन जाने का सीधा असर लाखों लोगों के जीवन पर पड़ेगा। अभी हजारों किसान और भी हो सकते हैं, जिनकी जमीनों पर कुर्क होने का खतरा मंडरा रहा हो।

ईडी से कांग्रेस के पेट में दर्द हो रहा है

राजेन्द्र राठौड़ बोले, जारौली सहित कई लोग सरकार की सरपरस्ती में बच गए थे

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। पेपरलीक के आरोपियों के यहां ईडी के छापे को लेकर अब सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने ईडी पर पॉलटिकल टास्क लेकर आने का आरोप लगाया तो नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने उस पर पलटवार करते हुए कहा कि लगातार शिकायतों व तथ्यों के आधार पर केन्द्रीय एजेंसी ने जांच शुरू की है तो अब इनके पेट में दर्द होने लगा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 18 माह में 16 पेपर लीक हुए। जिसमें डीपी जारौली से लेकर राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़े पेपर माफिया सरकार की सरपरस्ती में बच गए। अब यह भाजपा पर अनर्गल आरोप लगा रहे है। मैं समझता हूं कि अगर प्रमाण के आधार पर कोई भी केन्द्रीय अथवा राज्य की एजेंसी कार्रवाई करती है तो उस पर एतराज नहीं करना चाहिए।

प्रदेश को लूट रहे 200 मिनी मुख्यमंत्री

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि आज प्रदेश में कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। यहां 200 मिनी मुख्यमंत्री प्रदेश को लूटने का काम कर रहे है। सरकार हमेशा भ्रष्टाचार को लेकर घेरे में रही है। सरकार के इसी भ्रष्टाचार के खिलाफ हम 13 जून को राजधानी में बड़ा प्रदर्शन करके सरकार को घेरेंगे। वहीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने राजस्थान सरकार को महाभ्रष्ट सरकार बताई। उन्होंने कहा कि यह सरकार को राहत में भी भ्रष्टाचार करती है। चाहे कोई भी विभाग हो। पीएचईडी, माइनिंग सहित बच्चों का राशन खाने में भी यह सरकार पीछे नहीं रही है। उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद से अब तक ऐसी महाभ्रष्ट सरकार नहीं आई।

ईडी ने आज से शुरू की छापेमारी

राजस्थान में सोमवार को रीट पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जयपुर सहित आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर रेड डाली है। इसमें बाड़मेर, डूंगरपुर, अजमेर, जालोर आदि जिले शामिल हैं। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के मेंबर बाबूलाल कटारा, पेपर लीक मामले में गिरफ्तार ठेकेदार भजनलाल विश्नोई सहित तमाम आरोपियों और संदिग्धों पर डॉक्युमेंट्स की जांच चल रही है। उनके ठिकानों को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। केंद्रीय सुरक्षा बल के 50 से अधिक अधिकारी और जवान इस रेड में शामिल हुए हैं।

गहलोत बोले- कान खोलकर सुनें ईडी-सीबीआई, ऊपरी प्रेशर नहीं मानें

कहा- सरकारी प्रक्रिया में न चाहते हुए गलती हो जाती है, आप ईडी घुसा दोगे?

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। पेपरलीक मामले में ईडी के छापों के बाद सीएम अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ईडी इनकम टैक्स और सीबीआई राजस्थान में घुसने के लिए तड़प रही हैं। गहलोत ने केंद्रीय जांच एजेंसियों के अफसरों से कहा कान खोलकर सुन लीजिए, ऊपरी दबाव मानना बंद कर दें, अब वक्त आ गया है। गहलोत जयपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

गहलोत ने कहा- राजस्थान एसीबी ने आरपीएससी का मेंबर पकड़ा है, कलेक्टर,एसपी को पकड़ा है। ईडी अफसरों को अपने बोसेज से कहना चाहिए हमें क्यों राजस्थान भेज रहे हो, वहां का एंटी करप्शन ब्यूरो इतना मजबूत है कि जिसका देश में कोई जवाब नहीं है। एसीबी ने सबसे शानदार काम किया है। जब एसीबी अच्छा काम कर रही है तो आप बिना मतलब क्यों हस्तक्षेप करते हो?

गहलोत ने कहा- ईडी के बारे में कहा जा रहा था कि अब आने वाली है, हम तो इंतजार ही कर रहे थे। उनको लिस्ट दे दी गई है है कि आप देखो इसमें कहां कहां पहुंच सकते हो? किस-किस की थोड़ी बहुत पोल मिल सकती है? छोटी मोटी हर गलती हर व्यापारी और उद्योगपति से हो जाती है। हर व्यक्ति से नहीं चाहते हुए भी सिस्टम ऐसा है उसमें गलती हो जाती है। सरकार की जैसी प्रक्रिया है,उसके अंदर छोटी मोटी कमी रहती है, इसलिए चार्टर्ड अकाउंटेंट लगाए जाते हैं। उसमें अगर आप ईडी को घुसा दो तो क्या मतलब है।

कटारा को मैंने ही आरपीएएसी मेंबर रहते पकड़ने को कहा था, इस्तीफा दिलवाकर पकड़ने का विचार खारिज कर दिया

गहलोत ने कहा- आरपीएससी मेंबर कटारा को एसीबी ने पकड़ा। उस समय एक सामने आई थी पहले इसका इस्तीफा ले लो, उसके बाद पकड़ो। मैंने कहा आरपीएससी मेंबर रहते हुए पकड़ा जाना चाहिए। यह आरपीएससी मेंबर रहते हुए इतनी बड़ी बेईमानी कैसे कर सकता है, इसलिए पद पर रहते हुए पकड़ा ताकि मैसेज जाए। हमारी खुद की सोच ऐसी है और आप ईडी को घुसा रहे हो। इस केस में कुछ मिलता है तो एसीबी की मदद कर दीजिए, आप तो कुछ नहीं कर पाओगे और कुछ करोगे तो हमें खुशी होगी। तुम लोग कुछ करते हो, एसीबी से अच्छा काम करते हो तो मुझे खुशी होगी, मैं स्वागत करूंगा

गहलोत ने कहा- पहले पेपर लीक हुए उसमें ईडी भेज दी कुछ हुआ? ईडी पेपर लिक में भी काम कर रही है, क्यों बिना मतलब हस्तक्षेप करते हो। ईडी का कड़ा कानून है। ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई की देश में सबसे ज्यादा क्रेडिबिलिटी होनी चाहिए। हम अपेक्षा करते हैं और इसकी दुआ भी करते हैं।

शहरी डेवलपमेंट की सभी डोर फिर से आईएएस के हाथ

जेडीए और निगम में नए आयुक्त ने काम संभाला, चुनावी साल में सरकार का नया प्लान

जोधपुर, 6 जून (एजेंसियां)। कई सालों बाद जोधपुर शहर की विकास की सभी डोर एक बार फिर से आईएएस अधिकारियों के हाथ में होगी। सरकार के आदेशों के बाद जेडीए और नगर निगम दक्षिण के आयुक्त पद पर लंबे समय बाद डायरेक्ट आईएएस अधिकारी को लगाया गया है। नगर निगम उत्तर के आयुक्त पद पर पहले से ही आईएएस अतुल प्रकाश काम कर रहे हैं।

जेडीए में आयुक्त का पदभार देवेंद्र कुमार ने संभाला है। वे कार्मिक विभाग के संयुक्त शासन सचिव पद से स्थानांतरण होकर जोधपुर आए हैं। जेडीए कमिश्नर का यह पद आरएएस अधिकारी नवनीत कुमार के ट्रांसफर होने के बाद से ही पिछले 1 महीने से खाली पड़ा था।

इधर नगर निगम दक्षिण के आयुक्त पद पर आईएएस अधिकारी उत्सव कौशल को लगाया गया है, जिन्होंने भी पदभार ग्रहण कर लिया। वे वाणिज्य कर विभाग में अतिरिक्त आयुक्त पद से ट्रांसफर होकर यहां आए हैं। निगम दक्षिण में आयुक्त अरुण कुमार पुरोहित के आरएएस से आईएएस रैंक में प्रमोट होकर बाड़मेर कलेक्टर लगने के बाद से यह पोस्ट खाली पड़ी थी।

किसी ने इंदिरा रसोई का भोजन चखा तो किसी ने मीटिंग ली

नगर निगम दक्षिण के आयुक्त उत्सव कौशल ने काम संभालते ही इंदिरा रसोई में जाकर भोजन चखा। उन्होंने यहां भोजन की क्वालिटी सुधारने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ऑफिस का निरीक्षण किया और अधिकारियों की बैठक भी नहीं। उधर जेडीए के नए आयुक्त देवेंद्र कुमार ने सभी उच्चाधिकारियों से फीडबैक मीटिंग ली और पर्यावरण दिवस के मौके पर जेडीए गार्डन में ही पौधारोपण भी किया।

बैलून जैसे बादल: जोधपुर के आसमां में गुब्बारें

ढलते सूर्य की किरणों ने 'मौसमी मैजिक' दिखाया

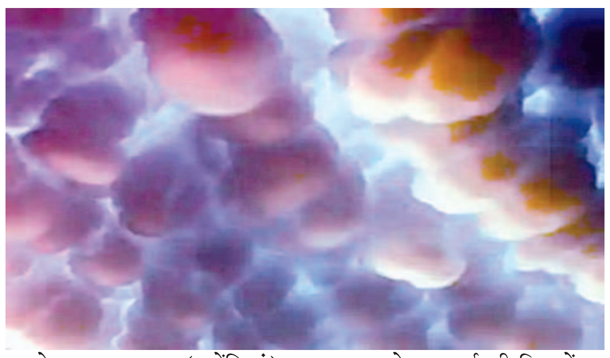

जोधपुर, 6 जून (एजेंसियां)। जोधपुर के आसमान में सोमवार शाम को बादलों ने लोगों को चौंकाया। दरअसल शाम ढलने के दौरान बादल ऐसे लग रहे थे मानो आसमान में गुब्बारें लटका दिए हो। जिस किसी की थी नजर आसमान पर गई वह यह नजारा देख कर चौंक गया। किसी ने इसका फोटो खींचा तो किसी ने वीडिया।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार यह ढलते हुए सूर्य की किरणों का असर था। मामट्स व क्यूम्यलोनिम्बस क्लाउड्स के संयोग की वजह से बादलों का आकार गुब्बारों की तरह का हो गया था। इन पर पड़ी ढलते हुए सूर्य की रोशनी की वजह से यह कलरफुल दिखाई दे रहे थे। मौसम वैज्ञानिक डॉ. डीपी दुबे के अनुसार सूर्योदय व सूर्यास्त के समय सूर्य की किरणों पर लाल रंग ज्यादा असरदार होता है।

उदयपुर में किसान पर तेंदुए का हमला, मौत

पहले गर्दन को जबड़े में दबाया, फिर तोड़ दी; डंडा देखकर जंगल में भाग गया

उदयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। उदयपुर के लसाड़िया में तेंदुए ने एक किसान की जान ले ली। शोभाजी का गुड़ा ग्राम पंचायत के मामादेव वेला गांव में सोमवार शाम 7.30 बजे लखमा मीणा (35) पुत्र काना मीणा खेत में पशुओं को चारा खिला रहा था। तेंदुए ने हमला कर लखमा की गर्दन जबड़े में पकड़ ली। फिर तोड़ दी। चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके से गुजर रहे लोगों ने उसके भाई को सूचना दी। वह डंडा लेकर दौड़ा तो तेंदुआ गर्दन छोड़कर जंगल में भाग गया। तब तक लखमा बुरी तरह जख्मी हो गया।

पहले भी हो चुके हमले

लखमा की गर्दन में लगे घाव से खून बहने लगा। परिजन उसे तुरंत कानोड़ सरकारी हॉस्पिटल लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर सहायक वनपाल बाबूलाल शर्मा, उपप्रधान धनराज पटेल और शोभाजी का गुड़ा के सरपंच शंकर लाल मीणा मौके पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार, मृतक लखमा के दो बेटे और तीन बेटी हैं। दोनों बेटों की शादी हो चुकी है। लखमा खेती व मजदूरी करके परिवार का गुजारा चलाता था। उसके दोनों बेटे भी खेती व मजदूरी करते हैं।

तीन पिंजरा लगाने की तैयारी

क्षेत्र की वनपाल सोनम मीणा ने बताया, शोभाजी का गुड़ा ग्राम पंचायत के आस-पास फॉरेस्ट एरिया है। तेंदुए का मूवमेंट रहता है। पहले भी दो से तीन बार तेंदुए द्वारा पशुओं पर हमला करने की घटनाएं हुई हैं। किसी व्यक्ति पर हमला करने का इस क्षेत्र में पहला मामला है।

वन विभाग की ओर से क्षेत्र में 3 पिंजरे लगाए जा रहे हैं। हमला करने वाले तेंदुए को जल्द पकड़ने का प्रयास किया जाएगा।

4 लाख रुपए मुआवजे का दिया आश्वासन

मंगलवार सुबह वन विभाग ने घटनास्थल पर दो पिंजरे लगा दिए। मौका मुआयना करने के लिए डीएफओ सुनील कुमार और शूटर डीपी शर्मा सहित अन्य अधिकारी पहुंचे। डीएफओ ने मृतक के परिवार को 4 लाख रुपए का मुआवजा देने का आश्वासन दिया है।

साधु के वेश में आया, 16 लाख के गहने ठगे

कोटा, 6 जून (एजेंसियां)। कोटा में साधु के वेश में परिवार को लूटने का मामला सामने आया है। आरोपी बदमाश कोटा में पड़े बेटे को ठीक करने के नाम पर परिवार से 16 लाख के गहने लेकर भाग गया। परिवार के सामने हुई घटना का उन्हें अंदाजा भी नहीं लगा। घर में मौजूद महिला बार-बार परिवार को गहने का पर्स गायब होने के बारे में बताती रही, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। साधू के वेश में आए युवक को महिला का पति खुद वापस छोड़कर आया, लेकिन लूट का एहसास नहीं हुआ। आखिर गहने गायब मिले तो मामला दर्ज करवाया।

दरअसल, गत शनिवार को कुन्हाड़ी थाना इलाके के आदर्श नगर में रहने वाले आकाशवाणी में प्रोग्राम अधिकारी के पद पर कार्यरत हरिओम मीणा के परिवार के परिवार में ठगी की वारदात हुई। हरिओम मीणा ने बताया- मेरा बेटा कोमा में है। टेंशन में रहता हूं, कुछ समझ नहीं आता है। मंदिरों और संतो के पास भी जाकर आशीर्वाद लेता हूं। कोई संत मिलता है तो सोचता हूं कि शायद इसके आशीर्वाद से बच्चा ठीक हो जाए। उस दिन भी यही हुआ।

दहेज के लिए पंखे पर लटकाकर मारा

चाचा ने लगाया पति पर आरोप-पैसे को लेकर कर रहा था परेशान, बच्चे को ले गया

अजमेर, 6 जून (एजेंसियां)। अजमेर के घूघरा में पंखे पर लटकी मिली विवाहिता को दहेज के लिए लटकाने का आरोप लगाते हुए चाचा ने पति के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि पति पैसे के लिए पति परेशान करता था और घर पर अकेली देखकर उसकी हत्या कर दी। बाद में बच्चे को भी ले गया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सीओ छवि शर्मा को सौंपी है। पुलिस ने मंगलवार को मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया है। इन्द्रा कॉलोनी, घूघरा निवासी मृतका अन्नू गुर्जर के चाचा शैतान खटाना ने रिपोर्ट दी कि अन्नू अपने ससुराल से आई हुई थी। वह घर पर अकेली ही अपने चार माह के बच्चे के साथ थी। इस दरम्यान इसका पति राकेश गुर्जर पुत्र रामचन्द गुर्जर निवासी ग्राम कायड अजमेर 5 जून को दिन में करीब 1 से 1.30 बजे के घर पर इन्द्रा कॉलोनी घुघरा अजमेर पर आया व भतीजी को घर पर अकेला देख लडने झगडने लग गया व पांच लाख रूपए की मांग करने लग गया। क्यों कि पिछले कई दिनों से यह भतीजी को रुपयों के लिए परेशान कर रहा था। जब भतीजा विशाल गुर्जर जानवर लेकर घर आया तो राकेश गुर्जर घर से चार माह के बच्चे को लेकर निकल रहा था।

बिजली विभाग की विजिलेंस टीम पर हमला

हमलावरों ने 25 किलोमीटर तक पीछा कर 3 राउंड फायरिंग की, हेल्पर के कंधे में लगी गोली

सीकर, 6 जून (एजेंसियां)। बिजली चोरी पकड़ने गई टीम पर बदमाशों ने हमला कर दिया। करीब 25 किलोमीटर तक बदमाशों ने गाड़ी का पीछा किया। इस दौरान बदमाशों ने तीन बार राउंड फायरिंग भी की। एक गोली विजिलेंस टीम की गाड़ी में पीछे की तरफ बैठे एक हेल्पर के कंधे में जा लगी। जिसे इलाज के लिए जयपुर रैफर किया गया है। मामला सीकर जिले के अजीतगढ़ इलाके का है।

विजिलेंस टीम के सहायक अभियंता मुकेश टेलर ने बताया कि आज टीम बुर्जा की ढाणी,खिरोटी की तरफ गई थी। इसी दौरान बदमाशों ने राजकार्य में बाधा डाली। जिन्होंने करीब 20 से 25 किलोमीटर तक पीछा किया। इस दौरान बदमाशों ने तीन राउंड फायरिंग की।

ऐसे में 1 गोली गाड़ी में पीछे बैठे तकनीकी हैल्पर गजेंद्र मीणा के कंधे पर जा लगी। जिन्हे इलाज के लिए जयपुर रैफर किया गया है। जब टीम थाने के करीब 100 मीटर नजदीक पहुंची। तो बदमाश वहां से फरार हुए। फिलहाल बिजली विभाग की टीम ने अजीतगढ़ थाने में मामला भी दर्ज करवाया है। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ का आयोजन 10 जून से, तैयारी जोरों पर

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगती समाज हैदराबाद के तत्वावधान में काचीगुडा स्थित पटेल घनश्याम भवन में आगामी शनिवार 10 जून से शुक्रवार 16 जून तक श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ आयोजन किया जा रहा है। समाज के अध्यक्ष महेश पटेल, पूर्व मंत्री राजेश शाह, उदय महेता तथा लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार ने विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों को कथा में भाग लेने हेतु निवेदन है। रामकोट स्थित जैन सेवा संघ भवन में श्री जैन सेवा संघ के अध्यक्ष योगेश सिंघवी, मंत्री अशोक मुथा, सहमंत्री भरत भंसाली, पूर्व उपाध्यक्ष पूनमचंद कोटेचा, तथा कच्छी भवन में श्री कच्छी मित्र मंडल के अध्यक्ष सुशील कापडिया, कोषाध्यक्ष पंकज सावला, जैन भवन में श्री स्थानकवासी जैन संघ के धर्मेश महेता, राजेश शाह, श्री कच्छी कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद के चेयरमैन जीवराजभाई जबवाणी, श्री कच्छी गुर्जर जैन परिवार के चेयरमेन प्रदीप संघवी, श्री गुजराती भगीनी समाज की अध्यक्षा कोकीला पारेख, आरती पुरोहित, भारतीबेन पटेल, बिनाबेन पौराणा, विजल महेता, उर्विता पारेख, इंदु गणात्रा, भावना तन्ना, हंसा सावडिया को निमंत्रण पत्र भेंटकर कार्यक्रम में समाजबंधुओं सहित ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारने का निवेदन किया गया। महेश पटेल ने कहा कि समाज के विकास में एक और मोरपंख लगाते हुए श्री गुजराती प्रगति समाज ने शहर के मध्य मुशीराबाद मे भूमि ली है, इस भूमि पूजन के निमित्त समाज मे सांस्कृतिक तथा धार्मिक कार्यक्रम अंतर्गत श्रीमद्भागवत सप्ताह का आयोजन कर इस नये भव्य उद्यम का मुशीराबाद मे शुभारंभ कर समाजसेवा में समर्पित किया जायेगा। उन्होंने भागवत सप्ताह के संदर्भ मे विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि प.पू. सद्. शास्त्री स्वामी सत्यप्रकाशदासजी के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से भागवत वक्ता श्रद्धेय श्री हरिदर्शन स्वामी श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ महोत्सव मे कथामृतपान करायेंगे। कथा का प्रारंभ 10 जून को होगा। कथा का समय प्रतिदिन सायं 5 बजे से 8 बजे तक रहेगा। शुक्रवार 16 जून को कथा की पूर्णाहुति होगी।

नुमाईश मैदान में पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल का त्रिदिवसीय सेवा शिविर आज से

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा बत्तीनि गौड़ परिवार द्वारा मृगशिरा के अवसर पर निःशुल्क वितरित मत्स्य प्रसाद ग्रहण करने देश-विदेश से हैदराबाद पधारने वाले दमा रोगियों तथा उनके परिजनों की इस वर्ष भी बड़े पैमाने पर सेवा की जाएगी। अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस वर्ष बत्तीनि गौड़ परिवार द्वारा मृगशिरा के अवसर पर शुक्रवार 9 जून को प्रात: 8 बजे से मत्स्य प्रसाद का वितरण नुमाईश मैदान मे किया जाएगा। मत्स्य प्रसाद ग्रहण करने देश-विदेश से हैदराबाद पधारने वाले दमा रोगियों तथा उनके परिजनों की सुविधा हेतु पित्ती ट्रस्ट- सेवा दल द्वारा, सेवा दल के परामर्शदाता श्री शरद ब पित्ती के निर्देशन में, नुमाईश मैदान मे त्रिदिवसीय विशाल सेवा शिविर स्थापित किया जा रहा है। यह शिविर बुधवार दिनांक 7 जून से 9 जून तक कार्य करेगा। शिविर में दमा रोगियों की सुविधा हेतु मत्स्य प्रसाद ग्रहण करने वालों द्वारा अगले 45 दिनों तक लिए जाने वाले परहेज की भोजन सामग्री की प्रदर्शनी लगाई जाएगी तथा संपूर्ण जानकारी देने वाले करपत्रों का वितरण भी किया जाएगा। इस शिविर में मेडिकवर अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क आपातकालीन चिकित्सा तथा एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध रहेगी। इस शिविर से बुधवार 7 जून से 9 जून तीन दिनों तक दमा रोगियों तथा उनके परिजनों में पेयजल पैकेट, छाछ, चाय, बिस्किट, उपमा, पोहा, पुलिहारा, पूरी सब्जी आदि का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। शिविर में पित्ती ट्रस्ट के चेयरमेन तथा सेवा दल के परामर्शदाता शरद ब पित्ती, सेवा दल के संयोजक रतन गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, अजित गुप्ता, कैलाश केडिया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, संजय पंसारी, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, अजय तुलसियान, के साथ पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारी तथा अग्रमहिला मंच एवं अग्रणी महिला मंच की सदस्याए अपनी सेवाएं प्रदान करेंगी।

मंत्री ने लिया मछली प्रसादम वितरण की तैयारी का जायजा

अधिकारियों को दिये पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मृगसिरा कार्ति पर 9 तारीख को नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में आयोजित होने वाले मछली प्रसादम वितरण कार्यक्रम की तैयारी का जायजा आज मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने लिया।

अपने दौरे के दौरान उन्होंन विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ प्रदर्शनी मैदान में समीक्षा बैठक की।

लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए अधिकारियों को एहतियात बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान मछली प्रसादम लेने के लिए देश के विभिन्न स्थानों से पहुंचे हुए कई लोगों से भी बातचीत की। उसी तरह से जगजीवन राम नगर में नाला कार्यों की पृष्ठभूमि में 7 घरों को हटाने की आवश्यकता है। वे गरीब परिवारों के हैं और मंत्री ने आरडीओ और ईएमएमएआर को उन्हें डबल बेडरूम वाले घर आवंटित करने के निर्देश दिए हैं। लोगों ने मंत्री के आश्वासन पर उनका आभार जताया। इस अवसर पर एमएलसी प्रभाकर, जीएचएमसी बीजेपी फ्लोर लीडर, बेगमबाजार पार्षद शंकर यादव, गोसामहल बीआरएस पार्टी प्रभारी नंदू बिलाल, पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौर, आरवी महेंद्र, गोसामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़, गद्दाम श्रीनिवास यादव, पूर्व पार्षद मुकेश सिंह, ममता गुप्ता, गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र की महिला नेता प्रिया गुप्ता, अश्विन, बत्तीनी बंधु परिवार के सदस्य, अंचल आयुक्त रवि किरण, आरडीवीओ आदि ने भाग लिया।

साहित्य सेवा समिति की 100वीं गोष्ठी और पुस्तक लोकार्पण

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साहित्य सेवा समिति' की 100वीं गोष्ठी और दो पुस्तकों का लोकार्पण 'केंद्रीय हिंदी संस्थान' के सभागार में आयोजित किया गया। आयोजन की अध्यक्षता प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने की। मुख्य अतिथि डॉ. अहिल्या मिश्र और विशेष अतिथि संस्थान के क्षेत्रीय निर्देशक डॉ. गंगाधर वानोड़े रहे। हिन्दी और तेलुगु के राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त व्यक्तित्त्व डॉ एम. रंगैया, समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. दयाकृष्ण गोयल और महामंत्री सुनीता लुल्ला भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन डीआरडीओ की सह-राजभाषा अधिकारी डॉ. अर्चना पांडेय ने किया। तत्पश्चात समिति की सक्रिय सदस्या श्रीमती गीता अग्रवाल के प्रथम काव्य संग्रह 'दिल ने कहा' का लोकार्पण किया गया। दूसरी पुस्तक गुड़ला परमेश्वर की बालगीत पुस्तिका 'कौन बनेगा' का भी किया गया। बड़े हर्ष की बात है हिंदी साहित्य के योगदान में एक और उपलब्धि भारत सरकार के उपक्रम यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की पत्रिका 'यूनियन कोहिनूर' की अद्भुत जानकारी संपादक देवकांत पवार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने समारोह में आकर दी। इसके बाद आज के विशेष अतिथि डॉ गंगाधर वानोड़े ने भी साहित्य के विकास में केंद्रीय संस्थान का सहयोग और साहित्य सेवा समिति के लिए सतत् विस्तार की शुभकामनाएं अर्पित कीं। तदुपरांत अध्यक्ष प्रो ऋषभदेव शर्मा ने दोनों ही पुस्तकों के बारे में समीक्षकीय टिप्पणी की और समिति के विकास के बारे में आश्वस्त करते हुए शुभकामनाएँ दीं।

गोष्ठी में पूनम जोधपुरी, बिनोद गिरि अनोखा, डॉ. अर्चना पांडेय, डॉ राजीव सिंह, डॉ सुरभि दत्त, प्रदीप भट्ट, सुहास भटनागर, गीता अग्रवाल, गुडला परमेश्वर, इंदु सिंह, मंजू श्रीवास्तव, ममता जायसवाल, तृप्ति मिश्रा, सरिता सुराणा, सत्य प्रसन्न, सुनीता लुल्ला, डॉ दया कृष्ण गोयल और प्रो ऋषभ देव शर्मा ने काव्य पाठ किया।

बिहार एसोसिएशन केंद्रीय समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद केंद्रीय समिति की बैठक बिहार भवन में संपन्न हुआ। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह के नेतृत्व में बिहार एसोसिएशन केंद्रीय समिति अपने वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों के साथ बालासोर में हुए रेल दुर्घटना प्रति मौन धारण कर मृतक आत्मा की श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात बैठक आयोजित कर समाज के विभिन्न क्रियाकलापों पर परिचर्चा की, जिसमें संस्था का निर्मित भवन के लंबित कार्य एवं वार्षिक उत्सव मुख्य रहा। महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि आज का यह बैठक मुख्य रूप से बिहारी वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा निर्माणाधीन बिहार भवन के लंबित पड़े कार्य पर आधारित है। ट्रस्ट के नए सदस्य के रूप में अमित कुमार मौर्या सम्मिलित हुए जिनका स्वागत उपाध्यक्ष उत्तम यादव ने शॉल एवं पुष्प हार के साथ किया। चर्चा में हिस्सा लेते हुए एसोसिएशन के वरिष्ठ मानवेन्द्र मिश्र ने क्षेत्रीय प्रभारियों से कहा कि अपने- अपने क्षेत्रों के संस्था सदस्यों से चर्चा कर वार्षिक उत्सव हेतु जगह का चयन करने में सहायता करें। दिलीप कुमार ने बताया कि वार्षिकोत्सव सदस्यों को ऊर्जावान बनाता है एवं सदस्य एक दूसरे से विचारों का आदान प्रदान करता है इसीलिए किसी भी संस्था के लिए वार्षिक उत्सव बहुत ही महत्वपूर्ण है। कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य रविशंकर सिंह ने कहा कि समय रहते हुए मुख्य अतिथि का चयन किया जाना चाहिए एवं तैयारी में हमें किसी प्रकार की ढिलाई बरतने नहीं चाहिए। उपाध्यक्ष अशोक प्रसाद सिंह व उत्तम यादव ने उपस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों को बिहार भवन के बारे में विस्तार से बताया। बैठक का समापन वरिष्ठ सदस्य भरत सिंह के धन्यवाद ज्ञापन से संपन्न हुआ।

बाल संस्कार केंद्र का समापन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आजाद थे आजाद रहेंगे वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित श्री भू लक्ष्मी देवी बाल संस्कार केंद्र का समापन समारोह अरुंधति भवन नदी नाथ मंदिर गली में संपन्न हुआ। समारोह में मुख अतिथि शाह इनायत गंज पुलिस अधिकारी सब इंस्पेक्टर सारी लक्ष्मैया, श्रीराम राव, जयश्री चुटके रहे। अतिथि ने बच्चो को आशीष दिया एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका उत्साह और बढ़ाया। एसोसिएशन के अध्यक्ष नितेश कुमार और उनके सहभागी राजेश तोषनीवाल, रितेश, अंबादा, अनुराग एवं एचएम राव मेमोरियल स्कूल के संचालक हनुमंत राव उपास्ति थे।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर में अषाढ मास के पावन अवसर पर श्री आईमाँ की पूजा-अर्चना करते हुए सचिव किशनसिंह राठौड, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवडा, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, सचिव सजनराज सोलंकी, पूर्व उपाध्यक्ष ओकाराम सोलंकी, किशनलाल राठौड, रमेश, ओमप्रकाश सीरवी, महिला मंडल सचिव निर्मला देवडा, पूनम महिला ग्रुप अध्यक्षा सुशीला देवडा व अन्य।

लू लगने से एक व्यक्ति की मौत

मंचेरियल, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कस्बे में लू लगने से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे उसके परिवार को अपनी बेटी की सोमवार शाम को होने वाली सगाई स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। त्रासदी ने उस परिवार पर प्रहार किया जो भव्य नोट पर सगाई का जश्न मनाने के लिए कमर कस रहा था। जाफरनगर निवासी शेख बशीर अहमद (54) की सोमवार दोपहर लू लगने से मौत हो गई। अहमद दिहाड़ी मजदूर था। अहमद और उसके परिवार के सदस्य शाम को अपनी बेटी की सगाई की तैयारियों में व्यस्त थे। दोपहर में अपने घर के सामने नल पर कुछ बर्तनों में पानी भरते समय वह गिर पड़ा। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नतीजतन, उनकी बेटी की सगाई स्थगित कर दी गई।

9 जून को प्रदर्शनी मैदान में आयोजित होने वाले मछली प्रसाद वितरण के लिए देश के कई राज्यों से लोग आ चुके हैं। मरीजों व उनके परिजनों में भोजन आदि वितरित करते हुए जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल, श्रीकांत रेड्डी, अनिल कांबले, राजू यादव, रामकृष्ण व अन्य। इस दौरान पार्षद श्री जायसवाल ने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से मरीजों के लिए कुछ खास व्यवस्था नहीं की गई है। इससे यहां पहुंचने वाले परेशान हैं।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर के अध्यक्ष रामकुमार भूतडा के नगरागमन पर पर कबूतरखाना स्थित माहेश्वरी विद्यालय में स्वागत करते हुए परामर्शदाता श्रीगोपाल बंग, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी रमेश कुमार बंग, स्कूल के करस्पांडेंट श्यामसुन्दर बंग, ब्रिजेश बंग, घनश्याम बंग, पवन लोहिया एवं अन्य।

चारकमान प्रभातफेरी संस्थापक अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल को नारनौल अग्रवाल समिति हैदराबाद-सिकंदराबाद के कार्यवाहक कार्य समिति प्रधान नियुक्त किये जाने पर सम्मान करते हुए सुरेंद्र कुमार संघी, बृजमोहन अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण, फतेहचंद अग्रवाल व अन्य।

श्रृंगऋषि भवन में तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 26 से

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिखवाल प्रगति समाज द्वारा संचालित श्रृंग ऋषि भवन में स्थित मंदिर के जीर्णोद्वार के आयोजन के विषय पर एक सभा का आयोजन किया गया, लगभग 20 वर्षों पूर्व बलुन्दा निवासी जेठमलजी मोतीलालजी तिवारी द्वारा श्रृंग ऋषि भवन में भगवान श्री राधाकृष्णजी की मूर्ति की स्थापना करवाई गयी थी। 6 माह पूर्व मोतीलाल विष्णुगोपाल तिवारी परिवार ने अपने मातापिता स्व. जेठमलजी रामकंवरी बाई तिवारी की पूण्यस्मृति में पुन: इस मंदिर का नवनिर्माण कर जीर्णोद्वार एवं प्राण-प्रतिष्ठा करवाने का बीड़ा उठाया तथा इसमें विशेष रूप से वेदमाता गायत्री, ललिता विशाखा सखीयों संग श्री राधाकृष्ण एवं पुत्रकामेष्ठी यज्ञ विशेषज्ञ ऋषि श्रृंग महाराज के भव्य मंदिर कि निर्माण करवाया जिसके प्राण-प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन 26 से 28 जून 2023 तक श्री राधाकृष्ण धाम श्रृंग ऋषि भवन में रखा हैं, जिसके लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया, सम्पूर्ण भारतवर्ष से इस महोत्सव पर सिखवाल बंधू उपस्थित होंगे।

पचेरी अग्रवाल समिति द्वारा आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में भाग लेते हुए गोविंद राम पचेरिया, ओमप्रकाश पचेरिया, कैलाश चंद पचेरिया, श्याम सांवरिया, मनोज कुमार पचेरिया, भरत कुमार पचेरिया, गोवर्धन पचेरिया, रूपेश कुमार, रजत कुमार, हिमांशु, संजय कुमार व अन्य।

श्री छत्रपति शिवाजी महाराज युवा समिति की ओर से श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की 350वें राज्याभिषेक कार्यक्रम में भाग लेते हुए शिवाजी नगर अत्तापुर के सदस्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एनआईए की हरियाणा...

उनसे केटीएफ की फंडिंग और हथियार तस्करी की साजिश में शामिल होने को लेकर पूछताछ की जा रही है।

हरियाणा के कैथल में दवा कारोबारी भाईयों प्रदीप और कुलदीप के घर सुबह 6 बजे रेड हुई। गांव चूहड़माजरा में ये रेड करीब 4 घंटे चली। सूत्रों के मुताबिक, टीम के पास जानकारी थी कि प्रदीप और कुलदीप के बैंक खातों में असामान्य ट्रांजेक्शन हुए हैं। दोनों अवैध रूप से दवाइयों की सप्लाई करते हैं।

प्रदीप के बड़े भाई कुलदीप के अनुसार, शक के आधार पर एनआईए की टीम उनके घर पूछताछ के लिए आई थी। टीम वापस चली गई है। भाई प्रदीप के बैंक खातों की पासबुक और अन्य ट्रांजेक्शन की जांच की गई। टीम ने सवाल जवाब किए। कई कागजों पर प्रदीप के हस्ताक्षर करवाए।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 4 महीने पहले केटीएफ को आतंकी संगठन करार दिया था। गृह मंत्रालय ने कहा था, खालिस्तान टाइगर फोर्स कट्टरपंथी संगठन है। जिसका मकसद पंजाब में फिर आतंकवाद फैलाना है। पंजाब में टारगेट किलिंग के पीछे भी इस संगठन का हाथ है। गृह मंत्रालय का कहना है कि ये संगठन भारत की क्षेत्रीय अखंडता, एकता, राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को चुनौती देता है।

खालिस्तान टाइगर फोर्स का सरगना हरदीप सिंह निज्जर है। वह कनाडा में बैठकर संगठन को ऑपरेट कर रहा है। सितंबर 2020 में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हरदीप निज्जर को आतंकवादी घोषित कर दिया था। इसके बाद निज्जर की जालंधर के भर सिंह पुरा गांव में संपत्तियां भी कुर्क की थी। इसी गांव में निज्जर ने पुजारी का कत्ल कराया था। इसके जरिए वह पंजाब में धार्मिक उन्माद फैलाने की फिराक में था।

2018 में जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत की यात्रा पर आए थे, तब तत्कालीन सीएम अमरिंदर सिंह ने उन्हें खालिस्तानी आतंकवादियों की एक सूची सौंपी थी और और उसमें निज्जर का भी नाम था। पंजाब में हाल ही में कई टारगेट किलिंग और बम धमाकों के आरोपी अर्शदीप डल्ला भी इसी आतंकी संगठन से जुड़ा हुआ है।

देश में बने हैवी वेट...

23 मई को मोरमुगाओ वॉरशिप से एडवांस्ड मिसाइल की टेस्टिंग इंडियन नेवी ने आज जहां टॉरपीडो का सफल ट्रॉयल किया है। वहीं 23 मई को एक मिसाइल की सफलतापूर्वक टेस्टिंग की थी। यह टेस्टिंग डिस्ट्रॉयर वॉरशिप आईएनएस मोरमुगाओ से की गई थी। यह एक एडवांस्ड मिसाइल है जिसने समंदर में तैरते टारगेट को नीचे उड़ते हुए हिट किया था। इसे सी स्किमिंग कहा जाता है। सी स्किमिंग उड़ान का एक तरीका है जिसमें कोई मिसाइल या एयरक्रॉफ्ट पानी की सरफेस के बहुत करीब उड़ता है, आमतौर पर 10 फीट से कम की ऊंचाई पर। इस तकनीक का उपयोग सैन्य और नागरिक दोनों कामों के लिए किया जाता है।

20 साल में ड्रग्स...

अमेरिका से लेकर केरल तक फैला था नेटवर्क

एनसीबी के डिप्टी डीजी ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया कि इस ड्रग्स सिंडिकेट का नेटवर्क अमेरिका, पोलैंड, नीदरलैंड से लेकर दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में फैला हुआ था। एनसीबी की दिल्ली जोनल टीम और अन्य राज्यों की मदद से इस सिंडिकेट का खुलासा किया गया है।

नोएडा के स्टूडेंट से मिली सिंडिकेट की लीड

एनसीबी के डिप्टी डीजी के मुताबिक, नोएडा में पढ़ने वाले एक कॉलेज स्टूडेंट (गोवा का रहने वाला) को इस मामले में सबसे पहले पकड़ा गया। इसके बाद सिंडिकेट का खुलासा होता गया। इसके बाद दिल्ली से एक लड़का पकड़ा गया। एक लड़की भी इनकी गिरोह में थी, वो भी एनसीआर से पकड़ी गई।

जयपुर का है मास्टरमाइंड :

एनसीबी अफसर ने बताया कि इस सिंडिकेट का मास्टरमाइंड जयपुर का रहने वाला है। वह एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता है। इससे पूछताछ के बाद पुणे के पोस्ट ऑफिस से एलएसडी बरामद हुई। फिर नोएडा और केरल से दो-दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। एलएसडी पोलैंड-नीदरलैंड से आता है। भारत इसका हब बनता जा रहा है। इंस्टा-विकर के जरिए ये ग्रुप बनाकर अपने टारगेट खोजते थे।

ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया कि एलएसडी युवाओं में काफी लोकप्रिय है। इस नेटवर्क में शामिल ज्यादातर लोग पढ़े-लिखे और युवा हैं। इससे पहले हमने साल 2021 में ड्रग्स तस्करी मामले में 40 आरोपियों को गिरफ्तार कर 3 डार्क वेब साइट्स का भंडाफोड़ किया था।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया का डब्ल्यूटीसी फाइनल आज

4 ऑस्ट्रेलियाई बैटर का स्कोर 1000 प्लस, अश्विन-जडेजा ने सबसे ज्यादा 47 कंगारू बल्लेबाज आउट किए

लंदन, 6 जून (एजेंसियां)। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार से वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। लंदन के ओवल मैदान पर होने वाले फाइनल को जीतने वाली टीम आईसीसी के सभी टूर्नामेंट की ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम भी बन जाएगी।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2020 से शुरू हुई। पहला फाइनल 2021 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच इंग्लैंड में खेला गया। खिताब न्यूजीलैंड ने जीता था। 2021 से शुरू हुई दूसरी चैंपियनशिप में भारत और ऑस्ट्रेलिया टेबल की टॉप दो टीमें बनी हैं। इसलिए दूसरा फाइनल इनके बीच खेला जा रहा है।

बल्लेबाजी में ऑस्ट्रेलिया और इंडिया

1. 4 कंगारू बल्लेबाजों ने 1000+ रन बनाए, भारत में ऐसा कोई नहीं

बैटिंग में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत से मजबूत नजर आ रही है। सीजन कंगारू टीम के 4 बैटर्स ने 1000 से ज्यादा रन बनाए, जबकि भारतीय खेमे का कोई भी बल्लेबाज 1000 रन के आंकड़े को पार नहीं कर सका।

2. टॉप स्कोरर्स में 2 ऑस्ट्रेलियाई, इंडिया का कोई नहीं

सीजन के टॉप-5 रन स्कोरर में भी 2 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के नाम हैं। इसमें उस्मान ख्वाजा (1608 रन) और मार्नस लाबुशेन (1509 रन) शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के ओपनर उस्मान ख्वाजा हर पांचवीं पारी में सेंचुरी और चौथी पारी में हाफ सेंचुरी जमा रहे हैं।

3. पुजारा टॉप स्कोरर, हर 5वीं पारी में फिफ्टी जमाते हैं

भारत की ओर से टॉप स्कोरर चेतेश्वर पुजारा हैं, लेकिन इस चैंपियन के टॉप बैटर्स की लिस्ट में वो 19वें नंबर पर हैं। पुजारा ने 30 पारियों में एक सेंचुरी जमाई है। वे हर 5वीं पारी में फिफ्टी बना देते हैं।

4. भारत के खिलाफ टॉप-5 स्कोरर्स में 2 ऑस्ट्रेलियाई

WTC के इस सीजन में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के जो रूट (737 रन) ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। टॉप-5 की इस सूची में उस्मान ख्वाजा (333 रन) तीसरे और मार्नस लाबुशेन (244 रन) पांचवें नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा ने भारत के खिलाफ हर दूसरे मैच में फिफ्टी भी लगाई है। कंगारुओं के खिलाफ टॉप-5 बैटर्स की सूची में चार पाकिस्तानी बैटर्स के नाम हैं। अब्दुल्ला शफीक टॉप पर हैं। उन्होंने 397 रन बनाए हैं।

5. ओवल पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव का मौजूदा फॉर्म बेहतरीन, स्पिनर्स कंगारुओं की कमजोरी

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ओवल पर अब तक खेले 3 मैचों में 97.75 के बेहतरीन औसत से 391 रन बना चुके हैं। वे मार्नस लाबुशेन के साथ पिछले दिनों इंग्लैंड में ही काउंटी क्रिकेट भी खेल रहे थे। जिसका टीम को फायदा मिलेगा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की कमजोरी स्पिन है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप 5 गेंदबाजों में अश्विन (25 विकेट) पहले, रवींद्र जडेजा (22 विकेट) दूसरे और श्रीलंकाई स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या (12 विकेट) 5वें नंबर पर हैं।

तेज गेंदबाजी के आगे फंसते हैं इंडियन बैटर्स, टीम की बॉलिंग में मजबूती

भारतीय बल्लेबाजी की कमजोरी तेज गेंदबाजी है। भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट तेज गेंदबाजों ने चटकाए हैं, हालांकि भारत के खिलाफ टॉप विकेट टेकर ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लायन हैं। लायन के बाद भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट 4 पेसर्स ने लिए, इनमें साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के 2-2 बॉलर्स हैं।

टीम इंडिया में 5 पेसर्स हैं, जिनमें से 4 का खेलना तय माना जा रहा है। इनमें मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शार्दूल ठाकुर और उमेश यादव चारों को ही इंग्लैंड में खेलने का एक्सपीरियंस है। इन्हीं बॉलर्स की मदद से भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज में 2 टेस्ट मैच जीते थे।

गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया और इंडिया

1. लायन टॉप पर, अश्विन का नंबर तीसरा

इस चैम्पियनशिप में 3 ऑस्ट्रेलियाई बॉलर्स ने 50 से ज्यादा विकेट लिए हैं। भारत से केवल एक रविचंद्रन अश्विन ही 50 विकेट के आंकड़े को पार कर सके। इस सीजन 83 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के नाथन लायन टॉप विकेट टेकर हैं। 61 विकेट लेकर अश्विन तीसरे नंबर पर हैं।

2. अश्विन 50+ विकेट लेने वाले इकलौते भारतीय

भारत की ओर से 50+ विकेट लेने वाले अश्विन इकलौते बॉलर हैं। कंगारू टीम की ओर से लायन (83 विकेट), पैट कमिंस (53 विकेट) और मिचेल स्टार्क (51 विकेट) ने 50+ विकेट लिए हैं।

3. अश्विन का स्ट्राइक रेट लायन से बेहतर, जडेजा के साथ 47 ऑस्ट्रेलियाई बैटर्स को आउट किया

स्ट्राइक रेट के मामले में भारतीय स्पिनर अश्विन नाथन लायन से बेहतर साबित हो रहे हैं। रविचंद्रन अश्विन हर 47.59 बॉल पर विकेट लेते हैं, जबकि लायन 62.87 बॉल पर विकेट चटकाते हैं। अश्विन ने WTC में जडेजा के साथ मिलकर 47 ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को आउट किया है। अश्विन ने 25 और जडेजा ने 22 ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के विकेट लिए।

डब्ल्यूटीसी में ऑस्ट्रेलिया और इंडिया की जीत

1. ऑस्ट्रेलिया का विनिंग पर्सेंटेज इंडिया से ज्यादा

पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने WTC के मौजूदा सीजन में 19 मैचों में 11 जीते, 3 हारे और 5 ड्रॉ रहे। उसने अपने 66.67% मैच जीते हैं। टीम इंडिया ने 18 मैचों में 10 में जीत हासिल की, 5 हारे और 3 मैच ड्रॉ रहे। टीम इंडिया ने चैंपियनशिप में अपने 58.80% मैच जीते।

2. ऑस्ट्रेलिया 7 साल में इंडिया से कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीता

डब्ल्यूटीसी में भले ही ऑस्ट्रेलिया का विनिंग पर्सेंटेज इंडिया से ज्यादा है, पर भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वह काफी पीछे है। दोनों देशों के बीच पिछली 4 टेस्ट सीरीज इंडिया ने ही जीती हैं। इनमें डब्ल्यूटीसी के मौजूदा सीजन में हुई 2 सीरीज भी शामिल हैं। पिछले 7 साल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत से कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। 2016-17 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को घरेलू सीरीज में 2-1 से हराया। 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में 2-1 से मात दी। 2020-21 में फिर ऑस्ट्रेलिया को घर में हराया और 2022-23 में इंडिया में हुई 4 मैचों की सीरीज जीतकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाई।

धनुष श्रीकांत ने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में जीता गोल्ड

टूर्नामेंट में भारत को तीसरा स्वर्ण दिलाया, टीम इंडिया मेडल टैली के टॉप पर

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय निशानेबाज धनुष श्रीकांत ने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीता है। उन्हें यह सफलता सोमवार को पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में मिली है। श्रीकांत ने भारत को तीसरा गोल्ड दिलाया है।

श्रीकांत के इस गोल्ड के बाद मेडल टैली में भारत के कुल 9 मेडल हो गए हैं। भारतीय टीम के हिस्से में 3 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारतीय टीम टेबल में टॉप पर है, जबकि अमेरिका कुल छह पदक के साथ दूसरे नंबर पर है।

जर्मनी के सुहल में चल रहे जूनियर शूटिंग वर्ल्ड कप के 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में धनुष श्रीकांत ने 249.4 अंक अर्जित किए। जबकि सिल्वर मेडलिस्ट स्वीडन के पोंटस कालिन ने 248.1 और ब्रॉन्ज मेडलिस्ट फ्रांस के रोमैन औफ्रेरे ने 227.1 अंक स्कोर किए।

फाइनल में पहुंचे थे 3 भारतीय निशानेबाज

पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल में तीन भारतीय निशानेबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। धनुष क्वालिफिकेशन में 628.4 अंक बनाकर छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे। प्रथम भड़ाना ने 628.7 अंक बनाए और वह क्वालिफिकेशन में धनुष से आगे पांचवें स्थान पर रहे। अभिनव साव ने 626.7 अंक बनाए और वो आठवें नंबर पर रहकर फाइनल में पहुंचे। अभिनव फाइनल में सातवें स्थान पर रहकर बाहर हो गए जबकि प्रथम चौथे स्थान पर रहे। धनुष ने फाइनल में शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया तथा लगातार बढ़त बनाए रखी और अपने किसी भी प्रतिद्वंद्वी को मौका नहीं दिया।

स्कीट मिश्रित टीम इवेंट में आया ब्रॉन्ज

भारत ने स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता। हरमेहर लैली और संजना सूद ने शूटऑफ में स्वीडन के डेविड जानसन और फ़ेलिशिया रोस को हराकर भारत को यह पदक दिलाया। सुहल में ISSF जूनियर वर्ल्ड कप 2023 में 46 देशों के 511 जूनियर निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2023 के लिए भारतीय टीम

एयर राइफल मेंसः सालिम, अभिनव शॉ, धनुष श्रीकांत

एयर राइफल विमेंसः स्वाति चौधरी, गौतमी भनोट, सोनम उत्तम मस्कर

50 मीटर राइफल 3पी मेंसः हर्ष सिंगला, रमन्या तोमर, परीक्षित सिंह बराड़

50 मीटर राइफल 3पी विमेंसः निकिता कुंडू, नूपुर कुमारवत, श्रन्या लखन

एयर पिस्टल मेंसः अभिनव चौधरी, शुभम बिस्ला, अमित शर्मा

कोको गॉफ-रूड फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में

55 साल की बिटरिज हदाद माइया ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वालीं पहली ब्राजीली महिला

पेरिस, 6 जून (एजेंसियां)। फ्रेंच ओपन में अमेरिका की टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। वहीं मेंस सिंगल्स में नॉर्वे के कैस्पर रूड तीसरी बार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। इनके अलावा विमेंस सिंगल्स में टूर्नामेंट में 14वीं सीड प्राप्त बिटरिज हदाद माइया 55 साल की उम्र में किसी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वालीं पहली ब्राजीली महिला हो गई हैं।

गॉफ चोट के बाद भी मुकाबले को जीता

अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ पहले सेट में चोटिल होने के बावजूद मुकाबले में बनी रहीं और अंत में इसे जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। गॉफ को पहले सेट के दौरान घुटने में चोट लग गई थी। इस सेट में वह 5-2 से आगे चल रही थीं। अन्ना करोलिना शमीडलोवा ने वापसी करते हुए स्कोर को 5-5 कर दिया। इसके बाद वह फिसल कर गिर गईं। जिससे उनका दायां घुटना छिल गया। कुछ देर मैच मेडिकल टाइम के लिए रुका रहा। उन्होंने पट्टी बांध कर मैच में वापसी की और पहले सेट को 7-5 से जीत लिया। वहीं दूसरा सेट ने आसानी से 6-2 से जीतकर तीसरी बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल हुईं। वहीं क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला इगा स्वियातेक से होगा।

माइया 55 साल की उम्र में अंतिम 8 में पहुंचने वालीं पहली ब्राजीली महिला

वहीं 14वीं सीड बिटरिज हदाद माइया 55 साल की उम्र में किसी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वालीं पहली ब्राजीली महिला हो गई हैं। माइया ने सारा सोरिबेस टोरमो 6-7, 6-3, 7-5 से हराया। उनका मुकाबला तीन घंटे 51 मिनट चला। जो इस सीजन में विमेंस कैटेगिरी का सबसे लंबा मुकाबला रहा। माइया से पहले ब्राजील की ओर से मारिया बूइनो ने 1968 में रोलां गैरो के अलावा विंबलडन के अंतिम आठ में प्रवेश किया था और उसके बाद US ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने से पहले माइया किसी ग्रैंडस्लैम के दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ी थीं।

मेंस कैटेगिरी में रूड भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

मेंस सिंगल्स में नॉर्वे के कैस्पर रुड ने चिली के निकोलस जैरी को 7-6, 7-5, 7-5 से हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। वह तीसरी बार किसी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।

सिंगापुर ओपन के जरिए लय में वापसी की कोशिश में पीवी सिंधू

प्रणय का मनोबल भी ऊंचा

सिंगापुर, 6 जून (एजेंसियां)। थाईलैंड ओपन में सिंधू पहले दौर में बाहर हो गईं। अब सिंगापुर ओपन में उनका सामना पहले ही दौर में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की अकाने यामागुची से होगा।

गत चैंपियन पीवी सिंधू थाईलैंड में खराब प्रदर्शन के बाद मंगलवार से शुरू हो रहे सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के जरिए वापसी की कोशिश करेंगी जबकि फॉर्म में चल रहे एच एस प्रणय जीत की लय कायम रखना चाहेंगे। पिछले साल अगस्त में टखने की चोट से फिट होने के बाद सिंधू के लिए हालात समान नहीं रहे हैं। वह धीरे-धीरे लय में लौट रही हैं और मैड्रिड में स्पेन मास्टर्स में फाइनल तथा

मलयेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल तक पहुंचीं।

थाईलैंड ओपन में हालांकि वह पहले दौर में बाहर हो गईं। अब यहां उनका सामना पहले ही दौर में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की अकाने यामागुची से होगा। सिंधू का उसके खिलाफ कॅरिअर रिकॉर्ड 14-9 का है लेकिन पिछले साल थाईलैंड ओपन में दोनों की टक्कर के बाद काफी कुछ बदल गया है। उन्हें अब इस जापानी प्रतिद्वंद्वी को हराने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दूसरी ओर प्रणय छह साल का खिताब का सूखा खत्म करने के बाद इस टूर्नामेंट में आए हैं। उन्होंने हाल ही में मलयेशिया मास्टर्स खिताब जीता। उनका सामना जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त कोडाइ नाराओका से होगा। थाईलैंड में सेमीफाइनल में हारे लक्ष्य सेन की टक्कर चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन से होगी। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत थाईलैंड के केंटाफोन वांगचारोन से खेलेंगे जबकि ओरलियंस मास्टर्स विजेता प्रियांशु राजावत का सामना जापान के केंता सुनेयामा से होगा।

साइना के सामने पहले दौर में इंतानोन की चुनौती

महिला एकल में लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल थाईलैंड की रेचानोक इंतानोन से खेलेंगी जिनसे वह पिछले दो मुकाबले हार चुकी है। पुरुष युगल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रैंकीरेड्डी का सामना जापान के अकिरा कोगा और ताइची सेइतो से होगा जबकि एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला की टक्कर फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनान लोबार से होगी। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद हांगकांग की यिउंग एंग तिंग और यिउंग पुइ लाम से खेलेंगी।

भारत ने महिला जूनियर एशिया कप में मलयेशिया को 2-1 से हराया

काकामिगहारा, 6 जून (एजेंसियां)। मलयेशिया के खिलाफ कड़े संघर्ष वाले मुकाबले में मलयेशिया ने छठे मिनट में डियान नाजरी की मदद से छठे मिनट में बढ़त बना ली थी, लेकिन चार मिनट बाद मुमताज खान ने स्कोर बराबर कर दिया और उसके बाद 26वें मिनट में दीपिका के गोल की मदद से भारतीय टीम जीतने में सफल रही।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए महिला जूनियर एशिया कप में मलयेशिया को 2-1 से हरा दिया। भारतीय टीम की यह लगातार दूसरी जीत है, इससे पहले उज्बेकिस्तान के खिलाफ 22-0 से जीत हासिल की थी।

मलयेशिया के खिलाफ कड़े

संघर्ष वाले मुकाबले में मलयेशिया ने छठे मिनट में डियान नाजरी की मदद से छठे मिनट में बढ़त बना ली थी, लेकिन चार मिनट बाद मुमताज खान ने स्कोर बराबर कर दिया और उसके बाद 26वें मिनट में दीपिका के गोल की मदद से भारतीय टीम जीतने में सफल रही। भारत दो जीत के साथ पूल ए में शीर्ष पर आ गया है।

भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और कई पेनाल्टी कॉर्नर अर्जित किए, हालांकि उन्हें भुना नहीं सकी। वहीं, मलयेशिया की खिलाड़ियों ने गेंद पर अपना अच्छा नियंत्रण दिखाया। इस बीच नाजरी ने मौका भुनाते हुए अपनी टीम का खाता खोल दिया।

मलयेशिया की यह खुशी थोड़ी देर ही कायम रही और मुमताज ने पेनाल्टी कॉर्नर पर स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने बढ़त के लिए आक्रामक तेवर जारी रखे। मध्यांतर से चार मिनट पहले पेनाल्टी स्ट्रोक मिला और जिस पर दीपिका ने कोई गलती नहीं की।

बेंजेमा ने रियल मैड्रिड के लिए खेला विदाई मैच

पेनल्टी पर किया गोल

मैड्रिड, 6 जून (एजेंसियां)। स्पेनिश लीग के मैच में विनसियस जूनियर ने भी मैदान में वापसी की। दो हफ्ते पहले उन पर वेलेंसिया के खिलाफ मैच में नस्ली टिप्पणी की गई थी। उस मुकाबले के बाद यह उनका पहला मैच था। इस दौरान वह दो मैच में नहीं उतरे।

फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर करीम बेंजेमा ने रियल मैड्रिड की ओर से अपने अंतिम मैच में पेनल्टी किक पर गोल किया। एथलेटिक बिलबाओ के साथ यह मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। रियल के साथ बेंजेमा ने 14 सीजन में भाग लिया। क्लब ने रविवार को घोषणा की थी कि अगले सत्र में बेंजेमा उनके क्लब के लिए नहीं खेलेंगे। चर्चा है वह सऊदी अरब में खेल सकते हैं। मैच

के बाद साथियों ने उन्हें हवा में उछाल दिया। स्पेनिश लीग के मैच में विनसियस जूनियर ने भी मैदान में वापसी की। दो हफ्ते पहले उन पर वेलेंसिया के खिलाफ मैच में नस्ली टिप्पणी की गई थी। उस मुकाबले के बाद यह उनका पहला मैच था। इस दौरान वह दो मैच में नहीं उतरे।

बेंजेमा ने मैड्रिड के साथ 24 ट्राफियां जीती हैं, जिसमें पांच चैंपियंस लीग, चार ला लीगा खिताब और तीन कोपा डेल रे शामिल हैं। उन्हें शानदार फुटबॉल के लिए पिछले साल बैलोन डी'ओर दिया गया था। वह रियल मैड्रिड के सर्वकालिक दूसरे शीर्ष स्कोरर हैं। मैड्रिड के लिए बेंजेमा ने 354 गोल दागे। रोनाल्डो के 450 गोल के बाद वह दूसरे नंबर पर हैं।

असेंसियो और मारियानो डियाज समेत कुछ खिलाड़ी इस समर क्लब को छोड़ रहे हैं। वहीं, कोच एंसेलोटी ने शनिवार को इंग्लैंड और टोटेनहम के स्टार स्ट्राइकर और कप्तान हैरी केन में मैड्रिड की कथित दिलचस्पी के बारे में बात करने से परहेज किया था।

फ्रेंच ओपन...बॉल-गर्ल के सिर पर लगी बॉल

हिट करने वाली काटो और सुत्जियादी की जोड़ी डिसक्वालिफाई

पेरिस, 6 जून (एजेंसियां)। जापान की युगल खिलाड़ी मियू काटो और उनकी इंडोनेशियाई जोड़ीदार एल्डिला सुत्जियादी को रविवार को फ्रेंच ओपन में डिसक्वालीफाई कर दिया गया। यह वाकया तब हुआ जब काटो ने गलती से गेंद बॉल गर्ल की तरफ मार दिया और यह उसके सिर पर जा लगी। बॉल सिर पर लगने के बाद बॉल गर्ल कोर्ट में ही फूट-फूटकर रोने लगी।

बॉल लगने के बाद विपक्षी टीम की मैरी बोजकोवा और स्पेन की सारा सोरिबेस टोर्मो ने रेफरी से शिकायत की। इसके बाद रेफरी ने काटो-सुत्जियादी की जोड़ी को डिसक्वालिफाई करने का फैसला किया। इसके बाद चेक गणराज्य की बोजकोवा और स्पेन की टोर्मो की जोड़ी को मैच का विजेता घोषित कर दिया गया। मैच के बाद बोजकोवा ने कहा, 'मैंने बॉल गर्ल को गेंद लगते हुए नहीं देखा, लेकिन वह करीब 15 मिनट तक रोती रही।'

काटो और सुत्जियादी विमेंस डबल्स के तीसरे दौर में बुजकोवा और टॉर्मो के खिलाफ 7-6 (1), 1-3 से आगे चल रही थीं। यहां काटो का एक शॉट बॉल गर्ल को जा लगा। इसके बाद काटो और सुत्जियादी ने बॉल गर्ल से माफी मांगी, लेकिन लंबी चर्चा के बाद रेफरी ने काटो और उनकी जोड़ीदार को डिसक्वालीफाई कर दिया।

वहीं एक अन्य मैच में सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने जॉन पॉल वेरिलस को हराकर रिकॉर्ड 17वीं बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। जोकोविच ने इसके साथ ही उनके बराबर 22 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले राफेल नडाल के 16 बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

टूर्नामेंट के 2016 और 2021 के विजेता जोकोविच ने लगभग दो घंटे तक चले मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 94वें स्थान पर काबिज वेरिलस को 6-3, 6-2, 6-2 से हराया।

कल्याण और विकास दोनों सुनिश्चित कर रही है सरकार : केटीआर

तेलंगाना को सिर्फ देश में नहीं, बल्कि दुनिया में पहचान बनाने वाला राज्य बताया

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इस बात पर जोर देते हुए कि तेलंगाना सरकार कल्याण और विकास दोनों सुनिश्चित कर रही है, उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि देश का सबसे युवा राज्य तेलंगाना न केवल देश में बल्कि दुनिया में बेंचमार्क स्थापित कर रहा है।

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, तेलंगाना कल्याण और विकास का एक दुर्लभ संगम देख रहा है। नलगोंडा के दंडुमलकापुर में मंगलवार को कौशल विकास केंद्र और एक सामान्य सुविधा केंद्र का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि राज्य समग्र, एकीकृत, संतुलित और समावेशी विकास के साथ आगे बढ़ रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, विज्ञान और पर्यावरण केंद्र ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की और तेलंगाना को अपने समग्र पर्यावरणीय प्रदर्शन के लिए शीर्ष राज्य घोषित किया। इसी तरह, केंद्र सरकार द्वारा जारी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में, तेलंगाना शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है।

राज्य सरकार ने इकाइयों की स्थापना के लिए पारदर्शी और समयबद्ध अनुमोदन के लिए नवंबर 2014 में टीएस आईपास की शुरुआत की थी। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना संभवत: एकमात्र राज्य है, जो निर्धारित समय के भीतर अनुमोदनों को पूरा करने में विफल रहने पर अधिकारियों के लिए प्रतिदिन 1000 रुपये का जुर्माना लगा रहा है।

केटीआर ने कहा कि 2000 रुपये मासिक पेंशन प्राप्त करने वाले वरिष्ठ नागरिक खुश हैं और इसलिए सरकार द्वारा समय पर अनुमोदन और समर्थन के लिए उद्योगपति खुश हैं। अब, इसे समग्र कल्याण और विकास कहा जाता है। राज्य के गठन से पहले, तेलंगाना के नेताओं और लोगों को अपमानित किया गया और उनकी क्षमताओं के बारे में सवाल किया गया। नौ वर्षों की अवधि में धान का उत्पादन 68 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 3.5 करोड़ मीट्रिक टन हो गया। इसी तरह, आईटी निर्यात 57,258 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,41,275 करोड़ रुपये हो गया।

गुजरात सरकार ने सप्ताह में दो दिन बिजली अवकाश घोषित किया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लंबे समय तक मुख्यमंत्री के रूप में राज्य पर शासन करने के बाद है। उन्होंने कहा कि ट्रक चालक साझा करते हैं कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहन चलाते समय, वे हरे-भरे हरियाली और राज्य की सीमा के बाद हरियाली के गायब होने के कारण तेलंगाना में प्रवेश को आसानी से पहचान सकते हैं। तेलंगाना सरकार सभी क्षेत्रों का व्यापक विकास सुनिश्चित करने की दृष्टि से काम करती है। उन्होंने कहा कि किसी अन्य मुख्यमंत्री के पास हरित हारम कार्यक्रम के तहत 240 करोड़ पौधे लगाने और यूएलबी और ग्रामीण निकायों के लिए अनिवार्य 10 प्रतिशत हरित बजट पेश करने का विजन नहीं है।

केटीआर ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव कभी भी अगले चुनाव के बारे में नहीं सोचते हैं, लेकिन हमेशा आने वाली पीढ़ियों के कल्याण के बारे में सोचते हैं। यूके और संयुक्त राज्य अमेरिका के अपने हालिया दौरों के अनुभवों को याद करते हुए, मंत्री ने कहा कि जब अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स के समक्ष कालेश्वरम परियोजना पर एक प्रस्तुति दी गई, तो उन्होंने कहा कि कई देश तेलंगाना की दृष्टि और प्रतिबद्धता से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

पुलिस ने आठ घंटे में सुलझाया हत्याकांड, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को एक हत्या की रिपोर्ट दर्ज होने के महज आठ घंटे के भीतर, पोचारम आईटी कॉरिडोर पुलिस ने मामले को सुलझाने में कामयाबी हासिल की और इस प्रक्रिया में कथित हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बिहार के रहने वाले सुशील गोस्वामी और पोचारम के जोड़ीमेटला निवासी के रूप में हुई है.

गोस्वामी और पीड़ित धीरज मंडल (27), दोनों बिहार से, काम की तलाश में हैदराबादआए और जोड़ीमेटला में एक सीमेंट ईंट बनाने की इकाई में काम करने लगे। पुलिस के मुताबिक, रविवार रात दोनों अपने दोस्तों और सहकर्मियों के साथ शराब पार्टी कर रहे थे, तभी उनके बीच कहासुनी हो गई। तर्क से प्रेरित होकर, गोस्वामी ने कथित तौर पर सीमेंट की ईंट से मंडल पर हमला किया, जिससे गंभीर चोटें आईं जिससे तुरंत मौत हो गई। सोमवार सुबह ईंट इकाई के मालिक की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच की। गुप्त सूचना के आधार पर गोस्वामी को सोमवार दोपहर घाटकेसर रेलवे स्टेशन पर पकड़ा गया।

बोनालू पर्व के तहत मंदिरों को मिलेगी सरकारी आर्थिक सहायता : तलसानी

मंत्री ने धर्मस्व और राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पशुसंवर्धन, मत्स्य एवं डेयरी विकास एवं छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि बोनालू पर्व से एक सप्ताह पहले मंदिरों को सरकारी आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मंगलवार को डॉ. बीआर अंबेडकर ने तेलंगाना राज्य सचिवालय में धर्मस्व और राजस्व विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आषाढ़ बोनालू पर्व इस महीने की 22 तारीख से शुरू होगा। बताया गया है कि गोलकोंडा बोनालू 22 जून को, सिकंदराबाद बोनालू 9 जुलाई को और ओल्ड सिटी बोनालू 16 जुलाई को आयोजित होंगे। मंत्री ने कहा कि बोनालू महोत्सव में लाखों की संख्या में लोग आएंगे और इसे ध्यान में रखते हुए सरकार के तत्वावधान में विभिन्न विभागों के समन्वय से सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद से मुख्यमंत्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव के आदेशानुसार बोनालू उत्सवों को भव्य रूप से आयोजित करने के लिए धर्मस्व विभाग के अधिकार क्षेत्र से बाहर के मंदिरों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। पिछले साल जीएचएमसी के तहत 3039 मंदिरों को वित्तीय सहायता दी गई थी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी सरकार ने विभिन्न मंदिरों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 15 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इस वर्ष सरकार ने बोनालू पर्व के एक सप्ताह पूर्व से ही मंदिरों को आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है और मंत्री ने उसी के अनुसार कदम उठाने का आदेश दिया है। मंत्री ने मंदिर समितियों के प्रशासकों को आवेदन जल्द से जल्द अधिकारियों को सौंपने को भी कहा। बताया जाता है कि हमारी संस्कृति को दर्शाने वाले बोनालू उत्सवों का भव्य आयोजन किया जाता है। बोनालू के अवसर पर लगभग 26 मंदिरों को राज्य सरकार की ओर से रेशम के कपड़े भेंट किए जाएंगे। जीएचएमसी के मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी, मल्लारेड्डी, मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोठे श्रीलता रेड्डी भी रेशमी कपड़े भेंट करेंगे और व्यवस्था करेंगे। इसी तरह कोटी, पुराने शहर और सिकंदराबाद के दमयंती भवन में थ्रीडी मैपिंग की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विभाग सभी प्रमुख मंदिरों में कलाकारों के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। अधिकारियों को मुख्य मंदिरों को बिजली की रोशनी से सजाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि बोनालू पर्व का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। बैठक में आयुक्त अनिल कुमार, उपायुक्त रामकृष्ण, सहायक आयुक्त बालाजी, डीआरओ सूर्यलता सहित अन्य ने भाग लिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की उपेक्षा कर रही बीआरएस सरकार : शब्बीर

डोमाकोंडा सरकारी अस्पताल के सामने कांग्रेस ने दिया धरना

कामारेड्डी, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद शब्बीर अली, कांग्रेस पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कामारेड्डी जिले के डोमाकोंडा सरकारी अस्पताल के सामने धरना दिया और स्वास्थ्य सुविधा में तत्काल सुधार और सुधार की मांग की। शब्बीर अली ने चेतावनी दी कि अगर 1 जुलाई तक अस्पताल को 100 बिस्तरों की सुविधा में अपग्रेड नहीं किया गया, तो वह भूख हड़ताल शुरू कर देंगे।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, शब्बीर अली ने मांग की कि स्थानीय समुदाय के लिए बेहतर चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए डोमकोंडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को अपग्रेड किया जाना चाहिए। विरोध के दौरान उजागर किए गए प्रमुख मुद्दों में से एक अस्पताल एम्बुलेंस के लिए एक समर्पित ड्राइवर की कमी थी, यह समस्या कई वर्षों से बनी हुई है। सरकार की लापरवाही के प्रति प्रतीकात्मक आलोचना करते हुए शब्बीर अली और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में खड़ी एक जंग लगी एंबुलेंस के पास फूल बरसाए और नारियल फोड़े। विरोध के दौरान कई अन्य मुद्दों को सामने लाया गया। तीन साल से बेकार पड़ा नवनिर्मित पोस्टमार्टम कक्ष आम लोगों के लिए बंद रहता है। इसके अतिरिक्त, अस्पताल से सटे आरटीसी बस स्टैंड का कोई उन्नयन नहीं किया गया है, जिससे उन यात्रियों को भारी असुविधा होती है जिनके पास उचित शौचालय और पीने के पानी की सुविधा नहीं है।

उन्होंने कहा कि 13 डॉक्टरों की स्वीकृत संख्या के बावजूद, वर्तमान में केवल तीन ही अस्पताल में चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इस कमी ने मौजूदा कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ा दिया है। नतीजतन, इलाज में देरी के कारण मरीजों को परेशानी हो रही है।

शब्बीर अली ने कहा कि डोमकोंडा अस्पताल को 100 बिस्तरों की सुविधा में अपग्रेड करने से कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र में बिबिपेट, डोमकोंडा, मचारेड्डी और भीकानूर मंडल के निवासियों के साथ-साथ सिरसिला और सिद्दीपेट जिलों के रोगियों को लाभ होगा। उन्होंने कामारेड्डी जिला केंद्रीय अस्पताल को चिकित्सा शिक्षा निदेशालय (डीएमई) से जोड़ने पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र में मूल वैद्य विधान परिषद के तहत क्षेत्र के अस्पतालों को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान बीआरएस सरकार ने 30 बिस्तरों वाले अस्पताल की उपेक्षा की है, जो दशकों पहले मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान बनाया गया था। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अस्पताल और उसके कर्मचारियों के सामने आने वाले दबाव वाले मुद्दों का समाधान करें, साथ ही स्थानीय आबादी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान सुनिश्चित करें। शब्बीर अली ने दोहराया कि अगर राज्य सरकार 1 जुलाई तक डोमकोंडा सीएचसी को 100 बिस्तरों वाले अस्पताल में अपग्रेड करने में विफल रहती है तो वह भूख हड़ताल करेंगे।

मंत्री ने पारंपरिक व्यवसाय लाभार्थियों के नामांकन के लिए वेबसाइट का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण मंत्री गंगुला कमलाकर ने मंगलवार को राज्य सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पारंपरिक व्यवसायों में शामिल नामों के नामांकन के लिए एक वेबसाइट लॉन्च की। जैसा कि राज्य सरकार ने हाल ही में रुपये की घोषणा की है। पारंपरिक व्यवसायों में शामिल लोगों को एक लाख की वित्तीय सहायता और चल रहे स्थापना दिवस समारोह के दौरान वित्तीय सहायता का वितरण करने का निर्णय लिया गया है, मंत्री ने सभी पात्र लाभार्थियों से वेबसाइट पर अपना नाम पंजीकृत करने का आग्रह किया। विश्व ब्राह्मण, नायब्राह्मण, रजका और मेदारी जैसे समुदायों के पात्र लोगों को https://tsobmnmsbc.cgg gov.in पर लॉग इन करना चाहिए और फोटो, जाति प्रमाण पत्र और आधार कार्ड के अटैचमेंट के साथ अपना आवेदन पत्र अपलोड करें।

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव 9 जून को मंचेरियाल में आधिकारिक तौर पर इस योजना का शुभारंभ करेंगे। उसी दिन, मंत्री और विधायक राज्य भर में अपने संबंधित क्षेत्रों में लाभार्थियों को एक लाख रुपये सौंपेंगे।

बालानगर फ्लाईओवर से कूदकर व्यक्ति ने दे दी जान

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात बालानगर फ्लाईओवर से कूदकर एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, वेल्डिंग की दुकान पर काम करने वाला बी अशोक अपनी पत्नी से झगड़े के बाद बालानगर फ्लाईओवर पर आया और वहां से कूदकर जान दे दी। पूर्व में कई बार अशोक ने कथित तौर पर ब्लेड से हाथ काटकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया था।

केसीआर ने नागरकुर्नूल में किया बीआरएस कार्यालय का उद्घाटन

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को नागरकुर्नूल जिला मुख्यालय में बीआरएस पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और जिले के नेताओं की उपस्थिति में पार्टी का झंडा फहराया। बाद में उन्होंने नवनिर्मित जिला पुलिस मुख्यालय भवन का लोकार्पण किया। उनका नए एकीकृत जिला कार्यालय परिसर का उद्घाटन करने और बाद में दिन में एक जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है।

पहली बार पुलिस ने माओवादी कोरियर से जब्त किया ड्रोन कैमरा

खम्मम, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा बलों के लिए एक गंभीर चिंता का विषय हो सकता है, पुलिस ने भाकपा (माओवादी) कोरियर से एक ड्रोन कैमरा जब्त किया है।

मंगलवार को जिले के चेरला मंडल के देवनगरम में चेरला पुलिस, विशेष पार्टी पुलिस और सीआरपीएफ 141 बीएन कर्मियों द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान एक खराद मशीन और विस्फोटक सामग्री के साथ ड्रोन कैमरा पाया गया।

पुलिस अधीक्षक डॉ. विनीत ने कहा कि यह पहली बार था कि तेलंगाना में पुलिस ने एक ड्रोन कैमरा जब्त किया जो माओवादियों की ओर जा रहा था। उन्होंने कहा, 'अगर ड्रोन कैमरा माओवादियों के हाथ लग जाता तो यह सुरक्षा बलों के लिए बड़ा खतरा बन सकता था क्योंकि माओवादी इसका इस्तेमाल कर महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रतिष्ठानों की जानकारी जुटा सकते थे। एसपी ने कहा कि पुलिस ने माओवादियों को ड्रोन कैमरा बेचने वाले वेंडर को ट्रैक करने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम उन सभी लोगों का पता लगाएंगे जो बाहर से माओवादियों का समर्थन कर रहे हैं और कानूनी कार्रवाई करेंगे।

सूत्रों के अनुसार, छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस को नवंबर 2019 में कथित तौर पर माओवादियों द्वारा संचालित एक ड्रोन कैमरा किस्ताराम और पल्लोदी में एक सीआरपीएफ शिविर के ऊपर मंडराता हुआ मिला था। इस घटनाक्रम से चिंतित, खुफिया एजेंसियों ने उस समय वेंडर को मुंबई तक ट्रैक किया।

अधिकारियों ने कहा कि यह घटना इस तथ्य को भी साबित करती है कि माओवादी सुरक्षा बलों की टोह लेने, निगरानी करने और उनकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा बलों के लिए एक नई चुनौती हो सकती है, हालांकि वे माओवादियों को ट्रैक करने के लिए पहले से ही ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे थे।

पुलिस को निशाना बनाने के लिए माओवादी अपने दम पर आग्नेयास्त्र बनाकर भी आत्मनिर्भर बनने की कोशिश कर रहे थे।

करीमनगर में नकली बीज बेचने के आरोप में दो गिरफ्तार

करीमनगर, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को टास्कफोर्स पुलिस, कृषि अधिकारियों और मानाकोंदूर पुलिस ने एक नकली बीज बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और दो लोगों को गिरफ्तार किया। स्वप्ना कॉलोनी के नुका राजेशम, पेद्दापल्ली जिले के सुल्तानाबाद और वारंगल जिले के मत्तेवाड़ा के एरुकुल्ला वेदप्रकाश को गिरफ्तार किया गया। पुलिस आयुक्त एल सुब्बारायुडू ने कहा कि राजेशम और वेदप्रकाश, जो पहले बीज और उर्वरक की दुकानें संचालित करते थे, को नुकसान हुआ था। इसके बाद उन्होंने उन किसानों को निशाना बनाकर नकली बीजों का कारोबार शुरू किया जो पहले उनके ग्राहक थे। अधिक उपज का वादा कर व्यापारियों ने नकली बीज किसानों को बेच दिया। आयुक्त ने कहा कि उन्होंने बीजी2 कपास किस्म के बीज को बीजी3 बीज के रूप में पेश करके बेचने के लिए जमीन भी तैयार की। पेड्डापल्ली का एक अन्य व्यापारी सतीश फरार है। उन्होंने कहा कि उनके पास से एक लाख रुपये मूल्य के नकली बीज, अस्तालक्ष्मी के लेबल वाले 19 स्टील के डिब्बे, साईं दिव्या के लेबल वाले 31 बीज के पैकेट और 20 खाली पैकेट बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो पीडी एक्ट भी लगाया जाएगा।

समर स्पेशल ट्रेन सेवाओं का विस्तार

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को क्लियर करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे निम्नलिखित विशेष ट्रेनों की सेवाओं का विस्तार करेगा अर्थात 07061 काचीगुडा-तिरुपति गुरुवार 8 जून, 2023, ट्रेन नं. 07062 तिरुपति-काचेगुडा शुक्रवार 9 जून, ट्रेन नं. 07417 काचीगुडा-काकीनाडा टाउन शनिवार 10 जून, ट्रेन नं. 07418 काकीनाडा टाउन-काचीगुडा रविवार 11 जून, ट्रेन नं. 07653 काचीगुडा-नरसापुर गुरुवार 8 जून से 29 जून, ट्रेन नंबर 07654 नरसापुर-काचीगुडा शुक्रवार 9 जून से 30 जून, 2023, ट्रेन नंबर 07061 / 07062 काचीगुडा-तिरुपति-काचीगुडा स्पेशल ट्रेनें (दो सेवाएं) चलेंगी। रास्ते में ये ट्रेनें शादनगर, महबूबनगर, वानापार्थी, गडवाल, कुरनूल सिटी, डोन, गूटी, तड़ीपत्री, कडप्पा, राजमपेट पर रुकेंगी और दोनों दिशाओं में रेनिगुन्टा स्टेशन पर रुकेंगी। ट्रेन नंबर 07417/07418 काचीगुडा-काकीनाडा टाउन-काचीगुडा स्पेशल ट्रेन (दो सेवाएं) दोनों स्टेशनों पर काजीपेट, वारंगल, महबूबाबाद, खम्मम, रायनापडु, गुडिवाड़ा, कैकलुरु, अकिविडु, भीमावरम टाउन, तनुकू, निदादावोलु, राजमुंदरी और समालकोट स्टेशनों पर रुकेंगी।

ट्रेन संख्या 07653/07654 काचीगुडा-नरसापुर-काचीगुडा स्पेशल ट्रेनें (आठ सेवाएं) दोनों दिशाओं में मल्काजगिरी, नलगोंडा, मिरयालगुडा, पिदुगुराल्ला, सत्तेनापल्ली, गुंटूर, विजयवाड़ा, गुडिवाड़ा, कैकलुरु, अकिविदु, भीमावरम टाउन और पलकोल्लू स्टेशनों पर रुकेंगी। इन

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सरकार ने नागरकुर्नूल को आश्चर्यजनक रूप से बदल दिया : सीएम केसीआर

नागरकुर्नूल जिला समाहरणालय का उद्घाटन

नागरकुर्नूल, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को नागरकुर्नूल में नवनिर्मित एकीकृत जिला कार्यालय परिसर का उद्घाटन किया। कलेक्ट्रेट परिसर के उद्घाटन से पूर्व मुख्यमंत्री का जिले के अधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। पुलिस की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उसके बाद, केसीआर ने कलेक्ट्रेट परिसर में पुजारियों द्वारा किए गए अनुष्ठानों में भाग लिया।

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि नागरकुर्नूल क्षेत्र, जो कभी गंभीर सूखे का एक महाकाव्य केंद्र था, जल निकायों और फसलों की खेती के लिए एक घर बन गया है। मंगलवार को यहां बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान, चेक बांधों और सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण के साथ नागरकुर्नूल का चेहरा बदल गया है और इस क्षेत्र में पानी की उपलब्धता में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने याद दिलाया कि सूर्यापेट से कल्वाकुर्ती तक, क्षेत्र हमेशा गंभीर सूखे की स्थिति से जूझ रहा था और सिंचाई की जरूरतों के लिए पानी मिलना मुश्किल था। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से स्थिति पूरी तरह से बदल गई है और कलवाकुर्थी क्षेत्र में एक लाख एकड़ से अधिक सिंचाई सुविधा के अंतर्गत आ गया है। केसीआर ने कहा कि यह बीआरएस सरकार की दूरदर्शी सोच के कारण संभव हुआ है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा और कहा कि संयुक्त महबूबनगर जिला चहुंमुखी विकास के साथ आने वाले दिनों में चमत्कार पैदा करेगा। इस अवसर पर, जिला कलेक्टर उदय कुमार मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और मंत्रियों वेमुला प्रशांत रेड्डी, निरंजन रेड्डी और श्रीनिवास गौड़, मुख्य सचिव शांति, विधायकों, एमएलसी और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों की उपस्थिति में अपने कक्ष में कुर्सी पर बैठे। नागरकुर्नूल नगर पालिका के अंतर्गत आने वाले देशीक्याला गांव के बाहरी इलाके में 12 एकड़ जमीन में 52 करोड़ रुपये की लागत से नया समाहरणालय बनाया गया है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने जिला मुख्यालय स्थित बीआरएस पार्टी कार्यालय का भी उद्घाटन किया. इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, मुख्यमंत्री ने पार्टी पदाधिकारियों और जिले के नेताओं की उपस्थिति में पार्टी का झंडा फहराया। नए समाहरणालय परिसर में जाने से पहले केसीआर ने कस्बे में नवनिर्मित जिला पुलिस मुख्यालय भवन का भी उद्घाटन किया।

वेमुलवाड़ा मंदिर में महिला श्रद्धालु की मौत

राजन्ना-सिरिसिल्ला, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह वेमुलवाड़ा में श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर के परिसर में एक महिला भक्त की मौत हो गई। लक्ष्मी, जो अपने परिवार के सदस्यों के साथ मंदिर के सामने एक खुली जगह में सो रही थी, सुबह मृत पाई गई। इस संकेत के साथ कि दिल का दौरा पड़ने से उसकी नींद में मृत्यु हो गई थी।

करीमनगर जिले के मानाकोंडुर मंडल के लिंगापुर की मूल निवासी, लक्ष्मी अपने परिवार के सदस्यों के साथ सोमवार को मंदिर गई थीं। वे रात में खुले में सोते थे, क्योंकि भारी भीड़ के कारण वे इष्टदेव के दर्शन नहीं कर सकते थे। मंगलवार की सुबह जब परिजन सोकर उठे तो लक्ष्मी को मृत पाया। वेमुलावाड़ा मंदिर के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत की पुष्टि की।

बच्चे को बचाने के प्रयास में करंट लगने से महिला की मौत

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केपीएचबी के एक अपार्टमेंट में मंगलवार दोपहर एक बच्चे को बचाने के दौरान करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई।

खबरों के मुताबिक, पापम्मा नाम की महिला केपीएचबी पुलिस थाना क्षेत्र के अडागुट्टा सोसाइटी के एक अपार्टमेंट में रहती थी। उनके पति श्रीनिवास चौकीदार हैं और दंपति के दो बच्चे हैं। दोपहर में, अपार्टमेंट में रहने वाली एक बच्ची श्री लक्ष्मी, एक पेड़ के पास गई और उसे छुआ। पेड़ से बिजली का लाइव केबल जुड़ा होने के कारण बच्चे को करंट लगा और गिर गया। यह देख पापम्मा उसके पास दौड़ी और पेड़ से तार हटाने की कोशिश करने लगी, तभी उसे करंट लग गया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां पापम्मा को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि बच्ची श्री लक्ष्मी का इलाज चल रहा है। पुलिस जांच कर रही है।

आम सूचना

एतद्वारा आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि, डोर नं.11-5-1/1, आप्पीकोंडा वारी वीधि, भीमुनिपटनम, विशाखापटनम-531163 पर मुख्यालय स्थित मुदंडगु प्रजा पार्टी नामक राजनीतिक पार्टी ने चुनाव आयोग के साथ पंजीकृत किया है तथा उपरोक्त राजनीतिक पार्टी ने अब अपने पार्टी का नाम बदलकर **जयभीमराव भारत पार्टी(जेबीपी)** करने का निर्णय किया है। अतः इसके चलते किसी को उपरोक्त प्रस्तावित नये नाम से यदि कोई भी आपत्ति कोई हो तो, वे अपनी आपत्ति या आपत्तियों को, लिखित रूप में उचित कारणों के साथ तत्संबंधित सूचना के प्रकाशन की तिथि से लेकर 30 दिनों के भीतर, सचिव,(राजनीतिक पार्टी), भारतीय चुनाव आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-100001, को प्रेषित करें।

एन.एन. ग्रेस
महा सचिव, मुंड्डुगु प्रजा पार्टी

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.